



ગુજરાતી વ્યાકરણ

અનુક્રમણિકા

ક્રમ	પ્રકરણ	પેજ નં.
1.	સમાનાર્થી શબ્દો	1
2.	વિરુદ્ધાર્થી શબ્દો	25
3.	તળપદા શબ્દો	38
4.	શબ્દ સમૂહ માટે એક શબ્દ	44
5.	કર્તૃવાચક સંજ્ઞાઓ	89
6.	જોડણી	98
7.	કહેવતો	109
8.	રૂઢિપ્રયોગો	126

All Exam Study Materials Download

Visit Website

www.HindiHelpguru.com

–:समानार्थी शब्दो:–

- भमरो : भृंग, षट्पट, अलि, द्विरेङ् मधुकर, भ्रमण
- रात्रि : निशा, रजनी, यामिनी, निशीथ, विभावरी, शर्वरी
- भाण : तीर, षष्ठी, कंक, मार्गण, विशिष, शर
- अर्जुन : षष्पुत्र, सव्यसायी, पार्थ, धनंजय, गांडिवपाणि, किरीटी
- अवाज : ध्वनि, नाद, साद, घोष, रव, निनाद, आरव
- आकाश : आल, अंजर, गगन, आसमान, नभ, व्योम
- भगवान : षष्चर, षश, जगदीश, आनंदधन, तारणहार, पदेश, विश्वकर्मा, विभु, दीननाथ, विश्वनाथ, सर्जनहार, नरोत्तम, जगमोहन, अंतर्यामी, चिन्मय, जालिद, अधीश, अधीश्वर
- कायम : रोज, सदा, शाश्वत, नित्य, हंमेशा, सनातन
- घाट : किनारो, पुलिन, तीर, कांठो
- अमृत : अमी, पीयूष, सुधा
- गोभो : जाओचियुं, गाभडुं, भाडो, भूवो, भाष, धरो, वीरडो, अवपात, उभाड, कुंड, भाधरो, गर्त, अजाडी
- विनंती : अरज, प्रार्थना, विनवणी, विज्ञप्ति, अनुनय
- जन्म : आगमन, आविर्भाव, उत्पत्ति, उद्भव, आगम, प्रभव, प्रसव, अवतार, अवतरण
- धरो : द्रो, दरो, द्रह
- सुवर्ण : सोनुं, कंचन, हेम, कनक, कुंदन, जर, वसु, हाटक, हिरण्य
- कोठी : कोठार, कोष, वजार, भंडार, मोदीजानुं
- जूथ : समूह, टोणुं, कलाप, काङ्गो, समुदाय, समुख्यय, समवाय,

गण, आकर

- **भुज्य** : वरिष्ठ, प्रधान, प्रवर,, श्रेष्ठ
- **हवन** : यज्ञ, याग, जगन, होम, हवन, सत्र, अहवर, भज, भेध
- **शीघ्र** : उतावणुं, ऋषी, आतुर, त्वरित, शीघ्र, सत्वर, सिताण, अधीरुं, आतुर
- **विवाह** : लग्न, परिणय
- **मृत्यु** : अवसान, निधन, मोत, देहांत, मरण, अंतकाण, काणधर्म
- **शारदा** : सरस्वती, श्री, वागीश्वरी, गिरा, वाणी, मयूरवाहिनी, भारती
- **निषेध** : धनकार, नामंजूरी, अस्वीकार, मना
- **दीवो** : ज्योत, दीपक, दीप, ज्योति
- **धारणा** : अनुमान, अटकण
- **हेतु** : आशय, कारण, उद्देश
- **अजपाण** : अजपति, भरवास
- **नीय** : अधम, हलकुं, हलकट, नराधम, नपावट, हीण
- **घाट** : किनारो,कांठो, तट, तीर्थ, पार, तीर, आरो, ओवारो
- **जिज्ञासा** : कुतूहल, उत्कंठा, धन्तेजरी, तालावेली
- **हकीकत** : केङ्कित, दास्तान
- **धी** : धृत,सर्पि, आजय, तूप, हवि
- **गहन** : रहस्य, गूढ, अकण
- **पुस्तक** : ग्रंथ, चोपडी, किताब, पोथी
- **कायम** : नित्य, ध्रुव, शाश्वत, सनातन
- **नेवकूक** : जोधुं, मूढ, गमार

- ताकात : जोर, जल, शक्ति, जोम, सामर्थ्य, डौवत
- ऋघडो : जंग, युद्ध, लडाई, समर, संग्राम, विग्रह
- धरडुं : वृद्ध, जरठ, वयोवृद्ध, जुहुं, जुहुगुं, वयातीत
- वाडल : अंजुड, नीरड, वारिड, जलड, अल्र, मेड, धन, पर्जन्य
- रमणीयता : यारुता, सुंदरता, लावण्य, रमणीयता, लालित्य, ढूणसूरती
- जुवन : जिंदगी, आयुष्य, जुवतर, आवरडा, आयुं
- पिता : ढाप, तात, जन्मडाता, जनक
- तलवार : सायल, समशेर, असि, तेग, ढडग
- धन : पैसो, नाणुं, डोलत, संपत्ति, पूंजु, वित, मता, जयडाड, द्रव्य
- ढीकल : डरकुं, ढीरु, डरुडोक
- तडन : ढिलकुल, साव
- पीडा : दुःख, डरु, व्यथा, यातना, वेडना, आडत, आपडा, विपत्ति, कष्ट, संकट
- शीघ्र : तरत, त्वरित, जलडी
- नजुक : पासे, समीप, निकट
- डिवस : डिन, डडाडो, डी, अहन, वासर
- निशा : क्षपा, यामिनी, शर्वरी, रात्रि, रजनी, विढावरी
- ढार्ग : पथ, वाट, राह, रस्तो, पंथ
- धवज : पताका, धजा, डेतन, वावटो
- ऋल : करज, डेवुं
- शत्रु : दुश्मन, अढित्र, वैरी, रिपु, अरि
- पशु : जानवर, वृणयर, डोर

- शिला : पथरो, पथ्थर, पाषाण, पाणो, परारुक्
- दगो : छण, कपट, प्रपंच
- पतन : पराजय, पडती, पीछेहठ, पराभव, हार
- पतंग : कनकवो, कंकडो
- विरोध : प्रतिकार, सामनो, भाकरी
- डुंगली : राजगरी, कांडो
- पांढडुं : पान, पत्र, पल्लव, पर्षा, किसलय
- हरण : मृगलुं, हरिण, मृग, सारंग, कुरंग
- मजल : छेटुं, अंतर
- शहेर : पुर, नगर, नगरी, पुरी
- समक्ष : प्रत्यक्ष, संमुष्, नजरोनजर, र्भर
- प्रतिष्ठा : संमान, आभर, मान
- दुष्ट : धूर्त, अधम, कुटिल, नीच
- भयंकर : भीम, दारुण, भीष्म, भीषण, घोर
- मोहिनी : आकर्षण, भूरकी, भेंयाण
- जुंढ : छांटो, टीपुं
- माथुं : शीर्ष, शीश, शिर, मस्तक
- जगीयो : उपवन, उद्यान, वाटिका, वाडी, जाग
- रमणीय : सुंदर, मनोहर, महोक, कमनीय, नमथुं, र्पाणुं, कान्त, नमथुं
- साप : अहि, भुजंग, सर्प, नाग, पन्नग, विषधर
- दरिद्र : अकिंचन, कंगाल, गरीब, रंक, निर्धन, पामर, दीन

- पाणी : नीर, अंजु, वारि, जण, सलिल, तोय, उडक
- वृक्ष : ऋड, तरु, पादप, तरुवर, द्रुप
- काया : शरीर, देह, काया, तन, अंग, वपु, गात्र, क्लेवर
- दोस्त : मित्र, भेरु, यार, सभा, सहोदर, वयस्य, अनीस
- समिति : सभा, परिषद, गोष्ठी
- धवल : सङ्केद, श्वेत, शुचि, गौर, घोणुं, शुभ्र, शुक्ल, पवित्र, शुद्ध, पांडु
- सरिता : तटिनी, नदी, सरिता, परंगिणी, शैवलिनी, निर्जरिणी
- सेवक : याकर, दास, किंकर, भर्त्य, परियारक, नोकर
- प्रकाश : तेज, उजस, यमक, ज्योति, दिप्ति
- पुष्प : प्रसून, सुमन, कुसुम, झूल
- पंडित : विद्धान, विद्यदाता, कोविद
- अनिरुद्ध : कामकुमार, कामज, कामकुंवर
- स्नेह : प्रीति, हेत, राग, ममता, माया, प्रेम
- गज : हाथी, कुंजर, हस्ती, मतंगज, द्विरद
- दिवस : दिन, अह्न, वासर, दहोडो
- अनादर : अपमान, मानहानि, अवमानना, निरादर, तिरस्कार, तुच्छकार, अवधारणा, अभिभव, अनादर, अवज्ञा, अवगणना
- अमर : अजर, अक्षर, अक्षय, मृत्युंजय, अमृत, अनश्वर, निर्जर, अविनाशी
- सुधा : अमृत, पियूष, समुद्रनवनीत, सुधारस, सुरभोग, देवभोज्य, देवाहार, अमरत, अभी, अगदराज

- **दगो** : कपट, कुटिलता, कौटिल्य, छल, ढगाई, दगाफोरी, प्रपंच, इरेण
- **कागडो** : काठि, काक, कौवो, वायस, हाडियो, हाडो, काग, अकाक्ष
- **कृषा** : कहान, गोविंद, माधव, मोहन, नटवर, मुरारि, हरि, मधुसूदन, यदुनंदन, धनश्याम, जनार्दन, दामोदर, द्वारकेश, गिरिधर, गोपाल, केशव, राधावल्लभ, वासुदेव, व्रजविहारी, विष्णु
- **गुरसो** : क्रोध, आक्रोश, प्रकोप, दान, तामस, कोप, आवेश, रोष, उग्रता, धोम
- **गाय** : गवरी, गौ, धेनु, कपिला, सुरभि
- **गोठवण** : योजना, व्यवस्था, सगवड, आयोजन, अंधारण, रचना, निर्माण, अनावट, अंदोअस्त
- **अहर्निश** : सतत, नित्य, अंमेशा, निरंतर, सदा, सर्वदा, वारंवार, अनुदिन, निशदिन, दररोज, सदैव, कायम
- **हार** : आवलि, कडी, कतार, पंगत, पंक्ति, श्रेणी, परंपरा, अलगार, धारा
- **सीता** : अजतनया, मैथिली, वैदेही, भूमिजा, अजन्मा, रामप्रिया, संभवा, जनकतनया, जानकी,
- **सिंह** : मृगोन्द्र, सावज, शेर, केशरी, हरि, पंचमुभ, पंचानन, गजारि, कुंजरकाण, पंचास्य
- **संकल्प** : निर्णय, प्रतिज्ञा, टेक, निश्चय
- **वर्णन** : आलेखन, उल्लेख, कथन, निरूपण, हेवाल, विगत, अयान, प्रतिपादन, विवरण
- **डोणप** : जामी, ओछप

- वाक् : उक्ति, भाषा, आह्वी, भारती, वाणी
- कलरव : कलशोर, कोलाहल, कलजलाट
- उनालो : ग्रीष्म, निदाघ
- समुच्चय : युग्म, जोडकुं
- भंडोल : निधि, गुमभुं, टगलो, पूंज, समुह
- अहेसास : अनुभव, अनुभूति
- सलाह : शीप, शिषामण
- परिपक्व : पाकट
- वलण : द्रष्टिकोण, पद्धति,
- अवधि : सीमा, मर्यादा, अंत, छेडो, परिसीमा, परिच्छेद
- हरकत : अडचण, अटकाव, आड, आडभील, जलेल, दणल, नडतर, विघ्न, विटंभणा, मुश्केली
- धृति : धीरज, धरपत, वीर, सजूर, धीरप, धैर्य, शमता, शांति, शीलता, अडप
- धुपद : टेक, अनुपद, धुवपद
- अडोअड : लगोलग, सरसुं, जोडाजोड, पासे, नजुक, समीप
- असत्य : जूठ, जोटुं, मिथ्या, अनूत, अनृत, कैतव, मृषावाद
- गुल : कुसुम, प्रसून, सुमन, झूल, पुष्प
- शेतरंजु : पाथरंजुं, आछर, आथर, आस्तर, जजम, गालीचो, पाथरण, जिछात, जिछानुं, मोद, जिस्तर
- आग : अग्नि, पावक, अनल, हुताशन, आतश, दव, ज्वाणा, वह्नि
- अचानक : सहसा, अणधार्युं, अेकदम, अेकाअेक
- र्धन्द्र : सुरपति, शयीपति, मधवा, शक, पुरंदर, शयीश, देवराज,

- शुभूतवाहन, कौशिक, महेन्द्र, वज्रपाणि, वासव, सुरेश
- कभल : सरोज, शतदल, नलिन, अंभोज, उत्पल, सरसिज, पुंडरिंक, पंकज, कुवलड, राजुव, पोडलुं, कैरव, ँडीवर
 - अडकीरि : इजेती, अदनाडी, नलडशी, वगोवणी, निंदा
 - अडराध : गुनो, वलंक, दोष, तकुसीर
 - उन्नति : वलकलस, उत्कृष, अबुडुदड, डडी, उत्थलन, डुरगति
 - अङ्ग : अजलल, अनडडिङ्ग
 - कलल : सडड, वडत, जडडनो, वेणल, टललुं, अवसर
 - कौशल : दकुतल, डदुतल, डुरलवीडड, डतुडरल, निडुडलतल
 - गरिडड : डहतल, डोटल, डोटड, डोटलश
 - गुङ्गल : गुहल, कंदर, कंदरल, अडडोल, गहवर
 - जगजजननी : जगदंणल, दुर्गल
 - जडडरत : डुरुण, अललसडडु, ठोठ, गडडलर
 - वृषुशल : लललसल, कलडनल, वलसनल, लिडुसल
 - दैतुड : दलनव, असुडर, रलकुस, निशललडर, दनुज
 - डरुवत : गिरि, डहलड, डुंगलर, शैल, अडल, डूधर, नग, धरलधर, कुसडलधर, अदुरि
 - डरिडुर : डलवन, शुडि, शुदुध, डलक
 - डति : कंथ, डरथलर, धणी, सुवलडी, नलथ, धव, डतल, वलुलड, डुरीतड, डुरललडडति
 - डतुनी : डलरुडल, अदुधलंगनल, वलुलडल, वधू, वहु, शुरीडती, गृहलकुडी
 - डंजिल : डकलन, डुकलड, डडलव, उतलरो
 - डहेल : रलजगृह, डुरलसलद, रलजडडवन, रलजडंदिर

- **भाग्य** : भाग्य, किस्मत, नसीब, तकदीर, दैव, प्रारब्ध, नियति, विधाता
- **भ्रमर** : भ्रमरो, अलि, भृंग, मधुकर, मधुप, द्विरेक
- **वाघ** : शार्दूल, व्याघ्र, शेर
- **सोनुं** : हेम, कनक, हिरण्य, सुवर्ण, कंचन, कुंडन
- **ध्येय** : उद्देश, लक्ष्य, हेतु, प्रयोजन, आशय
- **चंद्र** : शशी, मयंक, विधु, सुधांशु, शीतांशु, हिमांशु, शशांक, सोम, चंद्रमा, र्णदु, निशाकर, चांद, निशापति, चांदलियो, कुमुदपति, भृगांक
- **पृथ्वी** : धरा, धरती, मही, भू, वसुधा, धरित्री, धारिणी, अवनि, वसुमती, धरणी, भूमि, र्णला, उर्वी, वसुंधरा, विश्वंभरा
- **पंजी** : ञग, विहंग, द्विज, पक्षी, विहंगम, अंडज, शकुन्त, शकुनि, विहग
- **साप** : अहि, भुजंग, काकोदर, उरग, पन्नग, इलाधर, यक्षुःश्रवा, नाग, पवनाथ, वशियर, शरभू, भोरिंग, काकोल, क्षेत्रपाल
- **दूध** : पय, दुग्ध, क्षीर
- **अनोपुं** : अनेनमून, अपूर्व, असाधारण, अनन्य, अज्ञेड, अद्वितीय, अनेरं, अनुपम, अतुल, अनुप, सर्वोत्तम, अनूहुं, अभूतपूर्व
- **प्रतिष्ठा** : प्रसिद्धि, कीर्ति, नामना, प्याति, र्णज्जत, शोभा, मोभो, मान
- **कल्याण** : शिव, श्रेय, कुशल, क्षेम, भद्र, मंगल, शुभ, हित, मांगल्य
- **कादव** : कर्दम, पंक, गारो, यिजल, कळ, कीचड, जलकळ
- **मुलायम** : सुंवाणुं, सुकोमल, मृदु, आर्द्र, कुमणुं, मसृण, ललित, मंजु, अपरुष
- **समाचार** : ञजर, संदेशो, वृतांत, जातमी, पतो, माहिती, भाण, कहेण

- गरम : उष्ण, उष्मा, धजारो, ताप, उिनुं
- ज्ञान : अवभास, अनुभव, अधिगम, चिन्मात्र, चेतना, चैतन्य, ज्ञप्ति, निजोध, प्रतिपत्ति, अनुजोध, समज, जोधि
- हण : कुंतल, गोकिल, सांती
- हरण : मृग, कस्तुरी, कुरंग, कृषासार, मरग, गोकर्ण
- सुंदर : अभिजात, अनवध, अभिराम, कान्त, काम्य, भुशनुमा, यारुं, तनुं, मनोरम, मनोहर, मुग्ध, रमणीय, रम्य, रंजन, ललित, लावण्यमय, सौम्य
- संबंध : निरुजत, अनुबंध, संसर्ग, संधान, संग, समवाय, नातो, जेडाण, अभियोग, अनुसंधान, अनुषंग, संयोजन, संपर्क
- वसंत : कुसुमाकर, इलु, इगु, मधु
- नियम : प्रणाली, धारो, चलण, परंपरा, प्रथा, रीति, इडि, रिवाज, सिलसिलो, रसम, पद्धति, कृम, अनुकृम
- लभरो : द्विरेड, लृंग, ल्रमर, मकरंद, मधुकर, अलि, मधुप, शिलिमुज
- महैमान : अतिथि, अब्यागत, परोणो
- लाथार : निराश, हताश, भियारुं, निराधार
- कुशल : प्रावीण्य, चतुराण, निपुणता, पटुता, दक्षता, कुशण
- सर्वांगी : सर्वग्राही, व्यापक, सविस्तर, सांगोपांग, विस्तृत, निःशेष, तलस्पर्शी
- आडिम : प्राचीन, पुरातन, जूनुं, आडि, आध, पुराणुं
- सावचेत : साणदुं
- लगन : ढंडित, छिन्न, भांगेलुं, जुण
- मंत्रणा : गोष्डि, चर्या, परिषड

- **अनुरूप** : अनुकूल, सगवडियुं
- **संशोधन** : अन्वेषण, गवेषणा, शोध, तलाश
- **हुन्नर** : कला, कसब, आवडत
- **धारिणी** : अनंता, उर्वी, काश्यपी, क्षिति, क्षोणि, क्षमा, महि, मेदिनी, रत्नगर्भा, रसा, वसुमति, विश्वंभरा, पृथ्वी, धरित्री, र्धला, अचला, वसुंधरा, अवनि
- **ध्वनि** : अवाज, नाद, निनाद, निर्घोष, प्रार्थना, रव, राग, शब्द, श्रुति, सूर, स्वन
- **भ्रास** : ब्रुलम, अत्याचार, अन्याय, कंड, जडा, सप्तार्ध, कोरडो, जबरदस्ती
- **समज** : ज्ञान, अनुबोध, प्रतिपत्ति, विधा, वेद, निबोध, अवभास, अवबोध, चिन्मात्र, ज्ञप्ति, प्रतीति, चैतन्य
- **पगळुं** : कडम, कड, डग, डगली, पगोरुं, सगड
- **सेतु** : अंध, पाणो, आडसर, पाज, पुल, पाग, आंध, धक्को
- **अभिल** : सकल, सधणुं, तमाम, समग्र, समस्त, आपुं, सर्व
- **अतिशय** : अत्यंत, अटलक, पुष्कल, धणुं, वधारें, अधिक
- **आंभ** : नयन, नेण, चक्षु, दग, द्रष्टि, लोचन, अक्ष, नेत्र
- **धोडो** : तोभार, वाजु, तुरंग, हय, अश्व, तुरंगम
- **अजंपो** : उचाट, उद्वेग, विषाद, संताप, रंज, भेजेनी
- **असीम** : अभाप, पुष्कल, अटलक
- **आरोप** : तहोमत, आण, आक्षेप
- **अंजलि** : भोभो, भोभलो, पोश
- **काणुं** : कृष्ण, श्याम, श्यामल, शामणुं

- **કામના** : મનોરથ, અભિલાષા, આકાંક્ષા, અપેક્ષા, એષણા, લિપ્ત્તા, વાંછના
- **ગારુડી** : મદારી, વાદીગર
- **ચમત્કાર** : પરચો, પ્રભાવ, પરતો
- **પતાવટ** : સમાધાન, સમજૂતિ, મનમેળ, સુલેહ, સંધિ
- **જોબન** : જુવાની, યૌવન, યુવાની
- **તરજુમો** : ભાષાંતર, અનુવાદ
- **દીદીર** : ચહેરો, સ્વરૂપ, સૂરત, મુખાકૃતિ
- **નમસ્કાર** : નમન, પ્રણામ, સલામ, અભિવાદન, વંદન, પ્રણિપાત
- **પ્રકાશ** : તેજ, પ્રભા, આભા, ધુતિ, અજવાળું, દીપ્તિ, ઉજાશ
- **પ્રયત્ન** : કોશિશ, પ્રયાસ, ચત્ન
- **પંડિત** : ધીમાન, પ્રજ્ઞ, વિદ્વાન, બુદ્ધ, કોવિદ, દક્ષ, મનીષી, બુદ્ધિમાન
- **મુખ** : વદન, ચહેરો, દીદાર, મોં, આનન, વકત્ર
- **મોજું** : ઊર્મિ, વીચિ, તરંગ
- **ભૂલ** : વાંક, ગુનો, ચૂક, દોષ, ખામી, ક્ષતિ, ગલતી, કસૂર, ભૂટિ
- **દોરડું** : રજજુ, રાંઢવું, રાશ, રશના
- **સરસ્વતી** : વાગીશા, વાગ્દેવી, ભારતી, વીણાધારિણી
- **દરિયો** : સાયર, ઉદધિ, જલધિ, પયોનિધિ, મહેરામણ, મહાસાગર, સમુદ્ર, સિંધુ, રત્નાકર, અંબુધિ, વારિધિ, જળાબ્ધિ, જળનિધિ, અર્ણવ, અબ્ધિ
- **જૂનું** : પુરાતન, ચિરંતન, પ્રાચીન, જર્જરિત, જુર્ણ, પુરાણું
- **સૂર્ય** : રવિ, ભાનુ, દિનનાથ, સૂરજ, આદિત્ય, સૂર, માર્તંડ, દિનકર, દિવાકર, પ્રભાકર, સવિતા, દિનમાણિ, ભાસ્કર,

सहस्रांशु, मिहिर, भाण, आइताण, सविता, अर्क, अंशुमान,
मित्र, नभोमणि, तपन, किरणमाली

- जंगल : अरण्य, वन, अटवि, विपिन
- वैभव : समृद्धि, जहोजलाली
- अग्नि : हुतवह, हुताग्नि, धूमकेतु, पावक, लाय, लाह, वैश्वानर,
आतश, दैतवा, दहन, हुतभुज, अनल, अनक
- आभूषण : घरेणुं, विभूषण, आभरण, अलंकार, दागीना, जेवर, शृगार
- कमल : पुष्कर, पोयणुं, कमलिनी, सरोजिनी, जलजत, कोकनद
- आंसु : अश्रु, नेत्रजल, नेत्रांजु, अश्रुजल, आनंदाश्रु
- कोयल : परभृता, कोकिला, वनप्रिया, श्यामा, मकरंद, पीक
- जलसी : वहाणवटी, टंकेल, माछी, टीमर, जारवो, सइरी, जेवट,
कमान
- गजुं : गरदन, ग्रीवा, डोक, जोयी, गणयी, कंठ, ओड, जांध,
शिरोधर, कंधर
- गुहा : कंदरा, जोभण, जोह, दरि, जोहर, गिरिगृहा
- जोर : कलापी, मयूर, नीलकंठ, शिमी, शिपंडी
- हनुमान : अंजनीपुत्र, मनोजव, मारुति, कपीश्वर, आंजनेय, हनुमंत,
वायुपुत्र, जजरंग
- स्थिर : अडग, अचल, स्थायी, ध्रुव, अच्युत, अचर, अगति,
निभृत, प्रतिष्ठित, निर्विकल्प
- शरीर : तन, वपु, काया, पुद्गल, गात्र, कलेवर, क्षेत्र, काय, देह, पंड
- वरसाह : धन, पर्जन्य, पावस, जलाहक, मरुत्वान, मेह, मेघ, वर्षा,
वृष्टि, हेली
- राजा : नृपति, नृपाल, भूप, भूपति, महीपति, राजवी, नरेश,

प्रजापति, किरीटी, अधिपति, सम्राट

- अंडार : कोठार, निधि, अजनो, कोश, संग्रह, अंजार
- आराम : विराम, विश्राम, विश्रान्ति
- लतो : गली, शेरी, विस्तार
- उपकार : आभार, कृतज्ञता, उपकृति, पाड, अहेसान
- अहादुरी : शौर्य, शूरवीरता, पराक्रम, कौवत, शूरातन, वीरता
- उल्लेख : स्पष्टता, उख्यारण, आलोचना
- आलीपो : उद्वेग, हताशा, निराशा, व्यथा
- तांडव : तोडान, प्रलय, विनाश
- उन्नति : प्रगति, उत्कर्ष, चडती
- नवोदित : नवुं, नूतन, नव्य, आधुनिक, अर्वाचीन, नवीन
- अधिकार : काणू, हकूमत, हक, सत्ता, दावो, अमल, ताणो, हकक,

अभत्यार

- हुमलो : अभियोग, छापो, हल्लो, उछाणो, कटक, चडाई, आक्रमण
- शार्गिह : सागरीत, साथी, मददगार, साथीदार, सोजती, सहायक, मददनीश, जोडीदार, मित्र
- रतना : कीकी, तारो, अक्षितारा

- विज्ञापन : जहेरात, जहेरनामुं, घोषणा, जहेरअजर, प्रसिद्धि, अ्यातपन

- जवाहर : जवेरात, जवाहिर, जवेर, आभूषण, दागीना, अलंकार, धरेण

- मंजूषा : पटारो, मजूस अजनो

- उद्गार : उख्यार, वचन, वाक्य, वेण, शण्ड, हरक, अक्षर, ओल

- अचरज : अचंभो, अजयणी, विस्मय, नवाँ, हेरत, ताजुणी, आश्चर्य
- अनिल : पवन, वायु, वायरो, समीर, महुत, वा
- आशा : उमेद, कामना, वांछा, ईच्छा, मनोरथ, अपेक्षा, अरमान, आरजू, उत्कंठा, ईहा, धारणा, वकी, अभिलाषा, आकांक्षा, आवुरता, अेषणा
- घर : आलय, सदन, गृह, भवन, निवास, धाम, रहेठाण, मकान, आगार, सद्म, मंदिर, निलय, निकेतन
- अगम्य : गूढ, गेणी, रहस्यमय, लेदी
- अमानुषी : क्रूर, धातकी, निर्दय, निष्ठुर
- अधीन : वश, ताजेदार, आधीन
- अहोनिश : दिनरात, अहर्निश
- आत्मस्वाधा : स्वप्रशंसा, आपवभाण
- कबूल : मंजूर, मान्य स्वीकार्य, स्वीकृत
- काबू : अंकुश, नियंत्रण, नियमन
- गमगीन : भिन्न, उदास, उदविग्न, शोकमग्न, दुःखार्त
- येतना : चैतन्य, ज़ुवनशक्ति
- जल : सलिल, पाणी, नीर, वारि, अंजु, तोय, आप, उदक
- टोणो : महेणुं, मर्मवचन, टोण
- तवंगर : धनिक, श्रीमंत, पैसादार, अभीर, तालेवान, टोलतमंड, धनाढ्य
- धवल : सईद, श्वेत, शुक्ल, धोणुं, सित
- परिमल : सुगंध, सौरभ, सुवास, झोरम, महेंक, सुरभि
- प्रतिकूल : उलटुं, विपरीत, विरोधी, अवणुं

- **पार्वती** : उमा, गौरी, शैलसुता, गिरिजा, उमा, हेमवती
- **भुसाङ्गर** : पथिक, पंथी, राहदारी, वटेमार्गु, प्रवासी, यात्रिक, राही, सङ्गरी
- **भगङ्गर** : गर्विष्ठ, अभिमानी, धमंडी
- **रज** : धूल, कण
- **भ्रम** : संदेह, भ्रान्ति
- **सूर्य** : सूरज, रवि, सविता, भास्कर, आदित्य, दिवाकर, भानु, अंशुमान
- **दुश्मन** : वेरी, रिपु, शत्रु, अरि
- **पर्वत** : डुंगर, नग, अद्रि, गिरि, पहाड, अचल, भूधर, शैल
- **अभंड** : अकबंध, आपुं, अविभक्त, अभंग, अतूट, अक्षत, अविभाजित, साभूत, अखिन्न, अपिल, अविरल
- **जहादुरी** : वीरता, शूरतन, शौर्य, पराक्रम, जल, शक्ति, ताकात, हिंमत, कौवत
- **स्त्री** : वनिता, महिला, कामिनी, नारी, मानिनी, अजला, भामिनी, रामा, वामा, भामा, प्रमदा, अंगना रमणी, ओरत, ललना
- **सुगंध** : सौरभ, फोरभ, सुवास, भुशु, परिमल
- **भुसाङ्गर** : राहदारी, प्रवासी, वटेमार्गु, पान्य, पथिक, यात्रिक
- **अरीसो** : आयनो, दर्पण, चाटलुं, आरसी
- **कलंक** : कालिमा, कालप, क्षति, ङांभ, जदनामी, लांछन, दोष, धब्बो
- **कोट** : किल्लो, गढ, दुर्ग, प्राकार, अण्डुर्ग
- **कुजेर** : धनपति, धनपाल, अलकाधिप, अलकेश, अलकाधीश, औलवलि, धनद, पौलस्त्य, यक्षराज, वित्तेश, वैश्रवण

- चोक्साध : भातरी प्रतीति, हैयाधारण निःशंकपणुं
- गर्दभ : गधेडो, भर, भोलको, गर्धव, रासभ, लंभकर्ण, वैशाभनंदन
- ऋडप : गति, ऋपट, उतावण, ताकीड, त्वरा, वेग
- भाभण : नवनीत, गोरस, भसको
- स्नान : अभिषेक, अब्यंग, ऋीलण, अवगाह
- शिभर : टोच, शृंग, वृंग, टूंक, चोटी, कंगरो
- सात्त्विक : सत्य, हकीकत, तथ्य, प्रमाण, भरुं, सायुं, सख्याध, वास्तविकता, ऋतंभरा
- वस्त्र : कापड, चीर, परिधान, दुकुल, वसन, अंकुश, अंभर
- लश्कर : सैन्य, पायडण, कटक, यमू, सेना, झोष
- भकरुंढ : कुसुभसार, मध, पुष्पमधु, पुष्परस, भमरो, कोयल
- औषध : दवा, ओसड, औषधि
- भथामण : गडभथल, भूंणवण, धमसाण
- प्रणाम : नभस्कार, सलाम, णुहार
- वर्ष : साल, संवत्सर, शण्ड, वरस
- पोपट : कोट, शुक्र
- प्रथा : रिवाज, रीत, इडि, शिरस्तो, पद्धति, प्रवाह
- उद्भव : आरंभ, प्रारंभ, शरुआत
- भातीगण : प्रादेशिक, देशी, तणपहुं
- कारकिर्दी : घडतर, प्रगति, उन्नति, विकास
- अनुमान : अटकण, आशरे, कयास, अंदाज, गणतरी, शुमार, इभ, सुमार

- **પડછંદ** : કદાવર, તગડું, હષ્ટપુષ્ટ, જોરાવર, અલમસ્ત, માતેલું
- **જનેતા** : માતા, જનની, અંબા, આઈ, જનચિત્રી, જનિતા, જન્મદાત્રી, જી,જીજી, બા, માડી, માતુ, માતુશ્રી, માતૃ, માતૃકા, અમ્મા
- **શુલ્ક** : કિંમત, દામ, દર,ભાત, મૂલ, મૂલ્ય
- **લૂતા** : પિપીલિકા, કીડી
- **નિહાર** : ઝાકર, ઓસ, ઠાર, હિમ
- **નિયમન** : નિયંત્રણ, નિયમ, અંકૂશ, બંધન
- **બ્રહ્મા** : અજ, અગ્રજન્મા, શ્રવણ, અષ્ટકણ, ચતુર્બુજ, ત્વષ્ટા, ધાતા, પદ્મનાભ, કમળભૂ, પ્રજાપતિ, હિરણ્યગર્ભ
- **હૈયું** : હૃદય, દિલ, અંતઃકરણ, મન, ચિત
- **અંધકાર** : અંધારું, તમ, તિમિર
- **અક્કલ** : બુદ્ધિ, મતિ, મેધા
- **ઉપકાર** : અહેસાન, કૃતજ્ઞતા, પાડ, આભાર, ઉપકૃતિ
- **અલ્પ** : થોડું, નજીવું, જરાક, સહેજ, જરા, ઘુલ્લક
- **અનુકંપા** : દયા, કરુણા, મહેરબાની
- **ઈષ્ટ** : ઈચ્છિત, મનગમતુ, પ્રિય
- **ઓશિયાળું** : લાચાર, પરવશ, દીન
- **આવક** : ઉપજ, મળતર, નીપજ, પેદાશ
- **કિરણ** : રશ્મિ, અંશુ, મરીચિ, કર
- **કર્મ** : કાર્ય, ક્રિયા, પ્રવૃત્તિ, કામ
- **ગુલામી** : પરાધીનતા, પરતંત્રતા
- **ચાંદની** : ચંદ્રિકા, જ્યોત્સના, કૌમુદી, ચંદ્રપ્રભા, ઈન્દુમતી, શકા, ચંદ્રજ્યોતિ

- જંગલ : અરણ્ય, વન, કાનન, વિપિન, રાન, કંતાર, ઝાડી, અટવી
- તળાવ : સર, સરોવર, કાસાર, તટાગ, તડાગ, પોખર
- તિતિક્ષા : સહનશીલતા, ધૈર્ય, સહિષ્ણુતા
- નમક : નિમક, લુણ, મીઠું, સખરસ, લવણ
- નિસ્તબ્ધ : નિશ્ચેષ્ટ, સ્થિર, જડ, અચેતન
- પ્રતીતિ : ખાતરી, વિશ્વાસ, ભરોસો, ચકીન
- પ્રણાલિકા : પરંપરા, રૂઠિ, રિવાજ, પ્રણાલી, ધારો
- પહેલ : આરંભ, પ્રારંભ, શરૂઆત
- માણસ : માનવ, મનુજ, માનુષ, આદમી, ઈસમ, જન
- મેહુલો : મેઘ, વર્ષા, વરસાદ, મેહ, વૃષ્ટિ, પર્જન્ય
- રુદન : વિલાપ, કંદન, આકંદ, રોદણું
- મધુ : મિષ્ટ, ગણ્યું, મધુર
- વસ્ત્ર : વસન, પટ, કાપડ, અંબર, પરિધાન
- જગત : વિશ્વ, લોક, ભુવન, સંસાર, દુનિયા, સૃષ્ટિ, જહાજ, ખલક, જહાં, આલમ
- આસન : પીઠિકા, કડાસન, કટાસણું, આસંદિકા, ઘડકી, બાજઠ
- ઓરડો : કક્ષ, ખંડ, ગજાર, દીવાન, આવાસ
- આજ્ઞા : આદેશ, હુકમ, નિર્દેશ, આણ, શાસન, ફરમાન
- કૃપા : દયા, કરુણા, મહેરબાની, અનુકંપા, મહેર, અનુગ્રહ
- ખેડૂત : કિસાન, કૃષિક, કૃષિકાર, કર્ષક, ક્ષેત્રપાલ, ક્ષેત્રી, ખેડુ, કૃષીવલ, ક્ષેત્રિય, ખેડણહાર
- ગરીબ : દરિદ્ર, નિર્ધન, નાદાર, પામર, રંક, મિસ્કીન, મુફલિસ, રાંક, અભર, અલાદ, મુહતાજ

- **जूनवाणी** : जूनुं, चिरंतन, चिरकालीन, प्राचीन, पुराणुं, पूर्वोनुं, असल, पहेलानुं
- **हाथ** : कर, हस्त, पाणि, करक, पाण, आहु, भुज, आंय
- **स्वर्ग** : अक्षयधाम, अक्षरधाम, अमरापुरी, एन्द्रसदन, उध्वलोक, वैकुंठ, सुरपुर, त्रिदशालय
- **सोय** : सूचि, सूचिका
- **वेर** : दुश्मनावट, अंटस, शत्रुता, द्वेष, अदावत, दाग, दुश्मनी
- **वांढरो** : कपि, मर्कट, मांकडुं, वानर, शाभाभृग, आहुक, प्लवंगम
- **रस्तो** : मार्ग, पंथ, केडी, वाट, राह, सडक, अध्व, चीलो, सरणी, वीथी
- **महादेव** : आशुतोष, उमापति, उमेश, गिरीश, चंद्रमौली, दुर्गेश, पिनाकपाणि, नीलकंठ, योगीश्वर, शंकर, शूलपाणि, सदाशिव, मृत्युंजय, नटराज
- **रओत** : ऋरो, ऋरण, वहेण, प्रवाह
- **आशरे** : सरैराश, लगभग, अडसट्टे
- **ध्येय** : हेतु, लक्ष्य, उद्देश, प्रयोजन, आशय, कारण
- **क्षपा** : रात्रि, शर्वरी, विभावरी, निशा
- **संकोय** : मर्यादा, शरम, लाज, मलाजे
- **सरुवर** : कासार, सर, जणशय
- **मंतव्य** : अभिप्राय, अभिगम
- **गणाडूण** : तल्लीन, मस्त
- **आक्रुश** : क्रुध, उग्रता, कोप, आवेश, प्रकोप, रोष
- **संपदा** : संपत्ति, मिलकत

- **અનુક્રમ** : અનુક્રમણિકા, વર્ણાનુક્રમ, વિષયાનુક્રમણિકા, સૂચનિકા, સૂચિ, સૂચિકા
- **દ્રુત** : ત્વરિત, શીઘ્ર, આતુર, વહેલું, ઝડપી
- **દાદુર** : દેડકો, દર્દુર, મંડૂક, મેડક, મેંડક
- **જઘન્ય** : આખરી, છેલ્લું, છેડાનું, છેવટનું, અંતિમ, અંત્ય
- **જોડકું** : યુગ્મ, ઢંઢ, જોડ, યુગલ, યમક, યમલ, મિથુન, બેલડી, જોડી
- **નિવેડો** : ઉકેલ, ચુકાદો, નિકાલ, ફેંસલો, પતાવટ, તોડ, ફોડ, ઘટસ્ફોટ
- **મેઘાવી** : બુદ્ધિશાળી, ધીમંત, પ્રજ્ઞ, મનીષી, વિચક્ષણ, બુદ્ધિમાન, ચતુર, બુદ્ધિસંપન્ન
- **હોશિયાર** : ચાલાક, કુશળ, નિપુણ, સાવધ, સાવચેત, ખબરદાર, સમજુ, ચકોર, બુદ્ધિશાળી, ચપળ, બાહોશ
- **આત્મજા** : દીકરી, તનયા, પુત્રી, સુતા, તનુજા, દુહિતા
- **ધન** : વિત્ત, દ્રવ્ય, નાણું, પૈસો, અર્થ, સમૃદ્ધિ, દોલત, મિરાત, વસુ, પુંજી, સંપતિ
- **આનંદ** : ઉલ્લાસ, હર્ષ, ઉમંગ, હોંશ, ખુશી
- **અનુપમ** : અપૂર્વ, અનન્ય, અનોખું, બેનમુન, અજોડ, વિલક્ષણ, અસાધારણ, અનેરું
- **અજાઝુડ** : અડાબીડ, ગીચ. ગાટ
- **અશરફી** : સોનામહોર, ગીની
- **ઉન્નતિ** : ઉત્થાન, ઉત્કર્ષ, અભ્યુદય, અભ્યુત્થાન, અભિવૃદ્ધિ, ચડતી
- **ઊંટ** : આકાશમુનિ, દાશેર, ઉષ્ટ્ર
- **કિરણ** : અર્ક, અંશુ, રશ્મિ, કર, મરીચિ, ગભસ્તિ, મયૂખ

- ખેતર : ક્ષેત્ર, ખેત, કર્ષણ, કેદાર
- કુદરત : પ્રકૃતિ, નિસર્ગ
- વિષ્ણુ : કેશવ, ત્રિકમ, અચ્યુત, પીતાંબર, વિશ્વંભર, મુકુંદ, પુરુષોત્તમ, ઉપેન્દ્ર, લક્ષ્મીપતિ
- મહાન : બૃહદ, વિરાટ, મોટું, વિશાળ, વડું, કદાવર, ગંજાવર
- સૌરભ : સુવાસ, સુગંધ, પરિમલ
- વિપિન : જંગલ, અટવિ, અરણ્ય, કાનન, વન, રાન
- બંદગી : પ્રાર્થના, પૂજા, અર્ચના
- ફડક : બીક, ડર, ભય, ધાસ્તી
- પાવરધો : હોશિયાર, ચપલ, ચાલાક, પ્રવીણ, નિપુણ, કાબેલ
- હેઠળ : નીચે, તળે
- સ્વર : ધ્વનિ, ઉચ્ચાર, અવાજ, રવ, નાદ
- શિસ્ત : અદબ
- શકટ : ગાંડું, વેન, દમણિયું, બેડિયું
- દ્રુમ : અગ, તરુરાજ, દરખત, પાદપ, વૃક્ષ
- કેળ : કદલી, રંભા
- છાપ : મુદ્રા, મહોર, સિક્કો, મુદ્રણ, ચંદો, અરાખડું
- વ્યવસાય : રોજગાર, ધંધો, પ્રવૃત્તિ, ઉદ્યમ, કસબ, વ્યાપાર, વ્યવહાર, રોજી, કામકાજ, કર્મણ
- નામ : અભિધાન, આખ્યા, સંજ્ઞા
- દેદીપ્યમાન : ઝાકઝમાળ, આભામય, આભાવંત, ઉજાગર, ઉજ્જવળ, ઝમકદાર, પ્રભાવંત, શાનદાર
- હોડી : મછવો, પનાઈ, નૌકા, નાવ, નૌ, તરણી, વહાણ, હોડકું, તરી

- **अभिमान** : अहंकार, गर्व, घमंड, अहं, दर्प, भगइरी, भट, अहंता
- **ओसऽ** : दवा, औषध
- **कोमल** : मृदु, सुकुमार, मुलायम, नाजुक, कुमलुं
- **कोल** : वचन, वायदो
- **चतुर** : निपुण, प्रवीण, कुशल, होशियार, दक्ष, अभिज्ञ
- **तंदुरस्त** : स्वस्थ, निरामय, नीरोगी
- **नेह** : स्नेह, प्रेम, अनुराग, प्रीति, प्यार
- **प्रमाणाभूत** : विश्वासपात्र, आधारभूत
- **भिन्न** : भेद, साथी, भाईबंध, दोस्त, सप्पा, सहचर, अनुज
- **यश** : कीर्ति, नामना, प्याति, प्रसिद्धि
- **झूल** : कुसुम, पुष्प, प्रसून, सुम, गुल, अकुल, झूलडुं, सुमन
- **भांधव** : भाई, सहोदर, भ्राता, भांधव
- **अमूल्य** : कीमती, अर्घ्य, अमूलक, अमोल, अहुमूल्य, मूल्यवान, मोंघेरुं
- **गणपति** : गणानन, गणकर्ण, गणकंद, गणवदन, गणनायक, गणाधिप, गणेश, अकंदंत, गिरजासुत, लंभोदर, वक्रतुंड, विनायक, सिद्धिनायक
- **विप्र** : भूदेव, आह्वण, द्विज
- **अवलोकन** : अन्वीक्षा, आलोचना, समजूती, विवेचन, समालोचन, पर्येषण
- **लहेर** : भोजुं, तरंग, लहेरणी, हिल्लोण, वीची, छोण
- **अस्वस्थ** : अशांत, भेयेन, व्याकुल
- **टकोर** : धशारो, ढपको, भलामण
- **भाण** : तीर, धनुष्य, शर, सायक, धषु, विशिष
- **माता** : जननी, जन्मदात्री, मावडी, मात, जनेता, मा

- भ्रम : संदेह, शंका, संशय, भ्रान्ति
- देडको : मेडक, दादुर, ददुर
- क्षुल्लक : वाहियात, नकामुं, झोगट
- मदार : आधार, टेको
- सातत्य : टकाडि, निरंतन, सतत, हंमेशा
- वर्यस्व : प्रभाव, दजदजो, प्रभुत्व
- कोठारी : कोशाध्यक्ष, जजनयी, भंडारी, मोदी
- छायो : ओछायो, ओजो, पडछायो, प्रतिजिंज, वछछो. शीजो
- सूक्ष्म : जारीक, तनु, नानकडुं, लघु, लघुतम, नानुं, नानेरं, तनक, टयुकडुं, कनिष्क
- अनादर : अवज्ञा, अवहेलना, अपमान, अवमानना, तिरस्कार
- आसव : अर्क रस, सत्व, अरक
- कामदेव : मदन, मार, कंदर्प, मन्मथ, पुष्पधन्वा, अनंग, पंचशर, रतिपति, कुसुमायुध
- कालजु : यीवट, तकेदारी, सावयेती, संभाज
- तोरो : कलगी, छोगुं, शिरपेय
- पुत्र : तनय, सुत, दीकरो, आभज, तनुज, अंगज, वंशज
- मिजज : स्वभाव, प्रकृति, तासीर
- जहेन : भगिनी, सहोदरा, वीरी, स्वसा
- जक्षिस : भेट, उपहार, र्णनाम, पुरस्कार, नजरालुं
- कुतरो : श्वान, सारमेय, अलर्क, आभेटक, शुनक
- भयावह : भयंकर, भयानक, डरामलुं, भिहामलुं
- प्रभात : उषःकाल, सवार, परोट, प्रातःकाल, भोर, पो, मजसकुं, अरुणोदय, वहालुं, परोटियुं

-: विरुद्धार्थी शब्दो :-

■ पैसादार	X	मुझलिस	■ विचक्षण	X	भूढ
■ सर्जन	X	तांडव	■ अंत्य	X	आध
■ सङ्ग	X	निष्ङ्ग	■ उदासीन	X	आनंदी
■ आभादी	X	भरभादी	■ संतृप्ति	X	अतृप्ति
■ यशगान	X	भर्त्सना	■ अनृत	X	सत्य
■ शाश्वत	X	नश्वर	■ सुरीलुं	X	भेसूरुं
■ वेरान	X	ङ्गद्रुप	■ सार्थक	X	निरर्थक
■ सर्वांगी	X	अेकांगी	■ सद्गुण	X	दुर्गुण
■ दुरायार	X	सदायार	■ श्याम	X	श्वेत
■ रंक	X	राय	■ प्रवृत्त	X	निवृत्त
■ दिनकर	X	निशाकर	■ स्वतंत्र	X	परतंत्र
■ रंडापो	X	हेवातन	■ अपजश	X	जश
■ कृतज्ञ	X	कृतघ्न	■ स्वार्थ	X	परमार्थ
■ भंडन	X	भंडन	■ तवंगर	X	गरीभ
■ अछत	X	छत	■ तूटक	X	सणंग
■ जज्ञत	X	जहज्ञम	■ नरम	X	कठोर
■ अभ्यास	X	अनभ्यास	■ अहीं	X	तहीं
■ झूपडुं	X	महेल	■ तिभिर	X	तेज
■ स्थिर	X	चंचल	■ स्वतंत्र	X	परतंत्र
■ आदेश	X	विनंती	■ अपयश	X	कीर्ति

■	मलिन	X	निर्मल	■	विनाश	X	सर्वन
■	प्रतिकृति	X	अनुकृति	■	ईच्छा	X	अनिच्छा
■	द्रश्य	X	अद्रश्य	■	ऋषी	X	भंड
■	वैद	X	दरदी	■	सव्य	X	जमणुं
■	वसंत	X	पानभर	■	विजय	X	पराजय
■	अभाव	X	भाव	■	गेरहाजर	X	हाजर
■	हृस्व	X	दीर्घ	■	नीरस	X	रस
■	कठोर	X	शीतल	■	सङ्ग	X	निष्ङ्ग
■	चेतन	X	जड	■	निःसहाय	X	सहाय
■	शुष्क	X	आद्र	■	समान	X	असमान
■	संतोष	X	असंतोष	■	नाश	X	उद्भव
■	आधार	X	निराधार	■	सत्य	X	मिथ्या
■	अप्रगट	X	प्रगट	■	सर्व	X	अेक
■	उतावल	X	धैर्य	■	निवृत्त	X	प्रवृत्त
■	गुण	X	अवगुण	■	उजस	X	तिमिर
■	समतुला	X	असमतुला	■	स्वजन	X	परजन
■	अभिनेत्री	X	अभिनेता	■	व्यक्त	X	अव्यक्त
■	सादुं	X	मिश्र	■	उत्तर	X	दक्षिण
■	भराण	X	सरस	■	दुर्भाग्य	X	सौभाग्य
■	अभिमान	X	निराभिमान	■	तृषा	X	तृप्ति
■	समान	X	असमान	■	पीछेहठ	X	आगेकूय
■	नकल	X	असल	■	उत्थान	X	पतन

■	જમા	X	ઉધાર	■	ગહન	X	છીંછરં
■	મહાન	X	પામર	■	સરળ	X	ગૂઠ
■	સુગંધ	X	દુર્ગંધ	■	અંકૂશ	X	નિરંકૂશ
■	ઉચિત	X	અનુચિત	■	ગુપ્ત	X	જાહેર
■	પ્રકાશ	X	અંધકાર	■	ઉદય	X	અસ્ત
■	નિખિડ	X	સરળ	■	નિશાકર	X	દિનકર
■	વિમનસ	X	નિર્વૃતિ	■	અભિક્ષોશ	X	કીર્તિગાન
■	સવળું	X	અવળું	■	ગ્લાન	X	પ્રફુલ્લ
■	પાપ	X	પુણ્ય	■	ટોચ	X	તળેટી
■	આનંદ	X	શોક	■	નીરસ	X	રસિક
■	મિતાહારી	X	અકરાંતિયું	■	પ્રાચીન	X	અર્વાચીન
■	રૂપ	X	કુરૂપ	■	ધિક્કાર	X	ધન્યવાદ
■	મોઘું	X	સોઘું	■	ગરીબ	X	ધનિક
■	ગરજાળ	X	ખિનગરજાળ	■	બદબો	X	ખુશબો
■	સુમતિ	X	કુમતિ	■	ઘૃણા	X	ચાહત
■	ગમન	X	આગમન	■	પોચું	X	કઠણ
■	બેતાલ	X	તાલબદ્ધ	■	સંક્ષિપ્ત	X	વિસ્તૃત
■	સ્થૂલ	X	સૂક્ષ્મ	■	કૃપા	X	અવકૃપા
■	તળિયું	X	ટોચ	■	જયેષ્ઠ	X	કનિષ્ઠ
■	ભરતી	X	ઓટ	■	અધિક	X	ન્યૂન

■	रुदन	X	हास्य	■	लोभी	X	उदार
■	प्रीति	X	दृष्टा	■	पृष्ठ	X	अग्र
■	इतेह	X	हार	■	विद्यथ	X	मूर्ध
■	युद्ध	X	संधि	■	सर्जन	X	विसर्जन
■	वाढ	X	प्रतिवाढ	■	अरि	X	मित्र
■	भूरि	X	क्षुल्लक	■	अनुज्ञा	X	अंकुश
■	अधि	X	न्यून	■	उद्भव	X	समाधि
■	अतडुं	X	मणतावडुं	■	सभ्य	X	असभ्य
■	लघुताग्रंथि	X	गुरुताग्रंथि	■	भ्लान	X	प्रकुल्ल
■	नित्य	X	अनित्य	■	भोङ्	X	महेर
■	प्रधान	X	गौण	■	हर्ष	X	शोक
■	चल	X	अचल	■	टोच	X	तणेटी
■	अंत	X	आरंभ	■	सकाम	X	निष्काम
■	झूलवुं	X	संकोचावुं	■	संकोच	X	निःसंकोच
■	दरिद्र	X	धनवान	■	अगमभुद्धि	X	परमभुद्धि
■	भृत्य	X	भूप	■	आकर्षण	X	अपाकर्षण
■	अतिशय	X	अतिरिक्त	■	आघात	X	प्रत्याघात
■	अभत्यार	X	बिनअभत्यार	■	आस्था	X	अनास्था
■	अमी	X	गरण	■	आर्द्र	X	कठोर
■	जघन्य	X	अग्र	■	जयेष्ठ	X	कनिष्ठ

■	સંચય	X	વ્યય	■	ઉપક્રોશ	X	અનુક્રોશ
■	તીવ્ર	X	મંદ	■	અસીલ	X	વકીલ
■	જાહેર	X	ખાનગી	■	શુદ્ધ	X	અશુદ્ધ
■	આઘાત	X	પ્રત્યાઘાત	■	સાર	X	અસાર
■	આર્ય	X	અનાર્ય	■	સામાન્ય	X	અસામાન્ય
■	જોડાણ	X	ભંગાણ	■	પ્રથમ	X	અંતિમ
■	રિવાજ	X	કુરિવાજ	■	આંતર	X	બાહ્ય
■	વિયોગ	X	સંયોગ	■	સ્વાદ	X	બેસ્વાદ
■	ઈષ્ટ	X	અનીષ્ટ	■	શહેર	X	ગામડું
■	સંવાદ	X	વિસંવાદ	■	ધર્મ	X	અધર્મ
■	નફો	X	ખોટ	■	પ્રાપ્ય	X	અપ્રાપ્ય
■	ચજમાન	X	મહેમાન	■	વ્યવસ્થા	X	અવ્યવસ્થા
■	ધ્યાન	X	બેધ્યાન	■	પ્રકુલ્લ	X	હતાશ
■	ઉત્તમ	X	અધમ	■	કૃપા	X	કૂરતા
■	યુવાન	X	વૃદ્ધ	■	માલિક	X	નોકર
■	નિકટ	X	દુર	■	કાબૂ	X	બેકાબૂ
■	સગવડ	X	અગવડ	■	હર્ષ	X	શોક
■	વામન	X	વિરાટ	■	ગુલામી	X	આઝાદી
■	આનંદ	X	શોક	■	અતિ	X	અલ્પ
■	વિદાય	X	આમંત્રણ	■	પુરસ્કાર	X	દંડ

■	विनिपात	X	चडती	■	पोतीकुं	X	परायुं
■	विक्ट	X	सरण	■	सनातन	X	हंगाभी
■	लघु	X	गुरु	■	तकरार	X	समाधान
■	अभी	X	जेर	■	मजूर	X	मालिक
■	छत	X	अछत	■	दरकार	X	जेदरकार
■	नानपण	X	घडपण	■	समान	X	अमान
■	प्रेम	X	द्वेष	■	संग	X	कुसंग
■	भुक्ति	X	बंधन	■	पसंद	X	नापसंद
■	सभण	X	निर्भण	■	वेयाण	X	भरीदी
■	सङ्ग	X	निष्ङ्ग	■	भूतकाण	X	वर्तमान
■	प्राचीन	X	आधुनिक	■	दास	X	दासी
■	भौन	X	यर्था	■	स्वावलंभन	X	परावलंभन
■	क्षत	X	अक्षत	■	स्वार्थ	X	निःस्वार्थ
■	अनुष	X	अग्रष	■	ग्रामीण	X	शहरी
■	गमो	X	अलगमो	■	वक्ता	X	श्रोता
■	वृञ्जिन	X	सुञ्जी	■	दाता	X	याचक
■	देश	X	विदेश	■	गद्य	X	पद्य
■	संक्षिप्त	X	विस्तृत	■	उधमी	X	अलसुं
■	आदर	X	अनादर	■	संशय	X	समाधान
■	प्रशंसा	X	निंदा	■	द्राव्य	X	अद्राव्य
■	ताल	X	जेताल	■	वङ्गादर	X	जेवङ्गा

■	कौतुकप्रिय	X	सौख्यप्रिय	■	अंधियार	X	वहेतुं
■	परावलंबी	X	स्वावलंबी	■	घटित	X	अघटित
■	कभूलात	X	ईनकार	■	कुलीन	X	कुलीन
■	घातकी	X	दयालु	■	भलाई	X	भुराई
■	कदावर	X	किंगुलु	■	आवडत	X	अणआवडत
■	अमावास्या	X	पूर्णा	■	सुलभ	X	दुर्लभ
■	आकाश	X	पाताण	■	विभक्त	X	अविभक्त
■	अभिजात	X	निम्न	■	अधुना	X	अतीत
■	अंतर्लापिका	X	अहर्लापिका	■	भुशणु	X	अणु
■	सन्भुष	X	विभुष	■	नानप	X	भोटप
■	यश	X	अपयश	■	उन्मेष	X	निमीलित
■	द्वैत	X	अद्वैत	■	अभिभव	X	विषय
■	नम्रता	X	गर्व	■	आस्तिक	X	नास्तिक
■	अेक	X	अनेक	■	टेव	X	कुटेव
■	आयात	X	निकास	■	हरित	X	सूकुं
■	झायदो	X	गुकरान	■	उच्य	X	निम्न
■	उपयोग	X	दुरुपयोग	■	अहंकार	X	निहंकार
■	विराट	X	सूक्ष्म	■	आकार	X	निराकार
■	कवि	X	कवयित्री	■	संदेह	X	निःसंदेह
■	क्यारेक	X	सदाय	■	परजन	X	स्वजन
■	मिलन	X	विदाय	■	श्रम	X	आणस
■	सभृद्ध	X	निर्धन	■	प्रमाण	X	अप्रमाण

■ व्याकुल	X	उत्साहित	■ अल्प	X	अतीव
■ कंडोत्री	X	काणोत्री	■ परीक्षक	X	परीक्षार्थी
■ मान	X	अपमान	■ व्यक्त	X	अव्यक्त
■ रक्षक	X	भक्षक	■ उपकार	X	अपकार
■ ખામી	X	ખૂબી	■ सर्वांगी	X	अेकांगी
■ ઉલાળ	X	ધરાળ	■ ઉત્તમ	X	અનુત્તમ
■ ગ્રાહક	X	વિક્રેતા	■ મસ્તક	X	પગ
■ દોષ	X	નિર્દોષ	■ ગુલામ	X	આઝાદ
■ બિંબ	X	પ્રતિબિંબ	■ કપટ	X	નિષ્કપટ
■ લેખક	X	લેખિકા	■ વ્યવહાર	X	અવ્યવહાર
■ તિમિર	X	તેજ	■ પિયર	X	સાસરું
■ વક્તા	X	શ્રોતા	■ ક્રુપિત	X	પ્રસન્ન
■ ઊંચું	X	નીચું	■ સંમત	X	અસંમત
■ પથ્ય	X	અપથ્ય	■ અક્ષત	X	વિરાધના
■ લઘુમતી	X	બહુમતી	■ ગમન	X	આગમન
■ અલીક	X	અભિરૂચિ	■ આદિ	X	અંત
■ શિબિર	X	વણઝાર	■ શુચિ	X	શ્યામ
■ તમસ	X	દીપ્તિ	■ ત્વરા	X	મંદ
■ નેકી	X	બદી	■ વ્યષ્ટિ	X	સમિષ્ટ
■ સત્યવક્તા	X	મિથ્યાભાષી	■ લૌકિક	X	અલૌકિક
■ રક્ષક	X	ભક્ષક	■ ચંચળ	X	સ્થિર
■ ભૂચર	X	ખેચર	■ કાયમી	X	કામચલાઉ

■	१९	X	चेतन	■	ठरेल	X	उछांछणुं
■	भिन्नता	X	अेकता	■	गर्व	X	नभ्रता
■	काणजु	X	अेकाणजु	■	कुुर	X	दयाणुं
■	सहधर्मी	X	विधर्मी	■	कनिष्ठ	X	उत्तम
■	जाहेर	X	जानगी	■	प्रतिबंध	X	छूट
■	देषादार	X	लेषादार	■	अहंकारी	X	नभ्र
■	रीज	X	जीज	■	अधम	X	उत्तम
■	उच्छांति	X	अवकांति	■	सात्त्विक	X	भिथ्या
■	आभर	X	अेआभर	■	तीक्ष्ण	X	जुहुं
■	अंधन	X	विमोचन	■	विनीत	X	उद्धत
■	छींछरुं	X	छींहुं	■	अध्ययन	X	अनध्ययन
■	छायो	X	तडको	■	उत्तरायण	X	दक्षिणायन
■	स्वर्ग	X	नर्क	■	निपालस	X	भीतभाषी
■	आवक	X	जावक	■	संगति	X	विसंगति
■	धनवान	X	निर्धन	■	रिक्त	X	पूर्ण
■	शूरवीर	X	डरपोक	■	सर्जन	X	विसर्जन
■	सहयोग	X	असहयोग	■	आशीर्वाद	X	अभिशाप
■	भूक	X	वाचाण	■	वाजणी	X	गेरवाजणी
■	ग्राहक	X	विक्रेता	■	सर्जन	X	दुर्जन
■	निष्कांयन	X	धनवान	■	सुप्त	X	दुःप्त
■	संयोग	X	वियोग	■	दरिद्र	X	धनिक
■	अज्ञ	X	प्रज्ञ	■	आरंभ	X	अंत

▪ पुण्य	X	पाप	▪ गाइल	X	सावयेत
▪ अध	X	काले	▪ सार्थक	X	निर्थक
▪ यामिनी	X	दिन	▪ शीत	X	उष्ण
▪ उधमी	X	आणसुं	▪ विपत	X	संपत
▪ होणी	X	दिवानी	▪ उच्च	X	निम्न
▪ छायो	X	तडको	▪ संशय	X	विश्वास
▪ प्राचीन	X	आधुनिक	▪ निष्काम	X	काम
▪ संप	X	कुसंप	▪ चित्र	X	विचित्र
▪ समय	X	कसमय	▪ सुर	X	असुर
▪ शाप	X	वरदान	▪ सहिष्णु	X	असहिष्णु
▪ स्नेह	X	क्रोध	▪ सजुव	X	निर्जुव
▪ अधोबिंदु	X	शिरोबिंदु	▪ मृदु	X	कठोर
▪ ज्यंती	X	संवत्सरी	▪ ताणो	X	वाणो
▪ शुक्ल	X	कृष्ण	▪ सभल	X	निर्भल
▪ द्विजेश	X	मित्र	▪ मुद्रित	X	हस्तलिपित
▪ ठरेल	X	उछांछणुं	▪ पूर्वग	X	अनुग
▪ अदल	X	भेअदल	▪ निर्भृत	X	यलित
▪ अतिवृष्टि	X	अनावृष्टि	▪ अनुदिन	X	कवचित
▪ पाछोतर	X	आगोतर	▪ पूर्वग	X	अनुग
▪ लघुता	X	गुरुता	▪ वैयक्तिक	X	सामुदायिक
▪ मिलन	X	वियोग	▪ मोटप	X	नानप
▪ साकार	X	निराकार	▪ चिंतातुर	X	निश्चित

■	सवेण	X	कवेण	■	सुदि	X	वदि
■	गुनेगार	X	निर्दोष	■	कुटिल	X	सरण
■	सावध	X	गाङ्गेल	■	कजत	X	जतवान
■	गरजवान	X	भिनगरजु	■	कोमण	X	कठोर
■	कीर्ति	X	अपकीर्ति	■	स्तुति	X	निंदा
■	कदरदान	X	भेकदर	■	कायमी	X	हंगामी
■	आसमान	X	धरती	■	आग्रह	X	अनाग्रह
■	धवल	X	काणुं	■	शूरवीर	X	कायर
■	अमृत	X	विष	■	अभंड	X	भंडित
■	अग्रज	X	अनुज	■	कलंक	X	निष्कलंक
■	संध्या	X	प्रभात	■	क्षय	X	अक्षय
■	प्रत्यक्ष	X	परोक्ष	■	सगवड	X	अगवड
■	संनिष्ठ	X	धनिष्ठ	■	संसारि	X	वैरागी
■	जहरेर	X	गुप्त	■	सद्वृति	X	दुर्वृति
■	अनुकूल	X	प्रतिकूल	■	गहन	X	छींछरं
■	सहेज	X	धलुं	■	आकर्षक	X	अनाकर्षक
■	नायक	X	नायिका	■	स्पष्ट	X	अस्पष्ट
■	लायक	X	नालायक	■	अलौकिक	X	लौकिक
■	औपचारिक	X	अनौपचारिक	■	हास्य	X	रुदन
■	सुगम	X	दुर्गम	■	सक्रिय	X	निष्क्रिय
■	साधारण	X	असाधारण	■	अगम	X	निगम
■	अध्यापक	X	अध्येता	■	अनुगामी	X	पुरोगामी

■ आदान	X	प्रदान	■ विवेकी	X	उद्धृत
■ प्राणपोषक	X	प्राणघातक	■ तत्सम्	X	तद्भव
■ अंतरंग	X	बहिरंग	■ अंतर्गोण	X	बहिरंगोण
■ अभीन	X	अपतीव	■ अधतन	X	पुरातन
■ अकिंचन	X	श्रीमंत	■ रचनात्मक	X	असनात्मक
■ लोकशाही	X	राजशाही	■ पुरुषार्थ	X	प्रारब्ध
■ हलालખोर	X	हरामખोर	■ सुकाण	X	दुकाण
■ कामी	X	निष्कामी	■ अकदेशीय	X	सर्वदेशीय
■ आशिष	X	शाप	■ प्रभव	X	समापन
■ अभिमानी	X	निराभिमानी	■ अधोगति	X	उर्ध्वगति
■ आसक्त	X	अनासक्त	■ अनुदित	X	उन्मेषित
■ अभिरूप	X	अयोग्य	■ उत्कृष्ट	X	अवकृष्ट
■ निरामय	X	रोगीष्ट	■ निरीह	X	अस्थिर
■ पाश्चात्य	X	पौरस्त्य	■ जंगम	X	स्थावर
■ निरवध	X	कलंकित	■ कुशल	X	अशुभ
■ अंधन	X	भुक्ति	■ भुष्य	X	गौरा
■ अडग	X	चलित	■ निवृत्ति	X	महेश्छित
■ अपेक्षा	X	उपेक्षा	■ स्वाभिमान	X	मिथ्याभिमान
■ निर्दोष	X	दोषित	■ कूथली	X	वजाण
■ गमगीनी	X	प्रकृल्लित	■ ठपको	X	शाजाशी
■ स्मृति	X	विस्मृति	■ लूंटारो	X	शाहुकार
■ देशदार	X	लेणदार	■ तीक्ष्ण	X	भूदुं

▪ विद्धान	X	भूर्भ	▪ इरजियात	X	मरजियात
▪ संक्षेप	X	विस्तृत	▪ निमकहलाल	X	निमकहराम
▪ स्वोपार्जित	X	वडीलोपार्जित	▪ स्वानुभावरसिक	X	सर्वानुभावरसिक
▪ कुणभोजुं	X	कुलदीपक	▪ भूजसूरत	X	भटसूरत
▪ सापेक्ष	X	निरपेक्ष	▪ वात्सल्य	X	क्रोध
▪ अधिकार	X	अनाधिकार	▪ अमर	X	मर्त्य
▪ गोचर	X	अगोचर	▪ अणगुं	X	जेडायेलुं
▪ अर्पण	X	स्वीकार	▪ अजवाणुं	X	अंधारुं
▪ शिथिल	X	मज्जुत	▪ अनाथ	X	सनाथ

-: તબપદા શબ્દોનાં શિષ્ટ રૂપો :-

■ વછેરા	-	ઘોડાનું બચ્ચું	■ પોલું	-	પોચું
■ વરણ	-	જ્ઞાતિ	■ વહોરવું	-	ખરીદવું
■ એમાન	-	ઈમાન	■ ના'વે	-	ન આવે
■ આફૂડું	-	એની મેળે	■ તોછડ	-	ખામી
■ પડપૂછ	-	પુછપરછ	■ ઓથ	-	આશરો
■ ઓસાણ	-	સ્મૃતિ	■ કામઢું	-	કાર્યશીલ
■ ધોખો	-	ગુસ્સો	■ આણવું	-	આપવું
■ દીસવું	-	દેખાવું	■ સામઢું	-	એક સાથે
■ વા'ણ	-	વહાણ	■ બાધા	-	પ્રતિજ્ઞા
■ વાટ	-	રાહ	■ મઢયમ	-	મેડમ
■ ભેરું	-	મિત્ર	■ સોંઢવું	-	વિદાય થવું
■ વસ્તર	-	વસ્ત્ર	■ છઈએ	-	છીએ
■ મારગ	-	માર્ગ	■ પરબારા	-	બારોબાર
■ ઠેકડી	-	મજાક	■ આકરું	-	કઠિન
■ સેબ	-	સાહેબ	■ માલીપા	-	અંદર
■ નોતરું	-	આમંત્રણ	■ આવરો	-	આવક
■ પાશ	-	અસર	■ અભેમાન	-	અભિમાન
■ ખડકી	-	બારણું	■ કમાડ	-	નકુચો
■ કાજગરો	-	કામગરો	■ બેપડી	-	ઘંટી
■ ઊઘલવું	-	વિદાય	■ રમમાણ	-	તલ્લીન

■ हडसेलवुं	-	दूर करवुं	■ वडा	-	मोटां
■ तणे	-	नीचे	■ भड	-	घास
■ पिछाए	-	ओणभाए	■ कैंक	-	केटलांक
■ जयम	-	जेम	■ वणत	-	समय
■ गभरुं	-	भोणुं	■ लवारो	-	भडवास
■ उीचरुं	-	भोवुं	■ पछवाडो	-	पाछण
■ अवणुं	-	उिलटुं	■ होवे	-	हा
■ भडवुं	-	भोलवुं	■ गलटेरा	-	घरडा
■ भएवुं	-	कहेवुं	■ नीकर	-	नहिर
■ समहर	-	समुद्र	■ झयर	-	विघ्न
■ कोशीर	-	करकर	■ कुए	-	कोए
■ जक	-	हक	■ हडी	-	होडधाम
■ ओहुं	-	पडहो	■ होटियुं	-	पैसो
■ भोण	-	भोह	■ समवडिया	-	सरण
■ जोटो	-	जोड	■ धाम	-	पैसा
■ टाणुं	-	समय	■ वाज	-	कंटाणो
■ टीपणुं	-	पंचांग	■ टोणो	-	महेणुं
■ सेम	-	सीम	■ इडय	-	टुकडो
■ भागोण	-	पाहर	■ पोगण	-	पोकण
■ झोरवुं	-	महेंकवुं	■ अमथुं	-	अमस्तां
■ राय	-	वस्तु	■ पडतलुं	-	पडीकुं
■ भणूयक	-	भूर्ण	■ ङणवाणुं	-	भोंहुं

■ ખાસડાં	-	પગરખાં	■ ભોમકા	-	ભૂમિ
■ દેરું	-	મંદિર	■ ચેહ	-	ચિતા
■ કાંધ	-	ખભો	■ દા'ડો	-	દિવસ
■ આળી	-	નરમ	■ છપનો	-	સંવત ૧૯૫૬
■ ઢોબલું	-	વાસણ	■ છીંડું	-	ખાકોરુ
■ પોશ	-	ખોખો	■ ખટું	-	આગળ વધવું
■ વાલામોઈ	-	વહાલી	■ નફકરો	-	ચિંતા વગરનો
■ તંતીલું	-	જક્કી વલણવાળું	■ તોરીલું	-	ગુસ્સાવાળું
■ પંડે	-	જાતે	■ અળગું	-	દૂર
■ હોગલી	-	પૂળાની ગંજી	■ ટેમ	-	ટાઈમ
■ પાંહે	-	પાસે	■ પુન્ય	-	પુણ્ય
■ તાણ	-	ત્યારે	■ ગનો	-	ગુનો
■ ઉગમણું	-	પૂર્વ	■ આથમણું	-	પશ્ચિમ
■ હાંફ	-	શ્વાસ	■ આદમી	-	માણસ
■ વાતું	-	વાતો	■ દૈશ	-	દઈશ
■ બૂડથલ	-	મૂર્ખ	■ આંચ	-	અહીં
■ પાવરધા	-	હોશિયાર	■ વકરો	-	કમાણી
■ અનભે	-	નિર્ભય	■ અટાણે	-	અત્યારે
■ હિમારી	-	તમારી	■ કોરું	-	સૂકું
■ ભણી	-	તરફ	■ નિહાકો	-	નિસાસો
■ ચંત્યા	-	ચિંતા	■ અચિરજ	-	અચરજ
■ વાંદું	-	કુંવારું	■ ઈયાં	-	ત્યાં

■ हाप	-	साप	■ दन	-	दिवस
■ हांजे	-	सांजे	■ ओरता	-	ईरुषा
■ पूढे	-	पाछण	■ वा	-	पवन
■ टभूरवुं	-	ओढाडवुं	■ अव	-	हमशां
■ हाक	-	भूम	■ भोणियुं	-	ढेह
■ ययराट	-	भणतरा	■ अढेलीने	-	अडीने
■ हेंडो	-	यालो	■ टभ	-	रीत
■ लूगडां	-	कपडा	■ तान	-	गेल
■ ऒनुं	-	गरभ	■ संधुय	-	भधुंय
■ येटलां	-	केटलां	■ वस	-	वस्तु
■ ओशियाळुं	-	लायार	■ परभाण	-	प्रभाण
■ भरडो	-	पीठ	■ वेगळुं	-	अलग
■ पंगत	-	हार	■ कोक	-	कोईक
■ गरवाध	-	गौरव	■ साभ	-	साक्षी
■ तंई	-	तो पछी	■ यंत्या	-	सिंता
■ छाक	-	नशो	■ गोव	-	पाप
■ विपद	-	विपत्ति	■ उतारण	-	उतारवुं
■ वा'लो	-	व्हालो	■ आई	-	भा
■ भुन	-	भहेन	■ भाकोरं	-	काणुं
■ नीहरवुं	-	नीकणवुं	■ भणभांभडुं	-	भणरुकुं
■ कडछो	-	यभयो	■ धधूडो	-	धोध
■ नोधारं	-	निराधार	■ यूवुं	-	टपकवुं

■ गलझोरुं	-	गलुरुं	■ हलकलल	-	भूडलभूड
■ डलल	-	शरीर	■ भेंकलर	-	भडंकर
■ वलंसे	-	डलछल	■ दललकटक	-	लशकर
■ डूरल	-	डूरुल	■ नढलरुं	-	डरलड
■ डोर	-	आगल	■ लगन	-	लगनी
■ सलकल	-	डहेरो	■ ललंक	-	डरोड
■ झुड	-	सुडुतल	■ डगन	-	डझ
■ डनडी	-	डनुडी	■ करडलकी	-	कडलकुष
■ डकलवुं	-	शलकडलडु	■ हडङ	-	अेकलअेक
■ नेन	-	नडन	■ हैडुं	-	हृदड
■ धरड	-	धरुड	■ सडलणुं	-	सडनुं
■ डु	-	डड	■ गवन	-	सललुु
■ वटे	-	डसलर करे	■ डलललह	-	डलललस
■ डडतडे	-	तडकलडलं	■ डुरथडी	-	डृथुवी
■ हडलणुं	-	डरीदी	■ ओणुु	-	छलडुु
■ डरडलं	-	डुरललं	■ डलणवुं	-	डुुवुं
■ अडलणी	-	रकलडुी	■ कलड	-	कलरुड
■ डेठे	-	डेड	■ सडशलन	-	सुडशलन
■ डगतरुं	-	डखर	■ वेणल	-	सडड
■ कने	-	डलसे	■ सेडुडल	-	डथलरी
■ करक	-	तङलवत	■ डणकडे	-	सवलरे
■ ङलंङरलडल	-	आडुषल	■ डुक	-	डुड

■	दुंद	-	मोटुं पेट	■	लगण	-	सुधी
■	अधमण	-	अर्धोमण	■	कोर	-	भाजु
■	वेँजणो	-	पंजो	■	आलुं	-	आपुं
■	ओलीपा	-	पेली भाजु	■	आशी - पा	-	आ भाजु
■	हरण	-	हर्ष	■	भेजणान	-	यजमान
■	भापडा	-	भियारा	■	भाग	-	भाग्य
■	डोहो	-	डोसो	■	पूगे	-	पहोंचे
■	भुलक	-	प्रदेश	■	नवाण	-	जणशय
■	भगति	-	भक्ति	■	ईंद	-	जण
■	वास्ते	-	काजे	■	छेतर	-	भेतर
■	जयां' तां	-	गयां हतां	■	दाभडो	-	डभो
■	कमकमा	-	धुजारी	■	हरवर	-	स्मरण

-: શબ્દસમૂહ માટે એક શબ્દ :-

- ભંડાર તરીકે વપરાતો ભાગ : ગજાર
- ફૂલની કળીઓનું ઝૂમખું : મંજરી
- જેની પત્ની મૃત્યુ પામી છે તે પુરુષ : વિધુર
- છાપરાનો છેડાવાળો ભાગ : નેવું
- હાથીનો ચાલક : મહાવત
- નિયમમાં રાખનાર : નિયંતા
- સાંભળી ન શકનાર : બધિર
- ખુદાને માનનાર : ખુદાપરસ્ત
- ધાતુનાં પતરાં કાપવાની કાતર : કતરણી
- હાથીની સૂંઢની અણી : કણિકા
- ભરતીનું ઊતરી જવું તે : ઓટ
- એકસરખો આચાર : એકાચાર
- નજીક ઊભેલું : ઉપસ્થિત
- ઉત્તર અને પૂર્વ વચ્ચેની દિશા : ઈશાન
- દૂધમાંથી દહીં બનાવવા વપરાતું દ્રવ્ય : મેળવણ
- ચિત્ર ભૂંસાઈ જવું તે : ચિત્ર વિલોપન
- જન્મમરણના ચક્રમાંથી છૂટી જવું તે : મોક્ષ
- આંબા પર પાકવા આવેલી કેરીઓ : શાખ
- જેનો માર્ગ કલ્યાણકારી હોય તેવો : ભદ્રમાર્ગી
- કમળમાંથી જન્મેલી : કમલોદ્ભવા

- તરત જન્મેલા બાળકને ગોળ વગેરેનું પાણી આપવાની ક્રિયા : ગળથૂથી
- તેલમિશ્રિત રંગોથી દોરવામાં આવેલું ચિત્ર : તૈલચિત્ર
- લડાઈ વખતે જોમ-જુસ્સો પ્રેરે એવું ગીત : સંગ્રામગીત
- બંને બાજુ વગાડી શકાય એવું ઢોલક : મૃદંગ
- રેંટના ઘડાઓની માફક ચાલતી હારમાળા : ઘટમાળ
- કલાઈ અને સીસાની મેળવણીથી બનેલી ધાતુ : કથીર
- પરાજય કરનારું : અભિભાવક
- સહાયરૂપે મંજૂર થયેલી રકમ : અનુદાન
- મટકું માર્યા વગર : અપલક
- સાથેનું અન્ય પાત્ર ન સાંભળે એ રીતે આડું જોઈને બોલવું તે : અપવાર્ય
- લેણદેણ વગેરે સંબંધી વખત : દસ્તાવેજ
- જેનું શરીર દૂબળું છે તે : ક્ષીણવયુ
- આકાશમાં ફરનારું : ખેચર
- ચણતર વિનાનો કૂવો : ખાદરું
- કૂવા પરના પથ્થર પર દોરડાના ઘસારાથી પડેલો ખાડો : ઘરેડ
- શુદ્ધ ચૈતન્યવાળું : નિરંજન
- યાદ કરવા માટે ફરીથી લખાયેલો પત્ર : સ્મૃતિ પત્ર
- નાટક કે ભવાઈમાં સ્ત્રીનો વેશ લેનાર પુરુષ : ખેળો
- બરોબર કે અતિ ક્ષીણ હોય તે : પરિક્ષીણ
- પરિપુષ્પ થવું કે કરવું તે : પરિપોષ

■ ગુંજન થઈ શકે એવું હોવું તે	:	ગુજયત્વ
■ તપ વડે પાપ ક્ષીણ કરવું તે	:	નિર્જરા
■ નવું ચિંતવી કે ઉપજાવી કાઢવાની શક્તિ	:	કલ્પના
■ તરત ચેતી જાય તેવું	:	ચકોર
■ ગણનામાં ન લેવા જેવું	:	નગણ્ય
■ જગતનો પ્રલયકાળ	:	કલ્પાંત
■ નદીના પ્રવાહની વચ્ચે તરી આવેલો	:	પુલિન
■ પ્રયત્ન કર્યા વિના	:	અનાયાસ
■ ધર્મમાં અંધ હોવું તે	:	ધર્માંધ
■ પરાધીન હોવાનો ભાવ	:	ઓશિયાળું
■ છોડી દેવા યોગ્ય	:	ત્યાજ્ય
■ ધીરધારનો ધંધો કરનાર	:	શરાફ
■ મધુર ધ્વનિ	:	કલરવ
■ યાદગીરીરૂપે રચાયેલી ઈમારત	:	સ્મારક
■ પથ્થર પર કોતરેલ લેખ	:	શિલાલેખ
■ કમળની વેલ	:	મૃણાલિની
■ યાત્રાનું સ્થાન	:	તીર્થ
■ દશ વર્ષનો ગાળો	:	દાયકો
■ મોહ પમાડનાર શ્રીકૃષ્ણ	:	મોહન
■ ભૂતોનું ટોળું	:	ભૂતાવળ
■ મુસાફરીમાં સાથે લીધેલું ખાવાનું	:	ભાવું
■ ચોરનું પગલું કે તેની પંક્તિ	:	પગેરું

■ ઘોડાના દાબડાનો અવાજ	:	પડઘી
■ પશ્ચિમમાં આવેલું	:	પાશ્ચાત્ય
■ કપાસ લોટવાનો સંચો	:	ચરખો
■ પ્રકાશથી ઝગમગતું	:	જાજવલ્યમાન
■ ખુલ્લા શુદ્ધ દિલનું	:	નિખાલસ
■ ઘડપણ વિનાનું	:	નિર્જર
■ પદ પરથી દૂર કરાયેલું	:	પદચ્યુત
■ ગાયોનું ટોળું	:	ગોકુળ
■ ગદ્ય અને પદ્ય બન્નેવાળી સાહિત્યકૃતિ	:	ચંપૂ
■ મંડપની બહારનો ખુલ્લો ચોક	:	ચાચર
■ નદીનું પૂર	:	અભિપ્લવ
■ બે પ્રેમીઓ વચ્ચે થતી વાતચીત	:	ગુજગોષ્ઠિ
■ ઓળખ છુપાવીને રહેવું તે	:	અજ્ઞાતવાસ
■ ઘૂંટવાના અક્ષરોનો કાગળ	:	ગરડો
■ પોતાની જાત પ્રત્યે થતો અવસાદ કે મિજ્જતા	:	આત્મગ્લાનિ
■ ઢળતાં કાઠાનો છીછરો થાળ	:	ખૂમચો
■ ધન પ્રાપ્ત કરવું તે	:	દ્રવ્યોપાર્જન
■ અનુમાન કરવા યોગ્ય	:	ઉક્તેય
■ મુશ્કેલીથી જોઈ શકાય એવું	:	દુર્દર્શ
■ રાંધવામાં રહી ગયેલો એક તરફનો કાચો ભાગ	:	ઓગલો
■ ઢોરને ખાવા માટે એની આગળ મૂકેલો ચારો	:	નીરણ
■ અમર કરે છે એવું માનવામાં આવતો એક દૈવી રસ	:	અમૃત

- ખેતરમાં પંખી ઉડાડવા માટે કરેલો માળો : કરપો
- કોઈ વર્તન કે કાર્ય માટેનો અખત્યાર કે અધિકાર : અધિપત્ર
- કળીવાળો એક પ્રકારનો ઝભ્ભો : કમીઝ
- ચંદ્રની સોળ કળાઓમાંની એક કળા : અમૃતા
- ખરાબ કે અશુભ અનિષ્ટ બનાવ : દુર્ઘટના
- માલ કે વેપારવણજની વસ્તુનો સંઘરો કરવો તે : ખેલો
- ખરાબ વર્તનવાળું : દુર્વિનીત
- કોડી જેટલી કિંમતનો તાંબાનો સિક્કો : કાકિણી
- ખેર વૃક્ષમાંથી પ્રાપ્ત થતો ગુંદર : ગોરડ
- આંખોનું ઊઘડવું તે : ઉન્મીલન
- ઘર બાંધવા માટેની જગ્યા : ઘરથાળ
- રસ્તામાં મૂસાફરને પાણી પાવાની ધર્માદાની જગ્યા : પરબ
- કલ્પનામાં આવે તેવું : કલ્પ
- મેશ પાડવાનું કોડિયું : કાજળી
- તપથી પવિત્ર થયેલું : તપ:પૂત
- ત્રણ થાંભલાવાળું વહાણ : તરકોશી
- ચીરેલા લાકડાનો કકડો : ચિતાળ
- માત્ર એક જ : તન્માત્ર
- રેસાવાળી ફૂલની માંજર-મંજરી : ચમરી
- ચિત્રકામ કરનારો : ચિતારો
- નદી પાસેની નીચી જમીન : કાછઈ
- મમત્વ વિનાનું : નિર્મમ

■ પદ પર આરટ થવું તે	:	પદારોહણ
■ ધાર કાઢેલું	:	નિશિત
■ ઝાડની છાલનું વસ્ત્ર	:	વલ્કલ
■ ઈન્દ્રનું અમોઘ શસ્ત્ર	:	વજ્ર
■ દહીં વલોવવાથી નીકળતું સત્વ	:	ગોરસ
■ કાર્યમાં પરોવાયેલું	:	પ્રવૃત્ત
■ જેના હાથપગ બાંધેલા છે એવો	:	બંદીવાન
■ દરિયામાં દિશા જાણવાનું સાધન	:	હોકાયંત્ર
■ ખાલી દેખાવ કે ગણવા પૂરતું અવેજી	:	ડમી
■ અગ્નિની જ્વાળાઓનો સમૂહ	:	જ્વાલાવલિ
■ પાપ વગરનું	:	નિષ્પાપ
■ વાદળથી ઢંકાયેલું	:	અભ્રાવૃત
■ મડદાને બાળવા લઈ જનારો	:	ડાઘું
■ માનપૂર્વક સ્વીકાર	:	સમાદર
■ જેમનું તેમ	:	અકબંધ
■ નજરોનજર જોવું યા મળવું તે	:	સાક્ષાત્કાર
■ નવું દર્શન પામનાર પુરુષ	:	ઋષિ
■ દિવસનો મધ્યભાગ	:	મધ્યાહન
■ પૂર્વ તરફની દિશા	:	પ્રાચી
■ ડાબે હાથે બાણ ફેંકી શકે તેવો	:	સવ્યસાચી
■ ચંદ્ર જેવા મુખવાળી	:	શશીવદની
■ ચાર હાથવાળા વિષ્ણુ	:	ચતુર્ભુજ

■ શસ્ટ્રથી સજ્જ થયેલાં	:	શસ્ત્રસજ્જ
■ યોગ્યતાની ખાતરી આપતો પત્ર	:	પ્રમાણપત્ર
■ અપેક્ષિત ન હોય તેવી વાત	:	ગતકડું
■ ચર અને અચર વસ્તુ	:	ચરાચર
■ મદારી કે જાદુગરનો મદદનીશ	:	જંબૂરિયો
■ ઊંડા ખાડાની ઊભી થાંભલી	:	કરાડ
■ રંગોનો ભંડાર	:	રંગનિધિ
■ વાતચીતથી થતો ઓછો ઘોંઘાટ	:	કલબલ
■ બાળકોને પ્રારંભિક શિક્ષણ આપવા માટેની પોથી	:	બાળપોથી
■ લાગણીનો ઉછાળો	:	ઉભરો
■ કોઈના અવરજવર વિનાનું	:	એકાંત
■ કુટુંબ કે વતનનો સ્થાન-ત્યાગ કરવો એ	:	ઠિજરત
■ પોતાનું સર્વસ્વ કોઈને અર્પણ કરવું તે	:	સ્વાર્પણ
■ સમુદ્રમાંથી જીવના જોખમે મોતી લાવનાર	:	મરજીવા
■ કોઈ પણ મંદિર કે તીર્થસ્થાનની પ્રદક્ષિણા કરવી તે	:	પરિક્રમા
■ એક જ સૂત્રે પરોવાયેલું	:	એકસૂત્ર
■ પોતાના ઉપર જ આધાર રાખનારું	:	એકાત્મ
■ મરણ વખતનું ખતપત્ર	:	વસિયતનામું
■ બધાં પાસાં તપાસીને ક્યાસ કાઢવાની ક્રિયા	:	સમાલોચના
■ જૂની પ્રણાલિકાનું આચરણ તેમજ સમર્થન કરનાર	:	રૂઢિચુસ્ત
■ ખાધા બાદ પાછળ જે ખાવાનું વધે તે	:	અકરાંત
■ સત્ કે અસત્ તેનો નિર્ણય ન આપી શકાય તેવું	:	અનિર્વચનીય

- તજવીજ કરનાર : અધીક્ષીક
- વાદ અને વિવાદ : ઊઠાપોહ
- જેનું મન બીજુ બાબતમાં કે બીજા સ્થળે લાગેલું છે તે : અન્યમનસ્ક
- સાથે જન્મેલું કે સ્વાભાવિક હોય છે તે : સહજ
- કિંમતમાં વધારો થવો તે : અધિમૂલ્ય
- સૌથી આગળનું : અગ્રસ્થ
- મનમાં વિચારોનું મંથન ચાલવાની ક્રિયા થવી તે : મનોમંથન
- પૂરતી તપાસ કર્યા પછી નક્કી કરવામાં આવતું મૂલ્ય : આકારણી
- ગરીબ લોકોને હંમેશા અન્ન વગેરે આપવું તે : સદાવ્રત
- અગ્નિની આંચ : અગનઝાળ
- ન્યાયાધીશ કે અદાલતનો નિર્ણય કે ફેસલો : અધિમત
- શત્રુને હંફાવે તેવું : પરંતપ
- ફળની કે ઝાડના થડની અંદરનો ગર્ભ : ગર
- એકબીજામાં પરોવાયેલું : ઓતપ્રોત
- યોગના આઠ અંગમાંનું એક : નિયમ
- ભાર લઈને કોઈ દૂરની જગ્યાએ જઈ આપવું તે : ખેપ
- નાહ્યા ધોયા વગર જ્યાં જઈ ન શકાય એવી જગ્યા : નવેણ
- પોતાની જીવનકથાનું વૃતાંત : આત્મકથાનક
- મંદિરનો અંદરનો ભાગ : ગભાર
- ગવાય નહિ તેવું : ગધ
- પુસ્તકો વાંચવામાં જ રચ્યોપચ્યો રહે તે : ગ્રંથકીટ
- જ્યાં ચિત્રો પ્રદર્શિત થાય છે તે જગ્યા : ચિત્રવીથિ

- ઘર આગળની બાંધેલી બારણાવાળી છૂટી જગા : ખડકી
- શાક વેચવાનો ધંધો કરનાર માણસ : કાઠિયો
- લાંબા આકારનું તળાવ : દીર્ઘિકા
- કોઈ વસ્તુનું મૂળ અસલ કે વાસ્તવિક રૂપ : તત્વ
- ઘણા લોકો જોવા મળે એવો ખેલ કે રમત : તમાશો
- ખેડવા માટે અમુક શરતે ટોર ભાડે રાખવું તે : કંઠોડુ
- નાશ પામે તેવું : નશ્વર
- સુખ દુઃખ આદિ બંધોનું ધીરજથી સહન કરવું તે : તિતિક્ષા
- નવી ખેડાયેલી જમીનનું પ્રથમ વર્ષ : તાવરસું
- વાક્યના શબ્દનો વર્ગ કહેવો તે : પદચ્છેદ
- મોરના પીંછાનો સમૂહ : કલાપ
- નિષ્પન્ન થયેલું કે કરેલું : નિષ્પાદિત
- ત્યાજ્ય હોય તેવું : નિષિદ્ધ
- માખીઓ વિનાનું : નિર્માક્ષિક
- કાન માંડવા તે : ઉપશ્રુતિ
- જમીન પર સૂઈ આઠેય અંગથી કરેલા પ્રણામ : સાષ્ટાંગપ્રણામ
- હાથીના માથા ઉપર બે બાજુ ઉપસી આવેલો ભાગ : કુંભસ્થળ
- હથિયાર તરીકે ફૂલનો ઉપયોગ કરનાર કામદેવ : પુષ્પધન્વા
- જ્યાં સૂર્ય અસ્ત પામે છે તેવો કાલ્પનિક પર્વત : અસ્તાચળ
- પગથી માથા સુધીનું : આપાદમસ્તક
- કોઈ પણ પ્રકારના કોશમાં આવતો મુદ્દો : અધિકરણ
- કોઈ પ્રકારના બદલાની અપેક્ષા વગરનું : નિરપેક્ષ

- જીવ જન્મતો કે મરતો નથી એવો મત : અજાતવાદ
- તપાસ અંગેની કાર્યવાહી : અનુયોગ
- અંધકારમય જગત : તમસાવૃત્તલોક
- અનાજ ભરવાનો ઓરડો : કોઠાર
- વાદળોનો સમૂહ : કાદમ્બિની
- મરણ પામેલું : દિવંગત
- નૈઋત્ય ખૂણાનો દિગ્ગજ : કુમુદ
- એક સ્થાનેથી બીજે સ્થાને જવું તે : ક્રાંતિ
- ખાવાની એક હલકી વાનગી : ઘેંશ
- નાહવાનું પાણી ઊંનું મૂકવાનું વાસણ : ઉનામણું
- ગાયનું દાન કરવું તે : ગોદાન
- દૂધ,દહીં, ઘી, મધ અને ખાંડનું મિશ્રણ : પંચામૃત
- ગાયોમાં ઊછરેલો ગધેડો : ગોખર
- અગાઉ ન જોયું, જાણ્યું હોય એવું : નવું
- પડછાયારૂપ આકૃતિ : પ્રતિચ્છંદ
- સંપૂર્ણ પતન થાય તે : વિનિપાત
- પૂર્વે ન જોયું હોય તેવું : અપૂર્વ
- વેદનાનો ચિત્કાર : આર્તનાદ
- હવાઈ કિલ્લા ચણનાર : શેખચલ્લી
- બીજા કશા પર આધાર રાખતું : સાપેક્ષ
- તેલીબિયામાંથી તેલ કાઢવાનું ચંત્ર : ઘાણી
- ગાય કે ઘેટાંબકરાંનો વાડો : ઝોક

- रेंटियानी ठिभी थंभली : करेडो
- भक्ति करवा योग्य : उपास्य
- कादववाणी जमीन : कर्म
- विश्वास मूकवा योग्य वचन : आप्तवाणी
- उपर कहेलुं - जशावेलुं : उपर्युक्त
- परिवर्तन के उथलपाथलनो समय : संक्रान्ति
- प्रत के नियम तरीके न भावुं ते : उपवास
- जेना स्पर्शथी लोभंड सुवर्ण जने छे ते : पारसमणि
- पोतानो नाश करनारुं : आत्मविघातक
- कोर्धने पहोंयाडवा माटे सोंपायेली वस्तु : संपेतारुं
- आकाशमां ऋजूकती वीजणी : अचिरप्रभा
- पाछण यालनारुं : अनुयारी
- पोताने ज नुकसान करनारुं : आत्मविघातक
- वहाणनो सुकानी : कर्णिक
- जानमां वात कहेवी ते : जानाङ्गुसी
- रात्रिओनो समूह : गणरात्र
- होणी पछीने दिवसे करवामां आवती अेक किया : धीम
- देवने धरावेली भावानी वस्तु : नेवेद
- लागतां वणगतांनी जण माटे क्हेरवातो के भोक्लातो पत्र : पत्रिपत्र
- नदीमां दूरथी वही आवतो काष्ठसमूह : तरापो
- ओट पछी जार भिनिट सुधी पाणी स्थिर रहे छे ते : निजार

- એક રાતા રંગનો સહેજ સુગંધીદાર ભૂકો : ગુલાલ
- આંખથી સાંભળનાર : ચક્ષુ:શ્રવા
- જન્મ આપનારી : જનયિત્રી
- ચીપી ચીપીને બોલવું તે : ચાપલુસી
- ખૂબ ખળભળેલું તે : પ્રક્ષુબ્ધ
- પાછા આવવું તે : પ્રત્યાગમન
- અવધિ કેહદ બહારનું : નિરવધિ
- વપરાશમાં રહેલો ન હોય તેવો : ખાડિયો
- બારણું બંધ કરવાની કળ : આગળો
- કરેલા ઉપકારને જણનાર : કૃતજ્ઞ
- શબને ઓઠાડવાનું લૂગડું : કફન
- પરસેવાનું ટીપું : સ્વેદબિંદુ
- નવું ફૂટેલું પાન : ફૂંપળ
- સમગ્ર જગતનું પોષણ કરનાર : વિશ્વંભર
- અનાદર કરવો તે : ઉલ્લંઘન
- એક જ સ્થાને રહેલું કે આવેલું : એકસ્થ
- મસ્તક પર ડાળીવાળી સ્ત્રીનું શિલ્પ : શાલભંજિકા
- જ્યાં આકાશ પૃથ્વી મળતાં દેખાય તે : ક્ષિતિજ
- નાણાં લઈને ગ્રાહકોને જમાડવા માટેનું ભોજનાલય : વીશી
- વસ્તુ ભરવાની લાકડાની મોટી પેટી : પટારો
- કોઈ એક ધર્મનો ફાંટો અથવા પંથ : સંપ્રદાય
- કાતરિયા જેવું હથિયાર જે ફેંકાયા પછી પાછુ આવે છે : બૂમરૅંગ

- ચર્ચા વિચારણાને અંતે મેળવેલો નિર્ણય : સિદ્ધાંત
- પૃથ્વી પર સૌને વહાલો કે ધરતીમાતાનો વહાલો : પૃથિવીવલ્લભ
- જેના મૂળિયાં ઉપરની બાજુ જતાં હોય તેવું : ઉર્ધ્વમૂલ
- લગ્નવિધિ વખતે વર કે કન્યા સાથે રહેનાર મિત્ર : અણવર
- ‘હું બ્રહ્મ છું’ એમ જાણવું તે : અપરોક્ષજ્ઞાન
- કોશમાં નિરૂપિત વિષયનોન્ધ : અધિકરણ
- જેની આશા ન હોય તેવું : અપ્રત્યાશિત
- ઈશ્વર આગળનો ઈન્સાફનો દિવસ : કયામત
- નવું ઉદય થયેલું કે ઊગેલું : નવોદિત
- નાટકની લખાવટની ચારમાંની એક શૈલી : કૌશિકી
- ગામડાની આગળના ભાગમાં આવેલું બળદની કાંધ : ધૂસરં
- પર મૂકવા માટેનું આડું લાકડું : પરિન્યાસ
- કાવ્યમાં જ્યાં કોઈ વિશેષ અર્થ પુરો થાય તે સ્થળ : પરિન્યાસ
- સીધુ-સરખું કરવું તે : ઉન્નયન
- સાંસ્કૃતિક વારસો : ધરોહર
- જેને લઈને વસ્તુને માપી શકાય છે તે એનું લક્ષણ : પરિમાણ
- આડી અવળી નવરાશની વાતો : ગપસપ
- ફળના નિમિત્તે કરેલું કર્મ : કામ્યકર્મ
- બળતું લાકડું કે સળેખડું : ખોયણું
- રણમાં રેતી ઊડીને થતો ઢગલો : ઢૂવો
- ઘોડા કે બળદને અપાતો સૂકો દાણો : ચંદી
- કામકાજના કાગળિયાં ચોપડા વગેરેનો સમૂહ : દફતર

■ એક સાથે જમવા બેઠેલો આખો સમૂહ	પંગત
■ ગુપ્ત રાખવા યોગ્ય	: ગોપનીય
■ હસતાં ગાલમાં પડતો નાનો ખાડો	: ખંજન
■ બ્રહ્મ કે સત્યરૂપ	: તદાત્મ
■ મંદિરના શિખર તરીકે મુકાતો ઘાટ	: કળશ
■ અંજન વિનાનું	: નિરંજન
■ હોમ નિમિત્તે રાંધેલું અન્ન	: ચર
■ ખજૂરીનાં પાંદડાંની ગૂથેલી ઝોળી	: જંબીલ
■ આશ્ચર્ય કે નવાઈ પામેલું	: ચમત્કૃત
■ ગાડાના માલ માટે કરાતી પાંજરા જેવી રચના	: જાકડો
■ એકની વાત બીજાને કહી દેવી તે	: ચાડી
■ ધર્મ પ્રમાણેનું આચરણ	: નીતિ
■ અધિકારથી દૂર થયેલું	: પદભ્રષ્ટ
■ જેની બુદ્ધિ સ્થિર છે તે	: સ્થિતપ્રજ્ઞ
■ ચણોઠી જેટલાં વજનનું	: રતીભાર
■ ત્રણ કલાકનો સમયગાળો	: પ્રહર
■ બળતણનું લાકડું	: ઈંધણું
■ કુસ્તી કરવાની એક જગ્યા	: અખાડો
■ નાશ ન પામે એવું	: અવિનાશી
■ સારો આજ્ઞાંકિત પુત્ર	: સપૂત
■ અંગુઠા પાસેની આંગળી	: તર્જની
■ પવન જેવા વેગથી દોડનાર	: પવનવેગી

■ गाडानो रस्तो	:	थीलो
■ दहीं दूध राखवानुं माटीनुं वासण	:	गोरसी
■ अेकजीजामां परोवायेलुं	:	ओतप्रोत
■ भयना भान वगरनुं	:	ओघड
■ तरी पार ओतरैलुं	:	उत्तीर्ण
■ कांई अजुगतुं थया पछी अे विशे थतो अइसोस	:	पश्चाताप
■ उपरकारनो भदलो अपकारथी वाणनार	:	कृतधन
■ पोतानी जतने छेतरवी ते	:	आत्मवंचना
■ मणस्के करतुं स्नान	:	उषःस्नान
■ भुजाता पहेलां वधारे प्रजवलित थर्धने ऋभकती ज्योत	:	ऋभकज्योत
■ व्याज वटावनो धीरधारनो धंधो करनार	:	नाशांवटी
■ सूकुं घास संकोरवा माटे वपरातुं ओजार	:	पंजेठी
■ व्यक्तिना मरण पाछण रोवा-कूटवानो लौकिक रिवाज	:	काण
■ कदी निष्कण न जाय तेवुं अमोध जाण	:	रामजाण
■ होणी भेलवा नीकणेल टोणीनो सभ्य	:	दोरैयो
■ जेमां कडीने भांधनार प्रसन होय तेवुं	:	अतूकान्त
■ संग्रह के स्वीकार न करनार	:	अपरिग्रह
■ अमर्यादीत भर्य करनार	:	अमितव्ययी
■ घण्टा काणथी चालतो आवेलो रिवाज	:	परंपरा
■ टयली आंगणी	:	कनिका, कनिष्किका
■ तूटेलो-कूटेलो नकामो सामान	:	कपाट
■ स्वर्गनो अेक कुंड के होज	:	कौसर

■ તત્વને જાણવાની – શોધવાની વૃત્તિવાળું	:	તત્ત્વન્યેષી
■ દીવો મૂકવાની ઘોડી	:	દીવી
■ સ્વરને કપાવીને ગાવું તે	:	ગમક
■ ખભે નાખવાનું વસ્ત્ર	:	ખેસ
■ તેલીબિયા પિલવાનું ચંત્ર	:	ઘાણી
■ ગામના પાદર પરની ગોચર જમીન	:	ગભાણ
■ શેરડીના બીજ રાખવાનો ખાડો	:	ગડારો
■ જેને કોઈ જાણતું ન હોય તેવું	:	ગુમનામ
■ કિલ્લાની આસપાસ રક્ષણ માટે કરાતી પાણીની ખાઈ	:	પરિખા
■ નમ્રતાથી કહેવું તે	:	દરખાસ્ત
■ આંખમાં આંજવાની મેશ	:	કાજળ
■ ધાર્મિક ક્રિયાને અંતે બ્રાહ્મણોને અપાતું દાન	:	દક્ષિણા
■ ઉદ્દેશ વિનાનું	:	નિરુદ્દેશ
■ અતિ મુશ્કેલ કે મોટું કામ	:	જગન
■ પહાડની તળેટીનો પ્રદેશ	:	તરાઈ
■ બે પાંપણ મળવી કે ભેગી થવી તે	:	કસો
■ પોતાની જાતનું અભિમાન	:	જાત્યાભિમાન
■ પાણીમાં બાંધેલો કિલ્લો	:	જંજુરો
■ વસંતઋતુનો સરખા દિવસ અને રાતવાળો દિવસ	:	નવરોજ
■ પવિત્ર હોવાનો ઢોંગ કરતું	:	ચાગલું
■ નફો ચડાવ્યા વિનાનું	:	પડતર
■ પાણી ભરી લાવવાની ચામડાની ગૂણ કે થેલી	:	પખાલ

■ अंतर्भुज यक्षुवाणुं	:	प्रत्यग्दर्शी
■ स्पृहा विनानुं	:	निःस्पृह
■ चालवानो अवाज	:	पगरव
■ अवाजनी सृष्टि	:	ध्वन्यालोक
■ भोजन पछी डाभे पडभे सूवुं ते	:	वामकुक्षी
■ वसंत जेवी सुंदर डाणी	:	विशाखा
■ प्रवाहनी मध्यधारा	:	मज्जधार
■ जेनी कोर सीमा नथी ते	:	असीम
■ कुरानना वाक्यो	:	आयात
■ जेथ न शक्य तेवुं	:	अधीकुं
■ शब्दनी मूल उत्पत्ति	:	व्युत्पत्ति
■ मनने हरी ले तेवुं	:	मनोहर
■ मूलमां होय अना जेवी ज कृति	:	प्रतिकृति
■ माथे बांधवानो छोगावाणो साङ्गो	:	शिरपेय
■ लाकडुं वगरेना घाट उतारवानुं यंत्र	:	संधाडो
■ स्त्रीना पितानुं घर	:	पियर
■ कन्या पोते वर पसंढ करे ते	:	स्वयंवर
■ जेथेनीभरी शांति	:	सन्नाटो
■ सूझा घासना पूणानी गंजु	:	ओधली
■ आपजणथी आगण वधनार	:	आपकर्मी
■ जेनो कोर शत्रु नथी ते	:	अजतशत्रु
■ सारुं-नरसुं ग्रहण करवानी शक्ति	:	विवेक

■ तत्त्वने जाणानार व्यक्ति	:	तत्त्वज्ञ
■ तिथि नक्की कर्या वगर आवनार	:	अतिथि
■ ठांचे चडावनासं	:	उर्ध्वगामी
■ प्रयासथी मेणवी शकाय तेवुं	:	यत्नसाध्य
■ लांभो समय टकी शके अेवुं	:	थिर स्थायी
■ शास्त्रनो जाणकार	:	भीमांसक
■ पांडडानो धीमो अवाज	:	पर्णभर्मर
■ भेशोनुं टोणुं	:	भाडुं
■ भ्रष्ट वेदनो अभ्यासी के ज्ञाता	:	त्रिवेदी
■ पाणीनो धोध	:	जलधोध
■ संसारनी आसक्तिनो अभाव	:	वैराग्य
■ युद्धे चडेली वीरांगना	:	रथचंडी
■ श्रुत सूयवनासं गीत	:	जयगीत
■ चिंता वगरनुं	:	निश्चिंत
■ रही रहीने पडता वरसादनं ऋपटुं	:	सरवडुं
■ स्नेहथी भीजायेलुं	:	स्नेहभीनुं
■ हृदयनी वात जाणानार	:	अंतर्यामी
■ जेने जोष के समजु न शकाय तेवुं	:	अगोचर
■ जे डुंगरा वस्येनो सांकडो मार्ग	:	घाटी
■ वहाण के आगजोटनो उपरी	:	ऊषान
■ भारसाप्पनो उपलो भाग	:	ओतरंग
■ समुद्रमां रहेलो अग्नि	:	वडवानल

■ प्रेम, संकेत के क्रोधभरी वक्रदृष्टि	:	कटाक्ष
■ ईंद्रनो हाथी	:	औरावत
■ पहोणा मुपनो अभात	:	उपसागर
■ ङिंची डोकवाणुं	:	उद्ग्रीव
■ छापरांनां टेकारुप मुप्य आडुं लाकडुं	:	भोम
■ भजरमां जर्ष करवामां आवती भरीदी	:	हटाणुं
■ जुदी जुदी जतिओना वंशानो अभ्यासी	:	नृवंशशास्त्री
■ स्त्रीओ माटेनो घरनो अंदरनो भाग	:	अन्तःपुर
■ वाडमांथी जवा आववा माटे करेणुं भाकुं के मार्ग	:	छींडुं
■ सहैलाईथी भेलवी शकाय तेवुं	:	सुलभ
■ आंभ आगल भडुं थर्ष जय तेवुं	:	तादश
■ वहाण यलावनार	:	भलासी
■ यमकनी छांटवाणो आरसपहाण	:	संगेभरभर
■ घरनो सरसामान	:	असभाण
■ ईरुछा मुज्ज करवुं	:	स्वैरविहार
■ सहन न थर्ष शके तेवुं	:	असह
■ दिशा अने काणनो समूह	:	दिक्काल
■ सांजनुं भोजन	:	वाणुं
■ करियाणुं वेचनार वेपारी	:	भोदी
■ संदेशो पहोंयाडनार सेवक	:	दूत
■ देवोनी नगरी	:	अभरापुरी
■ वर्णवी न शकाय अेवुं	:	अवर्णनीय

■ रथ हांकनार	:	सारथि
■ यौद पाताणमांनुं पांचमुं पाताण	:	रसातल
■ भाणको तरङ्गनुं वहाल	:	वात्सल्य
■ समाधान न थर्ष शके तेवुं	:	असमाधेय
■ ऋकणथी शोभायमान	:	तुषारमंडित
■ पृथ्वीनी उपरनी सपाटी	:	धरातल
■ तागी न शकाय तेवुं	:	अताग
■ धरनी भावुनी दीवाल	:	करो
■ घटती किंमत करवी ते	:	कदर
■ सीधुं-सरभुं करवुं ते	:	उन्नयन
■ पोतानी धरुणनुं - भुशीनुं	:	औच्छिक
■ देश भातर पोताना प्राण आपनार	:	शहीद
■ षडभूणथी काठी नाभवुं ते	:	उन्मूलन
■ अनेकने अेक करवा ते	:	अेकीकरण
■ उपाय थर्ष शके अेवुं	:	उपेय
■ उपासना करवा योग्य	:	उपास्य
■ सौभाग्यनी निशानीरुपे स्त्रीअे गणामां पहेरवानुं धरेणुं	:	भंगलसूत्र
■ अन्ने भावुने भेडनारी	:	उभयान्वयी
■ अेकभीजा पर आश्रित होवुं ते	:	अन्योन्याश्रयदोष
■ अ्रह्मस्वरुप थवुं ते	:	कैवल्य
■ कडंभमांथी अनती अेक मदिरा	:	कांडजरी

■ લશ્કરનો અસખાબ	:	ખેલખાના
■ માટીની ભીંતનુ નાનું ઘર	:	ખોરડ
■ ગોળા-પથરા ફેંકવાનું જોતર જેવું સાધન	:	ગોફણ
■ પૈસાનો ચોથો ભાગ	:	દમડી
■ જ્યાં હત્યા થઈ હોય એવું અપવિત્ર	:	ગોઝારું
■ વેરાન કે રહેવાય નહિ એવી ઝાડીની જગ્યા	:	જંગલ
■ ખોદીને પડતર રાખેલું ખેતર	:	ચારું
■ પગ વડે કરવામાં આવતો પ્રહાર	:	પદાઘાત
■ ઈશ્વરમાં ન માનનાર	:	નાસ્તિક
■ ધનુષ્યની દોરી	:	પણછ
■ પાણીના વાસણ મૂકવાની જગ્યા	:	પાણિયારું
■ ભય વિનાનું	:	નિર્ભય
■ વસંત જેવી સુંદર સ્ત્રી	:	ફાલ્ગુની
■ તાજેતરમાં જન્મ લેનાર	:	નવજાત
■ દોઢ માઈલ જેટલું અંતર	:	કોશ
■ વિનાશ જન્માવનાર કેતુ	:	પ્રલયકેતુ
■ માથે પહેરવાનું વસ્ત્ર	:	શિરપાઘ
■ ઘી પીરસવા માટેનું વાસણ	:	વાઢી
■ સામાન્યથી વધારે જ્ઞાન	:	અતિજ્ઞાન
■ કરવા યોગ્ય કર્મોનો ભાવ	:	કૃતકૃત્યતા
■ સમાધાન શક્ય ન હોય તેવી ગૂંચ	:	મડાગાંઠ
■ મોટા કદ અથવા આકૃતિવાળું	:	કદાવર

■ वाढणनो समूह	:	घनदण
■ नगारा पर यामडां मठनारो	:	डभगर
■ अेकत्र करवुं ते	:	उपसंहार
■ भारलुं अंध राणवानुं आडुं लाकडुं के लोभंडनी पट्टी	:	भोगण
■ जीजाना मत विशे सहनशीलता	:	मतसहिष्णुता
■ जुवन यलाववा माटेनी क्माणी के अे माटेनुं साधन	:	आजुविका
■ अंदर उीतरवाना पगथियांवाणो कूवो	:	वाव
■ पाणी सुगंधित अनावनार अेक वनस्पति	:	वाणो
■ आज्ञा पाणनारं	:	अनुवर्ती
■ काणुमां राणवुं मुश्केल अेवुं प्रभण	:	दुर्दम
■ गुरु पासेथी व्रत, नियम के मंत्र लेवो ते	:	दीक्षा
■ सूचित के गर्भित अर्थ	:	निहितार्थ
■ कोर्य पण शास्त्रनी सांकेतिक संज्ञाओ के शब्दो	:	परिभाषा
■ योमेर जेवुं तपासवुं ते	:	परिप्रेक्षण
■ कोर्य जग्याअे अटक्या वगरनी मजल	:	दडमजल
■ कणा करेली होय अेवो मोर	:	कणायल
■ पर्वतनी आणुआणुनो नीयाणनो प्रदेश	:	तणेटी
■ जमा उिधारनुं तारण	:	तारीज
■ कागण अनावनार कारीगर के वेयनारो माणस	:	कागदी
■ नाणयेरनुं भांगेलुं कोटलुं	:	कायली
■ पगे यालवानो कायो रस्तो	:	पगहंडी
■ अेक ज समयमां थर्य गयेला	:	समकालीन

■ પૂર્વ દિશા તરફ મુખવાળું	:	પૂર્વાભિમુખ
■ કલંક વિનાનું	:	નિષ્કલંક
■ જેનું મૂલ્ય આંકી ન શકાય તેવું	:	અણમોલ
■ કોણીથી કાંડા સુધીનો હાથનો ભાગ	:	કરભ
■ મુખમાંથી બહાર પ્રગટતી વાણી	:	વૈખરી
■ સિંહની ગર્જના	:	કણક
■ જેને સીમા નથી તે	:	અસીમ
■ વરસાદ લાવવા માટે ગવાતો રાગ	:	મહોરારાગ
■ પૂર્વે જન્મેલાં	:	પૂર્વજ
■ હળદર વગેરે મસાલા	:	હવેજ
■ ગોદડાં વગેરે મૂકવાનો ઘોડો	:	ડામચિયો
■ રક્ષણ કરનાર	:	શ્રાતા
■ લાકડા વહેરવાનું એક ઓજાર	:	કરવત
■ સ્વયં પ્રેરણાથી થતું જ્ઞાન	:	ઉપજ્ઞા
■ મકાનમાં અજવાળા માટે મૂકેલી નાની બારી	:	જાળિયું
■ ગામમાં સહુને બેસવાની જાહેર જગા	:	ચોરો
■ રોજિંદી ખબરો કે સમાચાર આપતું પત્ર	:	વર્તમાન પત્ર
■ ન્યાયના પંચાવયવ વાક્યોમાંનું ચોથું	:	ઉપનય
■ યજ્ઞ કરાવનાર બ્રાહ્મણ	:	ઋત્વિજ
■ એક આંખવાળું	:	એકાક્ષ
■ બધું મળીને થતું	:	એકંદર
■ નજર આગળથી ખસે નહિ તેવી કેદ	:	નજરકેદ

- એક ફળ જે લગનની વિધિ વખતે કાંડે બંધાય છે : મીંઢળ
- વ્યક્તિનાં મૃતદેહને દાટી ઉપર કરેલું ચણતર : કબર
- તીર મારવામાં કુશળ : તીરંદાજ
- પ્રભુ કે પરમાત્માનું : તદીય
- નદીમાંનો ઊંડો ભાગ : ઘૂનો
- ઈલા- આશા કે ઈચ્છા વગરનું : નિરીહ
- સકાર તરફથી બક્ષિસ તરીકે મળેલી જમીન કે ગામ : જાગીર
- એક ઠેકાણેથી બીજે ઠેકાણે ખસી શકે એવું : જંગમ
- ઘસડાઈ આવીને ઠરેલો કાદવ : ચગું
- જાણે અજાણે થયેલા દોષની ક્ષમા માગવી તે : ખમતખામણું
- ચતુર, સુંદર અને ગુણવાન સ્ત્રી : ચિત્રિણી
- ઘોડાની જેમ એકદમ ધસી આવતું મોટું પૂર : ઘોડાપૂર
- ગ્રહણ કરવા યોગ્ય : ગ્રાહ્ય
- રંગભૂમિનો પડદો : નેપથ્ય
- મોટા ખંડનો નાનો કે પેટા ખંડ : ઉપખંડ
- લીટી આંકવી તે : રેખાંકન
- ધ્વનિ કે વ્યંજના વિશેનો પ્રકાશ કે જ્ઞાન : ધ્વન્યાલોક
- પાણીમાં ડૂબે ને અંદર ચાલે તે : પનડૂબી
- માટીના વાસણ વેચનારો : કૂજડો
- પરણવા જતાં વરને પહેરવાનો ફૂલનો એક શણગાર : ખૂંપ
- અર્થને પ્રગટ કરનારું : અર્થઘોતક
- પરંપરિત પતનની પ્રક્રિયા : નિપાત

- પરવાળાનો બેટ : પ્રવાલદ્વીપ
- નમાવી કે વાળી શકાય તેવું : નમ્ય
- મોભારાની બંનેમાંથી કોઈપણ એક બાજુના કરાનું ટાળ પડતું ચણતર : કરૈયું
- યોગશાસ્ત્ર પ્રમાણે ત્રણ મુખ્ય નાડીઓમાંની વચલી નાડી : સુષુમણા
- નિયમ તેમજ કાયદા અનુસાર : વિધિવત્
- બીજાના કાર્યમાં દખલ કરવી : હસ્તક્ષેપ
- દાઢી અને ગાલ ઉપર આવી રહે તેમ માથે કપડું બાંધવું તે : બુકાની
- કોઈ કાર્યનું વિગતે વર્ણન : અહેવાલ
- રોગના મૂળકારણની તપાસ : નિદાન
- કોઈ વિષયનું વિશેષ જ્ઞાન ધરાવનાર : વિશેષજ્ઞ
- જેના હાથમાં વીણા છે તે : વીણાપાણિ
- જેમાં બધા પકારનો મેળ હોય : સામંજસ્ય
- મહેનતમાં માની તે ઉપર આધાર રાખનાર : પુરુષાર્થવાદી
- આશરો આપનાર : આશ્રયદાતા
- જહાજનો સટ બાંધવા માટેનો વચ્ચેનો મુખ્ય થાંભલો : કૂવાથંભ
- ઓજારને ધાર કાઢવા માટે વપરાતો પત્થર : છીપર
- પગે ચાલી વસ્તુ વેચનાર : ફેરિયો
- ગાડાં ભાડે ફેરવનાર : અધવાયો
- બળદોની પીઠ ઉપર માલ ભરી દેશ-પરદેશ લઈ જનાર વેપારી : વણજારો
- કાગળ વેચનાર વેપારી : કાગદી

■ બુદ્ધિનો ઉપયોગ કરી જીવનાર	:	બુદ્ધિજીવી
■ જોનાર માણસો	:	પ્રેક્ષકગણ
■ સાંભળનાર માણસો	:	શ્રોતાગણ
■ ભાષણ આપનાર	:	વક્તા
■ સ્ત્રીઓ પ્રત્યેની માનવૃત્તિ	:	સ્ત્રીદાક્ષિણ્ય
■ કવિતાનાં ખૂટતાં પદ યોજવાં તે	:	પાદપૂર્તિ
■ ઉંમરલાયક થયેલ	:	વયસ્ક
■ કોઈપણ કામના વગરનું	:	નિષ્કામ
■ પોતાની જ હત્યા કરનાર	:	આત્મઘાતી
■ જે રોગનો કોઈ ઈલાજ ન હોય	:	અસાધ્ય
■ પવનનો કે પવન સાથે પડતાં વરસાદનો સુસવાટ	:	ઝંઝા
■ હૃદય કોમળ ભાગ	:	મર્મસ્થળ
■ બોધા જેવું	:	જડભરત
■ શરણે આવેલો	:	શરણાગત
■ વિષય-વાસના અથવા કુટેવોમાં ફસાયેલો	:	વિષયાસક્ત
■ ચોમાસુ પાક	:	ખરીફ
■ શિયાળુ પાક	:	રવી
■ પહેલી જ બાળકના વાળ ઉતરાવવાની ક્રિયા	:	ચૌલકર્મ
■ બાપની કમાણી ઉપર આધાર રાખનારું	:	બાપકર્મી
■ દીવાવાળો બાંધેલો મિનારો	:	દીવાદાંડી
■ જંગલમાં બળતી આગ	:	દવ
■ નવાઈથી મુગ્ધ થયેલું	:	આશ્ચર્યમુગ્ધ

- आधार वगरनी तरंगी वात : उटंग
- पृथ्वीना पेटाणनुं ज्ञान धरावनार : भूगर्भवेता
- वारंवार कहेवायेली वात : पुनरुक्ति
- नजर यूकवी पारकी वस्तु उठावनार : उठाउगीर
- लग्न के अेवा शुभप्रसंगे स्वजनोने सामे लेवा जवुं ते : सामैयुं
- सगासंभंधीमां जन्म अने मरण वगरेथी पाणवामां : सूतक
आवती आभडछेट
- अभीरोना अथवा सामंतोनी मडदथी चालतो वहीवट : अभीरशाही,
सामंतशाही
- प्रजानी मालिकीनुं करवुं ते : राष्ट्रीयकरण
- डेवण अेक ज सताधीश द्वारा पोतानी दृष्टानुसार : सरभुपत्यारशाही
तथा प्रजाना अभिप्रायनी अवगणना करी चालतो
वहीवट
- श्रीमंतोनी मडदथी चालतो वहीवट : श्रीमंतशाही
- अमलदारोना अभिप्राय अनुसार अने तेमनो अेक : अमलदारशाही
दृश्यु सतानो वहीवट
- आप्पा देश माटेनी भाषा : राष्ट्रभाषा
- पोतानी जतनी छेतरपिंडी : आत्मवंचना
- सायवी राजवा सोंपेली वस्तु : थापण
- ताकीदनी सभत उघराणी : तकाजे
- अर्थ वगरनुं : निरर्थक
- भास मानीतो मुप्य शिष्य : पट्टशिष्य
- भुप परंपराथी चालती आवती वार्ता : दंतकथा

■ ઊંચે જવાની ક્રિયા	:	ઉર્ધ્વગમન
■ પાણીના મોજા જેવી ચંચળ વૃત્તિવાળો	:	સપ્તરંગી
■ અંતરમાં રહેલું જાણનાર	:	અંતરજામી, અંતર્યામી
■ અન્યના દોષ શોધવાનું વલણ	:	છિદ્રાન્વેષીપણું
■ ચારે બાજુથી વિજય મેળવનાર	:	દિગ્વિજયી
■ ઉદાર દિલ રાખવું તે	:	દરિયાવદિલી
■ ધાતુને ગરમ કરી બીબામાં ઢાળવાની ક્રિયા	:	ઢાળો
■ હવા- અજવાળા વગરનું	:	બંધિયાર
■ પોતાને જ ઉદ્દેશીને બોલાયેલી ઉક્તિ	:	સ્વગતોક્તિ
■ બહુ ઓછુ બોલનાર	:	અલ્પભાષી, મિતભાષી
■ છૂટું ફેંકવાનું હથિયાર	:	અસ્ત્ર
■ હાથથી પકડીને મારવાનું હથિયાર	:	શસ્ત્ર
■ શસ્ત્રો રાખવાનું સ્થળ	:	શસ્ત્રાગાર
■ જાંઘ સુધી જેના લાંબા હાથ હોય	:	આજાનબાહુ
■ રૂઢિને ચુસ્તપણે વળગી રહેનાર	:	રૂઢિચુસ્ત
■ લાંબા સમય સુધી યાદ રહે તેવું	:	ચિરસ્મરણીય
■ કોઈ પણ સંપ્રદાયોના ભેદભાવ વિનાનું	:	બિનસાંપ્રદાયિક
■ મરણ પાછળ રોવું-ફૂટવું તે	:	કાણ
■ વિષ્ણુના પ્રતીક તરીકે પૂજાતો કાળો લીસો ગોળ પથ્થર	:	શાલિગ્રામ
■ જ્ઞાનરૂપ નેત્રવાળી વ્યક્તિ	:	પ્રજ્ઞાચક્ષુ

- લોકોના મત અને અભિપ્રાયથી ચાલતો વહીવટ : લોકશાહી
- રાજાની મદદથી ચાલતો વહીવટ : રાજાશાહી
- પશુ પંખીની ભાષા સમજવાની વિદ્યા : કાગવિદ્યા
- પહાડની તળેટીની સમભૂમિ : ઉપત્પકા
- સમુદ્રમાં ઉઠતું ઝંઝાવાતી તોફાન : હરિકેન
- દહીં વલોવવાની ક્રિયા : દધિમંથન
- કોઈપણ વિજ્ઞાનની સાંકેતિક ભાષા : પરિભાષા
- લાભ કરી આપે તેવું : લાભદાયી
- જેનો કોઈ શત્રુ નથી તેવો : અજાતશત્રુ
- ખેતરમાં ભાથું લઈને જનારી ખેડૂત સ્ત્રી : ભથવારી
- જરા પણ વાંચતા-લખતાં આવડતું ન હોય : નિરક્ષર
- જાદુ-ટોણા કરનાર : ઐન્દ્રજાલિક
- વૃદ્ધને યુવાન બનાવનારી આયુર્વેદિક પ્રક્રિયા : કાયાકલ્પ
- જેનો કોઈ વંશ વારસ નહોય તેવા : બિનવારસી
- જેની તુલના ન થઈ શકે : અતુલ
- પાછળથી જેને ઉકેલ સૂળે તે : પરછમબુદ્ધિ
- આગળથી જન્મેલ (મોટો ભાઈ) : અગ્રજ
- પાછળથી જન્મેલ (નાનો ભાઈ) : અનુજ
- જાણી ન શકાય તેવું : અજ્ઞેય
- નહિ જાણેલું : અજ્ઞાત
- જોઈએ તે કરતાં વધુ ખર્ચ કરનાર : ઉડાઉ
- લખતાં-વાંચતા આવડતું તે : અક્ષરજ્ઞાન

- જેની ત્રણ બાજુ પાણી હોય તેવી જમીન : દ્વિપકલ્પ
- એક જ સમયમાં થઈ ગયેલું : સમકાલીન
- આવક તથા ખર્ચનો અડસટ્ટો : અંદાજપત્ર
- શિવનું ભયંકર નૃત્ય : તાંડવનૃત્ય
- આત્માને અનુલક્ષીને : અધ્યાત્મ
- જન્મથી જ પૈસાદાર : ગર્ભશ્રીમંત
- જેની પાછળ સૂર્યચંદ્રાદિ ઊગે છે એવો કલ્પિત પર્વત : ઉદ્યાચળ
- આશરો કે ઉત્તેજન આપનાર : પોશિંટો
- હાથથી લખેલું લખાણ : હસ્તપ્રત
- ચંત્ર વગર હાથથી ચાલતો ઉદ્યોગ : હસ્તઉદ્યોગ
- આવવા જવા પર પ્રતિબંધ : સંચારબંધી
- દેખીતા અર્થથી અવળો જ અર્થ સૂચવતી વાણી : અવળવાણી
- ઘણો પોકાર હોવા છતાં કોઈ ન સાંભળે તેવું : અરણ્યરુદન
- જેની શરૂઆત નથી તેવું : અનાદિ
- કોઈને સાથે સરખાવી શકાય નહિ તેવું : અનુપમ
- હૃદયને ચીરી નાખે તેવું : હૃદયવિદારક
- આરપાર જોઈ ન શકાય તેવું : અપારદર્શક
- મેળે બેસે નહિ તેવું : અસંગત
- પચીસ વર્ષ પૂરાં થયે ઊજવાતો ઉત્સવ : રજતમહોત્સવ
- પચાસ વર્ષ પૂરાં થયે ઊજવાતો ઉત્સવ : સુવર્ણમહોત્સવ
- સો વર્ષ પૂરાં થયે ઊજવાતો ઉત્સવ : શતાબ્દી ઉત્સવ
- સાઠ વર્ષ પૂરાં થયે ઊજવાતો ઉત્સવ : હીરક (મણિ)

	મહોત્સવ
■ રણમાં આવેલો લીલોતરીવાળો પ્રદેશ	: રણદ્વિપ
■ રાજ્યની ખટપટોમાં રચ્યોપચ્યો રહેનાર	: મુત્સદી
■ ભવિષ્યની આગાહી કરનારી વાણી	: ભવિષ્યવાણી
■ જમીનની અંદર ગયેલો દરિયાનો ફાંટો	: અખાત
■ પરિણીત જીવનથી જે દૂર રહેનાર	: બ્રહ્મચારી
■ જેનું નામ માત્ર બાકી રહ્યું છે તે	: નામશેષ
■ અનિચ્છા અને વિરોધની ઉપરવટ થઈને	: પરાણે
■ દરિયાની અંદર ગયેલો જમીનનો ફાંટો	: ભૂશિર
■ મુશ્કેલીથી મેળવી શકાય તેવું	: દુષ્પ્રાપ્ય
■ પહેલી વાર પરણનાર ઉમેદવાર	: ફુંવારો
■ પોતાના હાથે જ લખાયેલું પોતાનું વૃતાંત	: આત્મકથા
■ શેષ રાખ્યા વિના ભગાય નહિ તેવું	: અવિભાજ્ય
■ સાથે જોડવા પાડેલી મોટી બૂમ	: હાકલ
■ બે જણને લડાવી મારવાનું કામ	: નારદવેડા
■ લાંબો અને વિશાળ અનુભવ ધરાવનાર	: પીટ
■ પ્રેમીના આગમનની રાહ જોઈ વસ્ત્રાભૂષણ પહેરી ઘર સજાવી તૈયાર થયેલી સ્ત્રી	: વાસરશય્યા
■ નમે નહિ તેવું	: અણનમ
■ જીતી ન શકાય તેવું	: અજેય
■ સંકટ સમયે દૂર રહેનાર મિત્ર	: તાળીમિત્ર
■ ઓળાંરૂપે આલેખાયેલું ચિત્ર	: છાયાચિત્ર

- દિવસનો કાર્યક્રમ : દિનચર્યા
- જેનો કોઈ બેલી નથી તે : અનાથ, નિરાશ્રિત, નિરાધાર
- લાગતા-વળગતાની જાણ માટે ફેરવાતો પત્ર : પરિપત્ર
- જેની જોડ ન મળી શકે તેવું : અજોડ, અદ્વિતીય, અનન્ય, બેનમૂન
- ઝઘડાની પતાવટ માટે બંને પક્ષે સ્વીકારેલ નિષ્પક્ષ વ્યક્તિ : લવાઈ
- કાયદાથી મના કરેલું : ગેરકાયદે
- છાપાંને ખબર મોકલનાર : ખબરપત્રી, સંવાદદાતા
- ખુબ તીવ્ર બુદ્ધિવાળો : કુશાગ્રબુદ્ધિ
- જીવાત્મા અને પરમાત્મા એક જ છે એવો વાદ : અદ્વૈતવાદ
- પોતાની જાત ઉપર આધાર રાખનારું : આપકર્મી
- લેખકે ધારણ કરેલું બીજું નામ : ઉપનામ, તખલ્લુસ
- ખજાનાની સંપત્તિ સાચવનાર : ખજાનચી
- કોઈની સાથે સરખાવી ન શકાય તેવું : અનુપમ
- પોતાની જાતને અર્પણ કરવું તે : સ્વાર્પણ
- આંખ આગળ ખડું થઈ જાય તેવું : આબેહૂબ, હૂબહૂ
- અધિકારી આગળ રજૂ કરવામાં આવતી હકીકત : કેફીયત, બયાન
- ગામનો વહીવટ કરનારી સંસ્થા : ગ્રામપંચાયત
- ભાવિનો વિચાર પ્રથમથી કરી શકે તે : દૂરંદેશી, દીર્ઘદર્શી
- ખડખડાટ હસવું તે : મુક્તહાસ્ય

- મુર નામના એક રાક્ષસને હણનાર : મોરારિ
- ઈચ્છેલું આપનારી ગાય : કામધેનું
- પાણી વગરની રેતાળ જગ્યા : મરુભૂમિ
- યજ્ઞમાં હોમ કરતાં બાકી રહેલો પ્રસાદીરૂપ પદાર્થ : હૃતશોષ
- ઈન્દ્રિયોથી જેનો અનુભવ ન થઈ શકે : અતીન્દ્રિય
- મજબૂત કે ટકાઉ નહીં તેવું : તકલાદી
- કોઈપણ જાતની ખોડખાંપણ વિનાનું પૂરેપૂરું શુદ્ધ : અણીશુદ્ધ
- ટાળી ન શકાય તેવું : અનિવાર્ય
- હાથીને કાબુમાં રાખવા વપરાતું સાધન : અંકુશ
- પ્રથમ નજરે થતો પ્રેમ : તારામૈત્રક
- આંખના ખૂણામાંથી જોવાની મોહક રીત : કટાક્ષ
- કહી શકાય નહિ તેવું : અકથ્ય
- વણ તૂટેલા ચોખા : અક્ષત
- એકની એક વાત વારંવાર કરવી : પિષ્ટપેષણ
- ગુણ આપે તેવું : ગુણકારી
- અસ્ખલિત વહેતી વાણી : વાગ્ધારા
- પ્રણામ કરવાની વિધિ : પાયલાગણ
- જરાવારમાં નાશ પામે તેવું : ક્ષણભંગુર
- મોટી ઉમરનાને અપાતું શિક્ષણ : પ્રૌઢશિક્ષણ
- આકાશ અને પૃથ્વી જ્યાં મળતાં દેખાય છે તે રેખા : ક્ષિતિજ
- અગાઉથી ભવિષ્યનો વિચાર કરી શકનારી બુદ્ધિ : અગમબુદ્ધિ
- લગ્નવિધિ કરવાનો મંડપ : માહ્યરું

- આગળ વધતાં પહેલાં પાછળનું જોઈ લેવું તે : સિંહાવલોકન
- બધી દિશામાં વિજયને વરેલું : દિગ્વિજયી
- ચાલતાં ચાલતા વારંવાર ઊભું રહી જનાર : અડિયલ
- ઈચ્છા અનુસાર સઘળું આપનાર વૃક્ષ : કલ્પવૃક્ષ
- વનમાં ઋષિમુનિઓનું નિવાસસ્થાન : આશ્રમ
- શરીરને ત્રણ સ્થળે વળાંક આપીને ઊભા રહેવાની રીત : ત્રિભંગ
- બાળકથી માંડીને વૃદ્ધ સુધી : આબાલવૃદ્ધ
- ભારત બહાર સંસ્થાઓમાં લઈ જવાતા મજૂરોનું કરારપત્ર : ગિરમીટ
- સ્વાર્થ સાધવા સાધુતાનો ઢોંગ કરનાર : બગભગત
- થાક લાગ્યા સિવાય : અથાક
- વૃદ્ધાવસ્થા કે મૃત્યુ ન આવે તેવું : અજરામર
- લોકોમાં કીર્તિ મેળવવાની ઈચ્છા : લોકૈષણા
- ઘેર ઘેર ભીખ માગવી તે : માધુકરી
- બીજી વાર પરણનાર : બીજવર
- પતિને સ્વાધીન રાખનારી સ્ત્રી : સ્વાધીનપતિકા
- જે ઘણાં રૂપ લે છે તે : બહુરૂપી
- બે બળવાન રાજ્યો વચ્ચેનું નાનું તટસ્થ રાજ્ય : બફર રાજ્ય
- તર્ક દ્વારા કોઈ વસ્તુનો નિર્ણય કરવો તે : અનુમાન
- જેની પત્ની પરગામ ગઈ હોય તેવો પુરુષ : પ્રોષિતપત્નીક
- પત્ની મરી ગઈ છે તે પુરુષ : વિધુર

- મદિરા જેવી મોહક આંખોવાળી : મદિરાક્ષી
- મધુર ગાઈ શકે તેવી : કોકિલકંઠી
- દૂરથી વસ્તુઓ જોવાનું ચંત્ર : દૂરબીન
- સત્યને ટકાવી રાખનાર દેવી : ઋતુંભરા
- આહાર બંધ કરવો તે : અનશન
- પતિએ ત્યજી દીધેલી સ્ત્રી : ત્યક્તા
- સ્થાન પરથી હટાવી દીધેલ વ્યક્તિ : પદચ્યુત
- જીવાત્મા અને પરમાત્મા જુદા છે એવો વાદ : દ્વૈતવાદ
- મીઠું પકવનારો : અગરિયો
- ઓઝલમાં રહેતો સ્ત્રી વર્ગ : જનાનો
- જાતે રાંધી ખાનાર : સ્વયંપાકી
- નવી પરણેલી સ્ત્રી : નવોટા
- જેનું એક પણ સંતાન ન મરી ગયું હોય તેવી સ્ત્રી : અખોવન
- મનને હરી લે તેવું : મનોહર
- પતિ સામે કલહ કરી રૂસણું લઈ બેઠેલ સ્ત્રી : કલહાંતરિતા
- જેનો પતિ જીવે છે તેવી સ્ત્રી : સોહાગણ,
સૌભાગ્યવંતી,
સધવા
- પોતાના ઘણીની બીજી પત્ની : શોક, સપત્ની
- એક જ વાર ફળનારી સ્ત્રી : કાકવંધ્યા
- સંકેત પ્રમાણે પ્રેમીને મળવા જતી સ્ત્રી : અભિસારિકા
- જેનો પતિ પરદેશ ગયો હોય તેવી સ્ત્રી : પ્રોષિતભવૃકા

- હું ઊતરતો છું એવો મનોભાવ : લઘુતાગ્રંથિ
- હું ચઢિયાતો છું એવો મનોભાવ : ગુરુતાગ્રંથિ
- દર વર્ષે અપાતી રકમ : સાલિયાણું
- પગાર લીધા વિનો સેવા ખાતર કામ કરનાર : માનાર્હ
- ક્યારેય વૃદ્ધ ન થનાર : અજર
- મહેનત કરીને જીવનાર : શ્રમજીવી
- બધાની આગળ રહેનાર : અગ્રેસર
- જાતિની ભેળસેળ : વર્ણસંકરતા
- ભોજન પછી ડાબે પડખું સૂવું તે : વામકૂક્ષિ
- આકાશી પદાર્થોનું નિરીક્ષણ કરનાર શાળા : વેદશાળા
- જેનું આચરણ વ્યવહારમાં થઈ શકે તે : વાસ્તવિક
- અશુભ સમાચારનો પત્ર : કાળોતરી
- શુભ સમાચારનો પત્ર : કંકોતરી,
કુંકુમપત્રિકા
- પીવાને યોગ્ય : પેય
- કમરથી ઉપરના ભાગનું ચિત્ર : અરણચિત્ર
- કોઈને ગણકાર્યા વગર જિંદગી પસાર કરનાર : મસ્ત
- કવિઓનું સંમેલન : મુશાયરો
- વેપારીએ રાખેલ વાણોતર : ગુમાસ્તો
- જગતનું નિયંત્રણ કરનાર : જગતનિયંતા
- કોઈનીય મદદ વિના આડેધડે ચાલતો વહીવટ : અરાજકતા
- શેર-કસબામાં ભરાતું બજાર : ગુજરી

■ नदीनी कांकरावाणी जाडी रेली	:	वेकरो
■ मरधीनुं अख्युं	:	पीलुं
■ अलीना वખते	:	ताकडे
■ सवारनो नास्तो	:	शिरामण
■ अपोरनुं भोजन	:	रोंढो
■ आगण ज़ावेळुं	:	सदर, सदरहुं, पूर्वोक्त
■ यडा लोहीनुं	:	नवलोलियु
■ जे स्पर्श करवाने लायक न होय	:	अस्पर्श
■ अठवाडिये जे वार प्रगत थतुं पत्र	:	अर्धसाप्ताहिक
■ दर अठवाडिये प्रगत थतुं पत्र	:	साप्ताहिक
■ पंदर दिवसे प्रगत थतुं पत्र	:	पाक्षिक
■ महिने प्रगत थतुं पत्र	:	मासिक
■ छ महिने प्रगत थतुं पत्र	:	अर्धवार्षिक
■ समये समये प्रगत थतुं पत्र	:	सामयिक
■ छपाईने अहार पडतुं	:	भुद्रित
■ पाणी लई जवा अनावेली नीक	:	कांस
■ लोहीथी अरडायेळुं	:	रक्तरंजित
■ अमृत समान वचनो	:	वचनांभृत
■ वहाणनो मुख्य अलासी	:	टंडेल
■ मोहक तेजनी भूरकी	:	कामण, मोहिनी
■ साठ वर्ष पूरां थवां ते	:	षष्टिपूर्ति

- સો વર્ષ પૂરાં થવાં તે : શતાબ્દી
- મહાન વ્યક્તિનો જન્મદિવસ : જયંતી
- વાર્ષિક મરણતિથિ : સંવત્સરી
- જોઈએ તે કરતાં ઓછું વાપરનાર : કંજૂસ
- જોઈએ એટલું જ વાપરનાર : કરકસરિયું
- કહ્યા પ્રમાણે કરે તેવું : કહ્યાગરં
- મર્મને જાણનાર : મરમી, મર્મજ્ઞ
- અસ્થિરતામાંથી નિવેડો લાવે તેવું : નિર્ણયાત્મક
- પોતાની મેળે પ્રગટ થનાર : સ્વયંભૂ
- નાટક ભજવવા માટેનું સ્થાન : રંગમંચ, રંગભૂમિ
- લોકો દ્વારા ચાલતી વાત : જનશ્રુતિ
- પચાસ વર્ષ પૂરાં કરી એકાવનમાં વર્ષમાં પ્રવેશવું તે : વનપ્રવેશ
- પારકા પર જીવનારું : પરજીવી, પરાવલંબી
- જે હંમેશા બદલાતું રહે છે : પરિવર્તનશીલ
- સ્મારક તરીકે ઊભો કરેલો પત્થર : ખાંભી, પાળિયો
- ભરણપોષણ મેળવવા દેવ આગળ અનશન કે ધરણું લઈને સૂવું તે : પ્રતિશયન
- જેની કલ્પના પણ ન કરી શકાય : કલ્પનાતીત
- કોઈ કાર્યનું વિગતે વર્ણન : અહેવાલ
- બનાવની હકીકતનો યથાતથ ખ્યાલ : વૃતાંત
- હાથે લખેલું જીવનનું વૃતાંત : જીવનકથા
- પાપ કે અન્યાય સામે ઉત્પન્ન થતો ક્રોધ : પુણ્યપ્રકોપ

- नसीब ઉપર આધાર રાખનાર : પ્રારબ્ધવાદી
- જેની પ્રતિષ્ઠા જામેલી છે તેવું : લબ્ધપ્રતિષ્ઠા
- એક એક અક્ષર : અક્ષરશઃ
- માપ બાંધીને કરાતી વ્યવસ્થા : માપબંધી
- હિંસક તોડફોડથી ભય ફેલાવનાર : આતંકવાદી
- આ એ જ વ્યક્તિ છે તેવું પ્રમાણપત્ર : ઓળખપત્ર
- સોપાયેલું કામ બરાબર ન કરનાર : કામચોર
- પહેલાં થઈ ગયેલું : પુરોગામી
- કોઈપણ પક્ષમાં ન ભળેલું : તટસ્થ, અપક્ષ
- એક કરતાં બીજા પક્ષની વધુ મતોની સંખ્યા : બહુમતી
- સમજ્યા વગર ખોટી આસ્થા હોવી તે : અંધશ્રદ્ધા
- જેમાં નિરંતર શંકાઓ જ રહેલી છે તે : સંશયાત્મા
- સાવ અસંભવિત વાત : આકાશકુસુમવત્
- દેખીતી નિંદા મારફત સ્તુતિ કરવી તે : વ્યાજોક્તિ
- દેખીતી સ્તુતિ મારફત નિંદા કરવી તે : વ્યાજસ્તુતિ
- ગુનામાં મદદ કરનાર : સાગરીત
- સમુદ્રમાં રહેલો અગ્નિ : વડનાવલ,
વડવાગ્નિ
- ભાગી શકાય તેવું : વિભાજ્ય
- બે મોટા સમુદ્રને જોડનારી ખાડી : સામુદ્રધુની
- માત્ર શબ્દ(અવાજ)ને આધારે ધાર્યું બાણ મારનાર : શબ્દવેદી
- દરરોજ છપાતું વર્તમાનપત્ર : દૈનિક

- કોઈની પણ મદદ ન લે તે : સ્વાશ્રયી,
સ્વાવલંબી
- જેના પર તહોમત મૂકાયું હોય તે : આરોપી, પ્રતિવાદી
- આવેલી તકનો ઉપયોગ કરી સ્વાર્થ સાધનાર : તકસાધુ
- ઉત્પન્નમાંથી સરકારને આપવાનો ભાગ : લેવી
- કદી પણ ન બની શકે તેવું : અસંભવિત,
અશક્ય
- પતિ સપત્નીને ત્યાં જતાં મનમાં બલતી સ્ત્રી : ખંડિતા
- પ્રીતમે સંકેત ન સાચવ્યાથી નિરાશ થયેલી સ્ત્રી : વિપ્રલબ્ધા
- પતિને મળવાને અત્યંત આતુર સ્ત્રી : ઉત્કંઠિતા,
વિરહોત્કંઠા
- પતિ-પત્નીનું લગ્નજીવન : દામ્પત્ય
- કમળ જેવી આંખોવાળી : કમલાક્ષી
- હરણ જેવાં નેત્રોવાળી : હરિણાક્ષી,
મૃગાક્ષી, મૃગનયની
- મીનના જેવાં નેત્રોવાળી : મીનાક્ષી
- હંસના જેવી ચાલ ચાલનારી : હંસગામિની
- હાથીના જેવી ચાલ ચાલનારી : ગજગામિની
- ચંદ્ર જેવા સુંદર મુખવાળી : ચંદ્રમુખી
- ચંપાના ફૂલના રંગની : ચંપકવરણી
- જેનું નામ લેવું પવિત્ર છે તે : પુણ્યશ્લોક
- મટકું માર્યા વગર : અનિમેષ
- જેનો કોઈ છેડો કે અંત નથી તેવું : અનંત

■ મરજી મુજબ ફરવું તે	:	સ્વૈરવિહારી
■ સરખી ઉમરનું	:	સમવયસ્ક
■ ચોપડીઓમાં જ મસ્ત રહેનાર	:	વેદિયું
■ પોતાની મેળે સેવા આપવા તત્પર	:	સ્વયંસેવક
■ પોતાના તરફથી કામ કરવાની સત્તા આપનારો પત્ર	:	મુખત્યારનામું
■ વપરાશની ચીજોના સરકારે બાંધેલા ભાવ	:	ભાવ નિયમન
■ સારા-નરસાને પારખનારી શક્તિ	:	વિવેકબુદ્ધિ
■ મૂલ્ય આપ્યા વિના જોવા લીધેલો માલ	:	જાંગડ
■ આખા વર્ષના હિસાબનું તારણ	:	સરવૈયું
■ સરખે ભાગે ગરમ અને ઠંડુ	:	સમશીતોષ્ણ
■ વળતો અવાજ	:	પ્રતિધ્વનિ
■ ઊંચા કુળમાં જન્મેલો	:	કુલીન
■ મીઠાઈ બનાવવાનું કામ કરનાર	:	હલવાઈ
■ વગર તૈયારીએ કવિતા રચનાર	:	શીઘ્રકવિ
■ જે કલ્પનામાં જ અનુભવી શકાય તે	:	કાલ્પનિક
■ જેણે વસવાટ ગુમાવેલ છે તે	:	નિર્વાસિત
■ પોતાની ઈચ્છા મુજબ આચરણ કરનાર	:	સ્વૈરવિહારી
■ ઉનાળું પાકુ	:	જાયદ
■ જમીન ઉપર થઈને જતો માર્ગ	:	ખુશકી
■ જળ ઉપર થઈને જતો માર્ગ	:	તરી
■ હવામાં થઈને જતો માર્ગ	:	હવાઈ
■ આકાશને સ્પર્શે તેવું ઊંચું	:	ગગનચુંબી

- સાથે અભ્યાસ કરતાં : સહાધ્યાયી
- એક વસ્તુ આપી બીજી વસ્તુ લેવી તે : વિનિમય
- શરીર ઉપરનાં રૂવાં ઊભા થવાં તે : રોમાંચ
- કબર ઉપર મૂકેલું લખાણ : મૃત્યુલેખ
- યાદગારી માટે પ્રતીકાત્મક બાંધકામ : સ્મારક
- બનાવટી દેખાતું જળ : મૃગજળ
- સચોટ અસર ઉપજાવે તેવું : રામબાણ
- જળમુળથી ઊખેડી નાખનાર : ઉચ્છેદક
- નિરાંતે નહિ બેઠેલું : ઉભડક, અધૂકડું
- એક બીજામાં ભળી ગયેલ : ઓતપ્રોત
- ગરમી-ઠંડી બતાવતા પૃથ્વીના પટ્ટા : કટિબંધ
- પાણીમાં ઘોળેલું અફીણ : કચુંબો
- પંચ સમક્ષ કરેલી તપાસણીની નોંધ : પંચનામું
- આકાશમાં ફરનાર : ખેચર
- જળમાં ફરનાર : જળચર
- પૃથ્વી ઉપર ફરનાર : ભૂચર
- દરિયાઈ લુંટારો : ચાંચિયો
- બની શકે ત્યાં સુધી : યથાસંભવ
- જગતનું મૂળ ચેતન નહિ પણ જડ છે એવો વાદ : જડવાદ
- ગાયોના ચાલવાથી ઊડતી ધૂળ : ગોરજ
- જંગલમાં વસનાર લોકો : અરણ્યક
- નખથી તે ઠેઠ શિખા સુધી : નખશિખ

■ બે જણ વચ્ચેનું યુદ્ધ	:	દ્વંદ્વયુદ્ધ
■ પોતાના વખાણ પોતે જ કરવાં તે	:	આત્મશ્લાઘા
■ પોતાની જાત ઉપર કાબૂ રાખે તેવું	:	આત્મસંયમી
■ સર્વ રાષ્ટ્રોને કે તેમના સંબંધને લગતું	:	આંતરરાષ્ટ્રીય
■ ઉપર જણાવ્યા મુજબ	:	ઉપર્યુક્ત
■ એક જ સમયમાં થઈ ગયેલું	:	સમકાલીન
■ કરેલો ઉપકાર ન ભૂલનારું	:	કૃતજ્ઞ, નિમકહલાલ
■ જૂના બાંધકામોનું સમારકામ	:	ગુર્ણોદ્ધાર
■ કરી શકાય નહિં તેવું	:	અશક્ય
■ ન સમજી શકાય તેવું	:	અગમ્ય
■ ખૂટે નહિ તેવું	:	અખૂટ
■ જેની ઉપેક્ષા ન કરવી ઘટે કે ન કરાય તેવું	:	અનુપ્રેક્ષ્ય
■ જેનો નાશ ન થાય તેવું	:	અવિનાશી
■ છૂપા વેશે ફરનાર રાજ્યનો કર્મચારી	:	ગુપ્તચર
■ સાંભળતાંવેત જવાબ આપે તેવું	:	હાજરજવાબી
■ સમાન અર્થવાળો અન્ય ભાષાનો શબ્દ	:	પર્યાય
■ વસ્તુ સાથે નિરખત ધરાવે તેવું	:	સુસંગત
■ શું કરવું તે સુઝે નહિ તેવી અવસ્થા	:	કિંકર્તવ્યમૂઢ
■ શબ્દોના વધુ પડતા ઉપયોગવાળું	:	શબ્દાળું
■ શબ્દશઃ નહિ પણ મૂળના ભાવવાળો અનુવાદ	:	ભાવાનુવાદ
■ જેની નીચે લીટી દોરી હોય તેવું લખાણ	:	રેખાંકિત
■ નાકથી બોલાતો (વર્ણ)	:	અનુનાસિક

- तांभापितलनी गागर उपर हाथ ठोकी कथा करनार : भाषाभट
- ईस्लामनो उपदेश करनार : मौलवी
- ख्रिस्ती धर्मनो उपदेशक : पादरी
- जैन धर्मनो प्रवर्तक : तीर्थकर
- रंगभूमिनो पडदो के पाछलनो भाग : नेपथ्य
- नियमितपणे प्रमाणसर भोजन करनारो : मिताहारी
- जेवामां प्रिय लागे तेवुं : प्रियदर्शी
- प्राचीन इतिहासनो जाणकार : पुरातत्ववेता
- अधक्यरा ज्ञानवाणो : अर्धदग्ध
- जेनुं चित अन्य विचारोमां रोकायेलुं होय : अन्धमनस्क
- जेनी आशा राखवामां न आवे : अप्रत्याशित
- सहन न करी शकनार : असहिष्णुं
- पहेलां थर गयेलुं : पुरोगामी
- पाछल आवनारुं : अनुगामी
- लगभग मरी गयेलुं : मृतप्राय
- अंदर अंदरनी लडाई अने कतल : यादवास्थली
- सूर्य-चंद्र होय त्यां सुधी : यावच्चंद्रदिवाकरौ
- आंभने छावरी लेतुं पड : पडल
- चेतन अने जड : चराचर
- पासे रहेंनारुं : अंतेवासी
- वधारै पडता भोजशोभ करनार : छेलभटाई
- कसभनुं भरतवाणुं : जरकसी

- मूल्य आध्या के सोदो कर्या विना जेवा-देजाडवा : जंगड
- लीधेलुं
- गामने पादरे भरवाडोनुं घेटाभकरां राभवानुं ठेकाणुं : गोकडुं
- संकट समये ताली पाडी वेगणो रहे तेवो मित्र : तालीमित्र
- भाधेलुं पचावनारो जठरनो अग्नि : जठराग्नि
- दरेक वस्तुमां सारु परिणाम जेनार : आशावादी
- दरेक वस्तुमां जोटुं परिणाम जेनार : निराशावादी
- भराभ रीते जणीतो : नामचीन
- लोटने चाणवाथी नीकणतो भूको : थूलुं
- धउं वगेरेना भरडेला ककडा के तेनी वानी : थूली
- कूवामांथी पाणी काढवानुं चामडानुं साधन : कोस
- पैसा लीधा सिवाय काम करनार : अवेतनिक
- भूण संकुचित द्रष्टिवाणुं : कूपभंडूक
- जुव पर आवी गयेलुं : भरलियुं
- जन्म अने भरलामांथी छूटकारो : भोक्ष
- वधारीने वात करवी ते : अतिशयोक्ति
- दाणी शकाय नहि तेवुं : अदभ्य
- सयोट असर उपजावे तेवुं : रामभाण

-: कर्तृवाचक संज्ञाओ :-

व्यवसाय साथे संकलानेक कर्तृवाचक संज्ञाओ

- | | | |
|-------------------------------|---|--|
| ■ पगरभां सीवनार | - | भोयी |
| ■ यज्ञक्रिया करानार ब्राह्मण | - | पुरोहित |
| ■ सिङ्गल - ऋवेरातनी परभ करनार | - | पारेभ |
| ■ शासन करनार | - | शासक |
| ■ कथा करनार | - | कथाकार |
| ■ नाटकभां हसावनार पात्र | - | विदूषक, रंगलो |
| ■ डोणी ऒंचकनारो | - | भाघ, डोणियो |
| ■ थोरानो हवालदार | - | रावणियो |
| ■ तभलां वगाडनार | - | तभलयी |
| ■ संदेशो लघु जनार | - | संदेशावाहक, नेगियो, दूत,
कासद, भेपियो |
| ■ वजार संभाणनार | - | वजारिया, कोठारी |
| ■ शिकार करनार | - | शिकारी, पारधी, यडीभार,
आहेडी |
| ■ जते रांधनार | - | स्वयंपाडी |
| ■ फ़िल्मो जनावनार | - | फ़िल्म-निर्माता |
| ■ वाटभां संभाण राभनार | - | वणायियो |
| ■ वडीलात करनार | - | वडील |
| ■ लोभंडना ओजर जनावनार | - | बुहार |
| ■ भाण भभडावी कथा कहेनार | - | भाणभट्ट |

■ तूषवानुं काम करनार	-	तुनारो, तूषियो
■ पाकीट मारनार	-	पाकीटमार
■ भिस्सा कातरनार	-	भिस्साकातर, जीसाकातर
■ शरणाई वगाऽनार	-	ढाढी
■ भृषीथी धाणीयणा शेकनार	-	भाऽभूजे
■ आलोचना के वलवेचना करनार	-	भीभांसक, आलोचक, वलवेचक
■ भेतरभांथी पक्षीयो ऒऽऽनार	-	ढोयो
■ पेढीनाभुं लपनार	-	वहीवंयो
■ रेशम गूथवानुं काम करनार	-	पटवा
■ मध्यस्थी करनार	-	लवाढ, मध्यस्थ
■ अेक भाषामांथी जीजु भाषामां इंपातर करनार	-	अनुवाढक
■ वारिंत्रो पर यामऽां मढनार	-	ऽङ्गर, ऽभगर
■ गामनुं महेसूल वसूलनार	-	पटवारी, तलाढी
■ पुराणकथा करनार	-	पुराणी
■ दाण ऒधरावनार	-	दाणी
■ वासण पर कलाई करनार	-	कलाईगर
■ भर्मने जाणनार	-	भर्मज्ञ
■ निशान पर भाण इँकनार	-	तीरंदाज, भाणावणी
■ नकशीकाम के कोतरणी करनार	-	नकशीदार
■ धातु पर धाट रीतरनारो	-	चितणियो
■ तक साधनार	-	तकसाधु
■ जोष जोनार	-	ज्योतिषी

■ ચામડાં ઉતારનાર કે ચર્મકામ કરનાર	- ચમાર
■ ચૂનો પકવનાર	- ચુનારો
■ ન્યાય કરનાર	- ન્યાયાધીશ
■ પાણીમાં તરનાર	- તરવૈયો
■ મોડ બોધનાર	- મોડબંધો
■ હાથીદાંતનો ઘાટ ઉતારનાર	- ખરાદી, સંઘાડિયો
■ તાડી કાઢનાર	- તરવાડો
■ ભવાઈ કરનાર	- ભવૈયો
■ ખેતરનું રક્ષણ કરનાર	- ખેતરપાલ, ક્ષેત્રપાલ
■ ખાણમાં કામ કરનાર	- ખાણિયો
■ કપડાં છાપનાર	- છાપગર, છીપો
■ તત્વને જાણનાર	- ફિલસૂફ, તત્વજ્ઞ
■ હીરા ઘસનારો	- હીરાઘસુ
■ હોળી ખેલનારો	- ઘેરૈયો
■ ઢાલ બનાવનાર	- ઢાલગર
■ બગીચાની સંભાળ રાખનાર	- બાગબાન, માળી
■ છેતરપિંડી કરનારો	- ધુતારો, ઠગ
■ મજાક કરનારો	- મજકરો
■ છોકરાંની સંભાળ લેનારી	- ધાવ, આયા
■ લાકડાનું ફર્નિચર બનાવનાર	- સુથાર
■ અભિનય કરનાર	- અભિનેતા
■ રૂ પીંજનાર	- પીંજારો

■ राज करनारो	- राजवी, राज
■ भेती करनार	- भेडूत, किसान, कृषक, कृषिकार, भेडु
■ वेपार करनार	- वेपारी, वाणियो, वणिक
■ तेलनो वेपार करनार	- तेली, धांची
■ यूडी, अंगडीनो वेपार करनार	- भणियार
■ तावडी वेचनार	- लोढी
■ सोना -यांटीनो वेपारी	- योक्सी, सोनी
■ छूटक वेपार करनार	- छेरियो
■ करियाणानो वेपारी	- गांधी
■ दाणानो वेपारी	- इडिया, कणिया
■ इनो वेपारी	- कपासी
■ कसणना तारनो वेपारी	- तारकस
■ कागल के चोपडा वेचनार	- कागदी
■ दूध, माभण के धी वेचनार	- महियारा
■ सट्टो भेलनार	- सटोडियो
■ शाकभाजुनो वेपारी	- काछियो, अकाल, अमार, अंभार
■ सूतरनो वेपारी	- सुतरियो
■ मिठार्णनो वेपारी	- सुभडियो, कंदोर्ण
■ पान वेचनार	- तंभोणी
■ कापडनो वेपारी	- कापडियो, अलरेण, अणण, दोशी
■ दारुनो वेपारी	- कलाल
■ लाकडाना जथ्याअंध वेपारी	- काटपीटियो

■ અનાજ, ઘી, કરિયાણાનો વેપારી	-	મોદી, નેસ્તી
■ સુગંધીદાર વસ્તુઓ વેચનાર	-	સરૈયો, અતરિયો, સુરભિક
■ ઝવેરાતનો વેપારી	-	ઝવેરી
■ દલાલી કરનાર	-	દલાલ, વચોટિયો, મારફતિયો, આડતિયો
■ ઈજારો ધરાવનાર	-	ઈજારેદાર, ઠેકેદાર
■ મરણક્રિયા માટેનો સામાન વેચનાર	-	મસાણિયો
■ દાણ કે જકાત ભર્યા વગર વેપાર કરનાર	-	દાણચોર
■ ધાતુનાં વાસણો ઘડનાર કે વેચનાર	-	કંસારો
■ પશુઓને મારી માંસ વેચનાર	-	કસાઈ, ખાટકી, હલાલખોર
■ તોપ ફોડનાર	-	તોપચી
■ વેશ્યાની દલાલી કરનાર	-	ભડવો
■ દગો કરનાર	-	દગાબાજ
■ ભૂંગળ વગાડનાર	-	ભૂંગળિયો
■ નાણાં ધીરનાર	-	નાણાવટી શરાફ
■ હિસાબ લખનાર	-	હિસાબનીસ
■ વહાણ ચલાવનાર	-	ખલાસી, માલમ, વહાણવટી, નાવિક, સુકાની
■ ફાંસી આપનાર	-	ફાંસીગર, જલ્લાદ
■ જનાનખાનાનો ચોખદાર	-	કંચુકી
■ સાપ કે માંકડાનો ખેલ કરનાર	-	બાજુગર, વાદીગર, મદારી, વાદી, ગારુડી
■ કપડાં ધોનાર	-	ધોબી, રજક
■ પડઘમ વગાડનાર	-	પડઘમચી

■ दरियामांथी डुभकी मारी मोती लावनार	-	भरजुवा
■ झोजने दोरनार	-	झोजदार
■ नगारुं वगारुनार	-	नगारथी
■ मेली विधा करनार	-	तांप्रिक
■ हपता आनारुं	-	हपताआठि
■ बुलम गुजरनार	-	बुलमगार, सितमगर
■ टहेल नापनार	-	टहेलियो, टहेलभट्ट
■ पगलां पारपनार	-	पगी
■ धी वेचनार	-	धिया
■ हण हांकनार	-	हणभेडुं, हणियो
■ रोगान यगावनार	-	रोगानी
■ भीडुं पकवनार	-	अगरियो
■ याकु-छुरीने धार काटनार	-	सराणियो
■ गाडुं हांकनार	-	हांकणियो, गाडीत
■ टेभरेभ रापनार	-	निरीक्षक
■ प्रसव करायनारी स्त्री	-	दाढ, दायाण, सुयाणी
■ माछलां पकडनार	-	माछी, माछीमार, टीमर, पारवो
■ चित्रो दोरनार	-	चित्रकार, चितारो
■ गुलामी करनार	-	दास, लुंडो, गुलाम, चाकर
■ भशाल धरनार	-	भशालथी
■ काय अनावनार	-	कारीगर-शीशगर
■ दरियामां लुंटाट करनार	-	चांथियो

■ વહાણ ચલાવનાર	- ખલાસી, નાવિક, વહાણવટી, સુકાની, માલમ
■ માછલાં પકડનારા	- માછીમાર, ખારવો, ટીમર, માછી
■ ગાયો ચારનાર	- ગોવાળ, ગવલી, ગોવાતી
■ ઘેટાં ચરાવનાર	- ભરવાડ
■ બકરાં ચરાવનાર	- અજપાળ, ભરવાડ
■ ઘોડા કે તબેલાની સંભાળ રાખનાર	- અશ્વપાળ, ઠાણિયો, રાવત
■ કપડાં સીવનાર	- દરજી, મેરાઈ
■ વાળ કાપનાર	- હજામ, વાળંદ, નાયી, નાવી, ક્ષૌરિક
■ છબી બનાવનાર	- છબીકાર, તસવીરકાર
■ ચિત્રો દોરનાર	- ચિત્રકાર, ચિતારો
■ રંગ પૂરનાર	- રંગરેજ, રંગારો
■ કપડાં ધોનાર	- ધોબી, રજક
■ કરામત કે જાદુ કરનાર	- જાદુગર, જાદુખોર, માયિક, સાહિર, ચેટકી
■ માટીનાં વાસણો બનાવનાર	- કુંભાર, કુંભકાર
■ મૂર્તિઓ બનાવનાર	- મૂર્તિકાર
■ કોતરણી કામ કરનાર	- શિલ્પી
■ પથ્થર ઘડનાર, ઘંટી ટાંકનાર	- સલાટ
■ મકાનનું ચણતર કરનાર	- કડિયો
■ ચોકી કરનાર	- રખો, ચોકીદાર, પહેરેગીર, ચોકિયાત, રખોપિયો, રખવાળ, રખેવાળ
■ હિસાબ તપાસનાર	- અન્વેષક
■ સાળ પર કાપડ વણનાર	- વણકર, સાળવી

■ છાપકામ કરનાર	- મુદ્રક
■ લેખન કરનાર	- લેખક
■ ખજાનો સંભાળનાર	- ખજાનચી, પોતદાર
■ પખાલ વડે પાણી લાવનાર	- પખાલચી, ભિસ્તી, પખાલી
■ કબર ખોદનાર	- ઘોરખોદિયો
■ મરનારને બાળવા લઈ જનાર	- ખાંધિયો, ડાઘુ
■ પંચાત કે ભાંજગડ કરનાર	- પંચાતિયો, ભાંજગડિયો
■ દોરડા પર નાચનાર	- નટ, બજાણિયો
■ રોજથી કામ કરનાર	- રોજિંદાર, રોજંદાર
■ દરવાજો સાચવનાર	- દરવાન, દ્વારપાળ
■ વ્યાજ ખાનારું	- વ્યાજખાઉ
■ દાણ ઉઘરાવનાર	- દાણી
■ પૂજા કરનાર	- પૂજારી
■ ભણાવનાર	- અધ્યાપક, શિક્ષક
■ પરબ પર બેસી પાણી પાનાર	- પરબિયો
■ નફો ખાનારું	- નફાખોર
■ ભીખ માગનાર	- ભિખારી
■ તોલ કરનારો	- જોખિયો, તોલાટ
■ પશુની સારવાર કરનાર	- પશુવૈદ, સાળોત્રી
■ ઘેટાં ચારનાર	- ભરવાડ
■ ઢોલ વગાડનાર	- ઢોલી
■ ભાર ઊંચકનારો	- વૈતરો, મોટિયો

■ छापरुं संरररनर	-	संरररु
■ लुंरुकरु करनर	-	धरडडरडु, लुंरररु
■ बुगरर रडनर	-	बुगररररु
■ रसुुध डनरवनर	-	रसुुधरु, डडररु
■ करवड उरररुकरनर	-	करवडरु
■ धुडरनुं डलरर डनरवनर	-	गुनगर
■ धरनु डर वहन करनर धुकरु	-	करंधेवरररु
■ डरसुसु करनर	-	डरसुस, गुडुधर
■ डेतरडरं डरणी वररनर	-	डररती, डररत, डररतरु
■ अशुड सडररर लरवनर	-	करररडरु
■ कुवर डरनुु करुस हंकरनर	-	कुवेती
■ गरु के करुल्लरनुं रकुषर करनर	-	गरुवी
■ धेहनु वेडरर करनर सुी	-	वरररंगनर, वेशुडर, इडगुवरनी, गरररुकर
■ रसुतु डनरवनर	-	रुहेवर, ररहनर, डुडररु
■ रेलेवे डर डरुुरी करनर	-	हेलेकरु, हडरल
■ कुसुती करनर	-	कुसुतीवरर, डल्ल
■ धरतु डररनरनुं करड करनर	-	डररगर
■ वुडरसुथर करनर	-	वुडरसुथरडु, कररडररी
■ अकु डरडरनुु अरुथ डुगु डरडरडरं करुहनर	-	दुडररुडरु
■ डरणी डरनररी	-	डररररररी

-: જોડણી :-

મહત્વની પરીક્ષાલક્ષી જોડણી - ૧

અનુકૂળ	શિથિલ	વિનિપાત
ધરિત્રી	સહાનુભૂતિ	સિસોટી
માહિતી	દીપ્તિ	પ્રીતિ
મિજબાની	નિખિડ	સાવિત્રી
ઉપગીતિ	ભૂરિશ્રવા	નીલિમા
મુશ્કેલી	કૂતરં	તિમિર
દુંદુભિ	મૂઝવણ	મશગૂલ
નિરવધિ	શિરોમણિ	ખિસ્મિલ
ધુમ્મસ	અનિમેષ	અશ્વત્થ
પીડિત	ધૂમકેતુ	નિમિત
કૂચલી	તસવીર	પ્રતીતિ
વિભૂતિ	ગળથૂથી	નિક્ષિપ્ત
શુશ્રૂષા	ક્ષિતિજ	પેરેલિસિસ
ગ્રંથિ	પીયૂષ	મૂંપડું
પ્રતીક	શ્રુતિ	કીમિયો
ખિલકુલ	ચુંબક	શિશિર
નિર્વાણ	જિંદગી	કાકલૂદી
સમીક્ષા	થીગડું	ભીતિ
અહર્નિશ	શિખિર	દિગ્વિજય
વિનીત	પરિમિત	નિમીલક
ચિંતામણિ	નિસખત	નિષ્ક્રિય
વિછિન્ન	પ્રતિપોષિત	સ્તુતિ

याभिनी	पुनवर्तु	निरीक्षा
टिप्पणी	निशीथ	परिषद
वीजणी	परिवेश	कस्तूरी
चिह्न	नियति	सुषुप्त
दुर्वृत्ति	निरीह	निवृत्ति
ग्रीष्म	कूयिपूडी	कूयी
रूपाणुं	सूतर	सुसूक्ष्म
नियमित	धलकाण	निरूपित
वीर	भूलयूक	अधिनियम
विशिष्ट	अंसी	वीरोचित
चिंतनीय	कूपण	किलसूझी
रेंटियो	वीरांगना	कीर्ति
कौतूहल	प्रतिदिन	धूमरि
भिराजवुं	नूतन	प्रतिज्ञा
विश्वाभित्र	कामधेनु	सूक्ष्म-भीनुं
अद्वितीय	परिक्षीण	परिस्थिति
कालिन्दी	पूनम	शिपरिणी
कारकिर्दी	पुत्रवधू	वाणीगूडी
नीलम	मंदाकिनी	मिजाज
स्वीकार	नवुंजुं	नीलमणि
कोविद	परिच्छिन्न	चित्रविचित्र
परिशीलित	नीतिरीति	परिमिति
कौमुदी	तपस्विनी	पिपीलिका
गूंथणी	प्रतिभिन्न	मूल्यांकन
होशियार	हूंडी	कीडियारुं

निरीक्षण	पेनिसिलीन	विपत्ति
किन्तु	यिथियारी	प्रतीक्षा
कूटाकूट	भिषलस	किंचित्
पूमडुं	प्रतिभिंभित	धतिहास
अभिभ्रुत	यिनगारी	किलकिलाट
कुसुमायुध	उदाहरण	परिचय
विपरीत	सोनुंरुपुं	दूरसुदूर
शूरवीर	परीक्षित	क्षितिज
आशिष	कुटुंब	विलीनीकरण
कवयित्री	शून्य	अंधरेटुं
विरहिणी	अंतर्वेदुं	हाथकु
तीक्ष्ण	यूपडीदी	परिचित
क्षुल्लक	सुप्त	शिरीष
निर्घण	प्रतिमूर्ति	पूछडी
प्रतिरूपित	प्रतिलिपि	मूर्ति
भिलकत	मूल्य	सूरज
किञ्चियारी	कार्तिकी	रुक्मिणी
प्रतिलिपि	प्रतीची	लीलुं-पीलुं
वहीवट	क्षुधाऱपिणी	रूंटणी
पुनित	प्रतीप	गुरुतेगु
आधुंपीधुं	तकलीङ	नीरभ
भीली	गुपसुप	सूक्ति
सितेर	भागीरथी	सूत्रभूत्र
प्रादुर्भूत	अणप	पिस्ताणीस
निभाववुं	प्रतिप्रविष्टि	निभालस

उचुंनरुं	धीरु	उरुडरुड
नरुलकंड	नरुडरुड	उंडरुड
अडरुडरुड	दुशुडन	वरुसरुडरुड
कुरुडरुड	रुडरुडरुड	संडरुडरुड
अरुडरुडरुड	दूरुडरुडरुड	तुडनरुडरुड
कुडरुडरुड	वरुडरुडरुड	अरुडरुडरुड
नरुडरुडरुड	वरुडरुड	वरुडरुड
वरुडरुडरुड	संडरुडरुड	नरुडरुडरुड
धरुडरुड	अधुनरुड	डरुडरुड
वरुडरुडरुड	डुडरुड	हरुडरुड
डरुडरुडरुड	उधरुड	वुडरुडरुड
अडरुडरुड	रुडरुड	अरुडरुडरुड
वरुडरुडरुड	उदरुडरुड	डरुडरुड
डरुडरुडरुड	अडरुडरुड	डुनरुडरुड
डुरुडरुड	उंडरुड	अरुडरुड
अरुडरुडरुड	अनुडरुडरुड	डुरुडरुडरुड
डुरुडरुड	हरुडरुडरुड	डरुडरुड
डरुडरुडरुड	डरुडरुडरुड	नरुडरुडरुड
रुडरुड	सरुडरुडरुड	अधुडरुड
नुडरुडरुड	वरुडरुडरुड	अनुडरुडरुड
उरुडरुडरुड	उदरुडरुड	गुरुडरुड
शुडरुड	वरुडरुडरुड	वरुडरुड
उरुडरुडरुड	डुनरुडरुड	अरुडरुडरुड
तरुडरुडरुड	वरुडरुड	अनुडरुड
वरुडरुडरुड	नरुडरुड	वरुडरुड

उर्ध्ववाहिनी	आंतरप्रतीति	पुरवणी
विनिमय	भाषाकीय	आनुपूर्वी
पूर्वानुभव	आशीर्वचन	आधुनिकीकरण
विजिगीषा	विधिकित्सा	अभिसंधि
अभिहित	दरमियान	आत्यंतिकी
अभिनविष्ट	अभिनवेश	आगतुङ्क
अनुगृहित	राधिका	आधुंपाधुं
उर्ध्वस्वी	तूटेलुं - कूटेलुं	अंतर्वृत्ति
निमीलित	अनुदिन	अंतर्यामी
रणियामयुं	पूर्वानुभव	अधोवाहिनी
पीडिता	अंधाधुंधी	अंतर्हित
हिलयाल	अनुपपत्ति	सावित्री
उर्ध्वगीत	भांग्युंतूट्युं	हिमालय
दुर्दशा	आपवीती	अहिरिपु
उन्मीलित	नियमावलि	अनुप्राणित
अहीतही	गुरापो	अपेक्षित
अस्मिता	बूढाणुं	अधिरुहिणी
दूकडुं	वासरिका	विशेषांक
उंजण	बिंदादिली	अकीटशे
समजूती	भूंजवण	अधीरिचुं
टिंगली	अधूकडुं	अनुक्रमणिका
लिपि	अधिकृति	अधोभूमिक
आनेहूण	मार्गदर्शिका	हरियाण
अधिभूत	पत्नी	परिच्छिन्न
अन्वीक्षा	आत्मानुभूति	हूणहू

रुपर	केन्द्रीय	अपह्नुति
अनिच्छित	सेन्द्रीय	अनीप्सित
ढांकपिछोडो	भूणसूरत	पथ्यर
डुंगणी	तात्कालिक	अनिंदित
मूंटामूंट	गमगीनी	अनुगाभिनी
मूमभुं	अधिकृत	अनुकूलित
अनुश्रुवी	विलीन	आशुशु
नीडर	विभीषण	आधारित
उगम	उपज	हरीझर
दिवसणी	पारितोषिक	विडंभण
भिरुद	उदात्त	प्रकाशित
समिति	आहुति	निरूपणरीति
अनिवार्य	प्रभावित	विदूषक
भलिदान	घत्यादि	रुधिर
भुगुप्सा	निष्ठात	निदान
रुटिक	रुहरण	अभिरुचि
साहित्यिक	भूणभूत	अनुपूर्ति
पनिहारी	अनुद्रिष्टि	अनुश्रुति
दंपती	नवनीत	नियामक
रिद्धि - सिद्धि	विवेचन	सुशोभित
साभित्ती	समन्वित	अनुमिति
भूमिति	भूगोण	द्वितीय
नागरिक	भारतीय	अभिनविष्ट
पारिभाषिक	उच्छिन्न	सार्वत्रिक
यथाविधि	कमनसीध	इरजियात

✳ કેટલાક અંગ્રેજી શબ્દોની શુદ્ધ ગુજરાતી જોડણી

ઇલેક્ટ્રિક	વિટામિન	ફેક્ટીઝ
એન્જિનિયર	સર્ટિફિકેટ	કમ્પાઉન્ડ
એરોપ્લેન	સિન્ડિકેટ	મેજિસ્ટ્રેટ
કમિશન	સુપ્રિન્ટેન્ડેન્ટ	પ્રેઝન્ટ
કંપોઝિટર	સેનેટોરિયમ	ઓફિસ
કાઉન્સિલ	સેન્ટીમીટર	ટેલિફોન
કિલોગ્રામ	સ્પિરિટ	એટેચી
ટિકિટ	હિસ્ટીરિયા	સિગારેટ
ટેલિવિઝન	સ્પેશિયાલિસ્ટ	રિપોર્ટ
ટ્રાફિક	રિયેલિટી	ટ્રેનિંગ
ડિપોઝિટ	કોન્સિયસ	બ્રીફકેસ
ડિરેક્ટર	મિલિટરી	એસોસિએશન
થર્મોમીટર	હોસ્પિટલ	કમ્પાઉન્ડર
થિયરી	મ્યુનિસિપાલિટી	મેટ્રિક
થિયેટર	બિસ્કિટ	સ્કોલરશિપ
થિયોસોફી	પ્રેક્ટિસ	સબમરીન
પબ્લિક	ડિસ્પેન્સરી	સ્ટુડિયો
પોઝિટિવ	આસિસ્ટન્ટ	હાર્મોનિયમ
પોલિસી	રીફલેક્સ	ડિસ્ટ્રિક્ટ
પ્રિન્ટિંગ	રિસેપ્શનિસ્ટ	ઓપિનિયન
પ્રિન્સિપાલ	યુનિવર્સિટી	એડમિનિસ્ટ્રેટર
ફર્નિચર	કમિટી	એરકન્ડિશન્ડ
ફિલિંગ	મિનિટ	કિડની
ફિઝિક્સ	વર્નાક્યુલર	રિહર્સલ

ફોર્મ્યૂલા	સિમેન્ટ	ઇન્સ્ટિટ્યૂટ
મ્યુઝિયમ	પ્લીઝ	ડાયાબિટીસ
યુનિફોર્મ	વિક્ટોરિયા	ડિજિટલ
રિલીફ	ટ્રેજેડી	વિકિપીડિયા
રેફ્રિજરેટર	કૉસ્મિક	કૉસ્મોપોલિટન
ક્રિમિનલ	ક્રિટિસિઝમ	રિયાલિઝમ
કૉન્ક્રીટ	કૉન્ક્રેટેન્શિયલ	કૉન્ટેનેન્ટલ
કૉલિયમ	કૉપેસિટી	કૉમિસ્ટ્રી
કૉન્ટ્રીટ્યૂશન	એફિશિયન્સી	એડિટિંગ
એડિટોરિયલ	એપ્ટિટ્યૂટ	એનિમોમીટર
એક્ઝિબિશન	ઇન્ડિપેન્ડન્ટ	ઇન્ટીરિયર
ડૉન્સ્ટી	ડિસિપ્લિન	કૉન્ક્રેટેન્સ
એવરગ્રીન	એલ્યુમિનિયમ	કૉમિયમ

મહત્વની પરીક્ષાલક્ષી જોડણી – ૨

અમિલ	અનુભૂતિ	આયુર્વેદિક
અગ્નિપરીક્ષા	અપકીર્તિ	આસિસ્ટન્ટ
અચિંત્ય	અપેક્ષિત	આસક્તિ
અબુગતું	અભિવાદન	આર્થિક
અતિથિ	અભિવૃદ્ધિ	આશીર્વાદ
અદ્ભુત	અભિવ્યક્તિ	આવિષ્કરણ
અધિનિયમ	અશ્લીલ	આપવીતી
અધીક્ષક	અસંગતિ	આપતિ
અધ્યાપિકા	અસ્તિત્વ	આહ્લાદિત
અનાવૃષ્ટિ	અંધાધૂંધી	આહુતિ
અનિશ્ચિત	અવલંબિત	અભિરુચિ

अनुकूल	अविधिसर	अपराधिनी
अनुकूलन	आश्रुविका	अधिपति
अन्सानियत	गिरिमथक	नैसर्गिक
अन्स्पेक्टर	गृहिणी	न्यायमूर्ति
अन्टि टयूशन	गेरवर्तणूक	न्यायाधीश
उत्कीर्ण	ग्रंथयुअेट	परनीडियुं
उत्तरदायित्व	ध्राणेन्द्रिय	परिचित
उत्तीर्ण	यसमपोशी, यश्मपोशी	पर्युषण
उद्योगपति	यिताकर्षक	पालामेन्ट
उन्मूलन	यित्रमंजूषा	पूर्णाहुति
उपोद्घात	छीछरं	पृथक्करण
अणमुक्त	बिंदगी	पेन्सिल
अणानुबंध	अणोद्धार	पोलिसी
अैतिहासिक	बिंदादिली	प्रणाली
कमिटी	ज्योतिर्धर	प्रभातियुं
काउन्सिल	टिकिट	प्राकृतिक
कामबंधी	टेलिफोन	प्राथमिक
किलकिलाट	टेलिविजन	प्रास्ताविक
किंकर्तव्यमूढ	ट्रिप्युनल	प्रिस्क्रिप्शन
कुलाधिपति	डिपार्टमेन्ट	प्लेटफ़ोर्म
कुंडली	डिलिवरी	प्रोसिक्चूटर
कृतघ्न	डिसमिस	इर्नियर
कॅमिनेट	तपल्लुस	इंफ्रिशियन
कॅब्रियम	तदनुसार	अदनक्षी
कॉन्स्टेअल	तत्कालीन	इोभ्युला

कोभ्युनिस्ट	तपासनीस	भराभरियुं
क्लिनिक	नादानियत	भहिष्कार
क्लोरोफोर्म	नादिरशाही	भहुराष्ट्रीय
भातमुहूर्त	निमंत्रण	भाईन्डींग
भूजसूरत	नियुक्ति	भोर्डिंग
भ्रोडकास्ट	हिमोग्लोबिन	धंग्लिश
भ्लोटिंग	हूडियामण	उच्छेदियुं
भुलभुलामणी	होस्पिटल	उठमणुं
भूस्तरविधा	हिरटीरिया	उत्पादित
भहेङ्गल	हैयाङ्गुं	उदीपक
भिज्जानी	होदेदार	अंडवोकेट
भिनिस्टर	हरगिज	अंसोसियेशन
भूर्भता	हसभुभुं	औधोगिक
भेमोरियल	हेलिपेड	किङ्गायत
भोन्टेसोरी	हीरापारभु	कीर्तन
विश्वसनीय	अकिंयन	कोहिनूर
शिष्यवृत्ति	अगाएयाअंसी	गणथूथी
शैक्षणिक	अतिशयोक्ति	गंगाजलियुं
सद्भुद्धि	अपूर्णांक	परीक्षा
सरभुभत्यार	अभिनंदन	उद्ग्रीव
सर्टिफिकेट	अचिंतित	कृतधनी
सहीसलामत	अभिषेक	जिंदगी
संधराभोरी	अश्मीभूत	वीजणी
सात्विक	अस्वीकृति	कारकिर्दी
साम्राज्य	आदिवासी	भहुरपी

साहित्यिक	आध्यात्मिक	प्रतिबिम्ब
सूक्ष्मदर्शकयंत्र	आनुवंशिक	प्रीतम
सृष्टि	आभूषण	प्रोषितभर्तृका
सेनेटोरियम	आत्मश्लाघा	परिस्थिति
सोलिसिटर	आसिस्टंट	दिलगीरी
स्पष्टीकरण	आदीश्वर	निशानी
हस्तलिपित	आजुजु	प्रतिध्वनि
हार्मोनियम	आजुविका	तात्कालिक
उत्कर्ष	आइडेन्टिटी कार्ड	अंरकंडिशनर
निःस्पृह	आर्कियोलॉजिस्ट	ओडियन्स
प्रकृति	आर्टिकल	ओर्किशियल
अनियंत्रित	आविर्भूत	कॉमर्स
आविर्भाव	आंतरसूत्र	कॉन्सुमिडेशन
रेलवे	ईकॉनॉमिक्स	क्रिकेट
अंन्विनियर	ईन्वेकशन	कलासिकल
टेलिविज़न	ईन्टरव्यू	क्योलिडिफिकेशन
मार्केटयार्ड	ईलेक्ट्रिशियन	गायनेकॉलॉजिक
अगाधयोसितेर	उल्लिखित	गोडएण्ड
अधिक्षेत्र	उंचीकूट	चित्रपोथी
अनिवार्य	अकॉमोडेशन	ज्जान्तिडे
अपरिग्रह	अकसिडन्ट	ज्जर्नालिस्ट
अल्टिमेटम	अंडमिशन	ज्जिनियस
अस्तित्ववाद	अंनरोलमेट	ज्ज्योतिर्लिंग

-: કહેવતો :-

મહત્વની કહેવતો અને તેના અર્થો

- અક્કર્મીનો દડિયો કાણો
કમનસીબ વ્યક્તિને ન હોય ત્યાંથી મુસીબત આવે.
- અગ્નિને ઊધઈ ન લાગે
અગ્નિની જેમ જે શુદ્ધ હોય તેને ડાઘ લાગતો નથી.
- આપ ભલા તો જગ ભલા
આપણે સારા તો સામેની વ્યક્તિ પણ સારી રીતે વર્તે ।
- આગ લાગે ત્યારે કૂવો ખોદવાથી શું ?
મુશ્કેલી આવે ત્યારે તેનો ઉપાય શોધવા બેસવાથી અર્થ ન સરે.
- અણી ચૂક્યો સો વરસ જીવે
કટોકટીમાંથી પાર ઊતરી જવું તે જ ઉત્તમ છે.
- અધૂરો ઘડો છલકાય ઘણો
ઓછી આવડત હોય તે વધારે દેખાવ કરે.
- આંખનું આંજણ ગાલે ઘસ્યું
અજ્ઞાનવશ અયોગ્ય પ્રવૃત્તિ થઈ.
- ઉજ્જડ ગામમાં એરંડો પ્રધાન
બહુ સારી વસ્તુ ન મળે ત્યાં ઓછી ખરાબ પણ સારી ગણાય.
- ઉતાવળે આંખા ન પાકે :
ઉતાવળ કરવાથી કામ સારું થાય નહિં.
- ઊગતા સૂરજને સૌ નમે
સત્તાને સૌ આધીન બનવા જાય.
- આંખમાં અમી તેને દુનિયા સમી

જે સંબંધ સારો રાખે તે વ્યવહાર સારો જાળવી શકે.

- **દૂરથી ડુંગર રળિયામણાં**
દૂરથી બધુ સુંદર જ બતાવે નજીક જઈએ ત્યારે સારી હકિકત જણાય.
- **ડાંગે માર્યા પાણી જુદાં ના પાડે**
એક લોહીવાળામાં ઝટ કુસંપ ન કરાવી શકાય.
- **તરણા ઓથે ડુંગર**
માયારૂપી તરણાને લીધે સત્ય દેખાતું નથી.
- **તાંબાની તોલડી તેર વાનાં માગે :**
ઘરસંચારમાંડો ત્યારે ઘણી ચીજસામગ્રી જોઈએ.
- **દીવા પાછળ અંધારું**
જાણીતા માણસના મરણ પછી નમાલો માણસ આવવાને લીધે ફેલાતી અંધાધૂંધી.
- **દયા ડાકણને ખાય**
દયા કરવા જતાં આફત વહોરવી પડે.
- **દુકાળમાં અધિક માસ**
મુશ્કેલીમાં વધારો થવો.
- **નામ મોટાને દર્શન ખોટાં**
બહારથી પ્રતિષ્ઠિત પણ અંદરથી દોષોથી ભરેલું.
- **પગ જોઈને પછેડી તણાય**
આવક મુજબ ખર્ચ કરવો જોઈએ.
- **નેવાનાં પાણી મોભે ન ચઢે**
અશક્ય વસ્તુ શક્ય ન બને .
- **પાડાના વાકે પખાલીને ડામ**
એકના દોષે બીજાને સજા થાય.

- **પહેલું સુખ તે જાતે નર્યા**
તંદુરસ્તી એ પહેલું સુખ છે.
- **પાણી વલોવ્યે માખણ ન નીકળે**
વ્યર્થ મહેનત કરવી.
- **પાઘડીનો વળ છેડે**
કામના પરિણામથી જ કામ પરખાય.
- **પાકા ઘડે કાંઠા ન ચડે**
વખત વીત્યા બાદ પરિસ્થિતિમાં ફેરફાર ન થાય.
- **પારકે ભાણે મોટો લાડુ**
પોતાની વસ્તુ કરતાં બીજાની વસ્તુ સારી લાગે.
- **પારકી આશ સદા નિરાશ**
બીજા ઉપર આધાર રાખતાં સહન કરવું પડે.
- **પ્રથમ ગ્રાસે મક્ષિકા**
શરૂમાં વિઘ્ન નડવું.
- **પ્રાણ અને પ્રકૃતિ સાથે જાય**
સ્વભાવ બદલવો મુશ્કેલ.
- **ફરતે એકાદશીને વચમાં ગોકુળ આઠમ**
ભૂખમરાની દશા આવવી.
- **બકરું કાઢતાં ઊંટ પેસે**
નાનું વિઘ્ન કાઢતાં મોટું વિઘ્ન આવે.
- **બાર હાથનું ચીભડું તેર હાથનું બી**
અશક્ય વાત હોવી.
- **બાવાના બેય બગડ્યા**
બેય બાજુથી પસ્તાવું.

- **બોલે તેના બોર વેચાય**
કહ્યા વિના કોઈ ન જાણે.
- **બાંધી મુછી લાખની તે ઉઘાડી તે રાખની**
વાત ગુપ્ત રહે ત્યાં સુધી મહત્વની અને પ્રગટ થઈ ગયા પછી કશા કિંમતની નહિ.
- **ભાત મેલીએ પણ સાથ ન મેલીએ**
ખાવાનું છોડવું પડે તો છોડવું પણ મિત્રતા દુઃખ વેઠીને પણ નિભાવવી.
- **ભસતો કૂતરો ભાગ્યે જ ફરડે**
લાંબી વાતો કરનારથી કંઈ થતું નથી.
- **ભાંગ્યું ભાંગ્યું તોય ભરૂચ**
પોતાની પડતી અવસ્થામાં પણ પોતાની મૂળ આખર સાચવી રાખવી.
- **મા તે મા બીજા વગડાના વા**
મા સમાન બીજું કોઈ નથી.
- **માથા કરતાં પાઘડી મોટી**
ગજા બહારનું કામ કે જવાબદારી
- **મુખમાં રામ ઔર બગલમાં છૂરી**
દેખાવે સારું પણ દિલમાં કપટ હોય.
- **મોરના ઈંડા ચીતરવાં ન પડે**
સાચી વસ્તુને જાહેરાતની જરૂર નથી.
- **રજનું ગજને વાતનું વતેસર**
નાની વાતને મોટું સ્વરૂપ આપવું.
- **રાત થોડીને વેશ ઝાઝા**
સમય ઓછો હોય ને કામ વધુ હોય.
- **રોકડા કરતાં વ્યાજ વહાલું**

પૌત્રો પ્રત્યે અપાર પ્રેમ – વાત્સલ્ય રાખવું.

- **હથેળીનો ગોળ જ્યારે ખાવો હોય ત્યારે ખવાય**
પોતાની પાસે જે વસ્તુ હાજર હોય તે જ ઉપયોગમાં આવે.
- **સ્વાર્થ આગળ પરમાર્થ આંધળો**
પોતાનો જ્યાં સ્વાર્થ દેખાય ત્યાં પરમાર્થને સ્થાન રહેતું નથી.
- **હવેલી લેતા ગુજરાત ખોઈ**
વગર વિચાર્યું પગલું ભરવાથી પરિણામ સારું આવતું નથી.
- **હસે તેનું ઘર વસે**
આનંદમાં રહેવાથી જીવન સમૃદ્ધ બને છે.
- **હંસ ગયાને બગલા રહ્યાં**
અસલ વસ્તુ જતી રહીને નકલી વસ્તુ રહી.
- **હાડ હસેને લોહી તપે**
આનંદ અને ગુસ્સો બન્ને સાથે હોવાં.
- **હાથના ક્રિયા હૈયે વાગ્યાં**
પોતાની ભૂલનો પોતે ભોગ બન્યાં.
- **હોઠ સાજા તો ઉત્તર ઝાઝા**
વાણી શક્તિ હોય તો ગમે તેનો ઉપયોગ કરી શકાય.
- **હૈયું બાળવા કરતાં હાથ બાળવા સારા**
પસ્તાવો કરવાં કરતાં જાતે કરી લેવું સારું.
- **સોંઘું ભાડુંને સિદ્ધપુરની જાત્રા**
મર્યાદિત સાધનોથી સુંદર કામ કરવું.
- **સો દહાડા સાસુના એક દહાડો વહુનો**
ત્રાસ અને સીતમનો બદલો લેવાની તક એક વખત મળે છે.
- **સોટી વાગે ચમચમ વિદ્યા આવે ધમધમ**

સોટીથી ડરાવીએ તો વિદ્યા જલદી આવે.

- સૂરત સોનાની મૂરત
સૂરત શહેર સમૃદ્ધ શહેર છે.
- સેવા કરે તો મેવા મળે
જે બીજાનું ભલું કરે તેને અવશ્ય તેનું સફળ મળે છે.
- સૂરતનું જમણને કાશીનું મરણ
કાશીમાં નીપજેલ મરણ સ્વર્ગ આપે છે. તેમ સૂરતમાં જમણ સ્વર્ગ સમું સુખ આપે છે.
- સો મરજો પણ સોના પાલનહાર ન મરજો
ગરીબ અને દુઃખી માણસોની સેવા કરનાર લાંબું જીવજો.
- સોનાની થાળીને લોટાની મેખ
અનેક સદ્ગુણો એક અવગુણથી ઝાંખા પડે.
- સૂડી વચ્ચે સોપારી
ધર્મસંકટ આવવું.
- સાંકડા કપાળમાં સોળ ભમરા
ગરીબનું નસીબ ગરીબ.
- સાત સાંધે ત્યાં તેર તૂટે
ઉપજ કરતાં ખર્ચ વધી જવું.
- સંઘર્યો સાપ પણ કામમાં આવે
દુનિયામાં કોઈ ચીજ નકામી નથી.
- સહિયારી સાસુને ઉકરડે મોંકાણ
જે સહિયારું છે તેની દેખભાળ કોઈ રાખતું નથી.
- સઈની સાંજને મોચીનું વહાણું
ખોટા વાયદા કરવા.

- શેરને માથે સવા શેર
દુનિયામાં એકબીજાથી બળવાન મળી આવે છે.
- શેરડી ભેગો એરંડો પાણી પીએ
એકની સાથે બીજું પણ લાભ મેળવે.
- શિંગડે ઝાલે તો ખાંડોને પૂંછડે ઝાલે તો ખાંડો
દરેક રીતે વાંકું પાડ્યા કરે.
- સૂંઠને ગાંગડે ગાંધી ન થવાય
અધૂરી શક્તિ અને અપૂર્ણ સંપત્તિ હોવા છતાં પૂર્ણતાનો આડંબર કરીએ
પણ લોકોએ ન માને.
- વિનાશકાળે વિપરીત બુદ્ધિ
આપત્તિ આપવાની હોય ત્યારે અવળું અવળું જ સૂઝે છે.
- વાવે તે લણેને ખોદે તે પડે
જેવું કાર્ય હોય તેવું ફળ મળે.
- લોભિયા વસે ત્યાં ધુતારા ભૂખ્યા ન મરે
લોભ કરનાર છેતરાય છે.
- ખાળે ડૂયાને દરવાજા ઉઘાડા
પૂરતાં પ્રમાણમાં સાવચેતી ન હોય અને ખોટો સાવચેતીનો દેખાવ કરે.
- કુવામાં હોય તો હવાડામાં આવે
મૂળમાં હોય તો જ બહાર આવે.
- મન હોય તો માળવે જવાય
ઈચ્છા શક્તિથી કંઈ પણ પ્રાપ્ત કરી શકાય છે.
- બે હાથ વિના તાળી ન પડે
એકતામાં જ કાર્ય સફળ બને છે.
- મરણમાં રાજિયાને વિવાહમાં ધોળ

જેવો પ્રસંગ હોય તેવું વર્તન કરાય.

- **જાગતાની પાડીને સૂતેલાનો પાડો**
જાગતા માણસને બીજા કરતાં વધુ લાભ થાય છે.
- **ડાહી સાસરે ન જાયને ગાંડીને શિખામણ આપે**
પોતો કાર્ય ન કરે અને બીજાને કાર્ય સોંપે.
- **જર, જમીનને જોરું - ગ્રણે કજિયાનાં છોરું**
પૈસો, જમીન અને સ્ત્રી ઝઘડાનું કારણ બને છે.
- **છાણના દેવને કપાસિયાની આંખો**
જેવો માણસ તેવો વ્યવહાર તેની સાથે કરવો.
- **ઝાઝા હાથ રળિયામણાં**
એકતા હોય તો ગમે તેવું કાર્ય થઈ શકે.
- **ઝાઝી કીડીઓ સાપને તાણે**
એકતા હોય તો ગમે તેવું અશક્ય કામમાં સફળતા મળે.
- **ઘેર ઘેર માટીના ચૂલા**
દરેક ઘરની પરિસ્થિતિ સરખી હોવી.
- **મોસાળે જમણને મા પીરસનારી**
સર્વ પ્રકારની અનુકૂળતા મળવી.
- **ઘી ઢોળાય તો ખીચડીમાં**
લાભ થાય તોય પોતાના જ થાય.
- **વાવે કલજીને લણે લવજી**
મહેનત પહેલો કરે અને ફળ બીજો મેળવે.
- **ઈશ્વરની લાકડીને અવાજ નથી**
ઈશ્વર શિક્ષા કરે છે. ત્યારે ખ્યાલ આવતો નથી.
- **આડે લાકડે આડો વહેર**

ખરાબ માણસ સાથે ખરાબ થવું તે.

- **જમવામાં જગલોને ફૂટવામાં ભગલો**
મહેનત બીજું કરે અને ફળ પણ બીજા કોઈ મેળવે.
- **દૂધનાં દાઝયા છાશ ફૂંકી ફૂંકીને પીએ**
કોઈ કાર્યમાં મળેલ નિષ્ફળતાથી ગમે તેવી નાની બાબતમાં પણ જોઈ તપાસીને આગળ વધવું.
- **આંગળા ચાટે પેટ ન ભરાય**
ખોટી વાતો કરવાથી કંઈ પ્રાપ્ત થવું નથી.
- **એકલ દોકલના અલ્લા બેલી**
જેને કોઈ સથવારો નથી તેને ઈશ્વર સહાય કરે છે.
- **એકે હજારા ને સોએ બિચારાં**
એક મરદ હોય તો તે હજાર વ્યક્તિને પણ પહોચે છે.
- **એક જાળામાં સો સાપ દેખ્યા**
બડાઈ હાંકતી મોટી ગપ જેવી વાત કરી.
- **એક ઘિનગારી વન બાળે**
એક નજીવી બાબત સર્વનાશ નોતરે છે.
- **એહું ખાય તે ચોપડ્યાને ભરોસે**
કાંઈ મળશે તેની લાલચમાં થતી પ્રવૃત્તિ.
- **એક મ્યાનમાં બે તલવાર ન સમાય**
બન્ને સમર્થ વ્યક્તિ એક જ સ્થાને ન રહી શકે.
- **આવ્યો આસો ને મેઘ નાસો**
સમય ગતિશીલ છે.
- **આંધળા ખરચનું અંતકાળે સરવૈયું**
બહુ જ ઉડાઉ માણસ છેવટે દેવાળું કાઢે.

- આંધળાની ગત આંધળા જાણે
જાતઅનુભવન અનુસાર જ્ઞાન હોય.
- આપ સમાન બળ નહિ તે મેઘ સમના જળ નહિ
જાત મહેનત સર્વશ્રેષ્ઠ છે.
- આડે લાકડે આડે વેહ
દુષ્ટ સાથે દુષ્ટતા જ શોભે.
- આટો વેચી ગાજર ખાધાં
મોંઘી ચીજવસ્તુના બદલામાં સોંઘી વસ્તુ મેળવી.
- આગે આગે ગોરખ જાગે
આગળ જતાં ઉપાય મળી રહેશે.
- અરધમાં રામને અરધમાં ગામ
અસમાન વહેંચણી.
- અન્ન આહારે ને ઘી વહેવારે લેવાય
દરેક વસ્તુ પ્રમાણસર શોભે.
- અન્ન તેવું મન અને પાણી તેવી વાણી હોય
જેવાં ખાનપાન એવાં જ બુદ્ધિવર્તન થાય.
- અફીણનો જીવડો સાકરમાં ના જીવે
ખરાબ વાતાવરણમાં ટેવાયેલો માણસ સારા વાતાવરણમાં ન રહી શકે.
- શ્રમ વગરનું પ્રારબ્ધ લૂલું
પુરુષાર્થ આગળ પ્રારબ્ધ પાંગળું છે.
- શેરડીનો સાંઠો પૂંછડા લગી ગળ્યો ન હોય
માણસ સર્વગુણ સંપન્ન નથી.
- શેરડી ભેગો એરંડો પાણી પીએ
એકની સાથે બીજું પણ લાભ પામે.

- શેઠ આવ્યા તો કહે નાખો વખારે
ઘટિત સત્કારનો અભાવ.
- શીરા માટે શ્રાવક ન થવાય
નજીવા લાભ માટે ધર્મભ્રષ્ટ ન થવાય.
- વિદ્યાહીન નર તે પશુ
ભણેલો હોય તે જ માણસ ગણાય.
- વેળા વેળાની છાંચડી
મનુષ્ય કરતાં સમય વધુ બળવાન છે.
- શઠમ્ પ્રતિ શાઠ્યમ્
દુષ્ટ સામે દુષ્ટતા.
- વાંસના કજિયા વન બાળે
નાની વસ્તુને કારણભૂત બનાવી મોટું રૂપ આપવું.
- વરને કોણ વખાણે તો કહે વરની મા
પોતાનું એટલું સારું એમ સૌ કહેવું હોય છે.
- વખતની વાત વખતે છાજે
જે કાળે જે કરવું જોઈએ તે કાળે તે કરવું.
- લેવા ગયો બકરીને ખોળ આવ્યો ઊંટ
થોડું સુખ લેવા જતાં મોટી પીડા આવી.
- લોકની લાજે કે પેટની દાઝે
લાચાર પરિસ્થિતિ.
- લોભે લક્ષણ જાય
લોભથી નુક્સાન પહોંચે.
- વગ કરે પગ
લાગવગથી પ્રવેશ પામી શકાય છે.

- લીલા વનનાં સૂડા ઘણાં
લાભ દેખાય ત્યાં ઘણા આવે.
- લુચ્ચાની પાંચશેરી ભારે
કપટ કરનાર માણસ ઘણીવાર જીતી જાય.
- લાંબા જોડે ટૂંકો જાય મરે નહિ તો માંદો થાય
કોઈનો વાદ કરવો નહિ, પોતાની શક્તિ પ્રમાણે વર્તવું.
- લખતો ભૂલે ને તરતો ડૂબે
જે કામમાં પડે તેની જ ભૂલ થાય.
- રાંટી ઘોડીએ પલાણ માંડી
હલકી વસ્તુથી કામ લીધું.
- રામ રાખે તેને કોણ ચાખે ?
પ્રભુ રક્ષે તેને કોઈ નુકસાન ન કરી શકે.
- મણ ભાતને સવામણ કૂસકી
વસ્તુ શુદ્ધ ન હોવી.
- મઠ વાવીને બાજરો લણવો
પરિશ્રમ કરવાથી જીવન જીવવા રોટલો કમાઈ શકાય.
- મખમલની મોજડી માથે ન પહેરાય
જે વસ્તુ જ્યાં શોભતી હોય ત્યાં જ શોભે.
- ભેંશ કૂદે તે ખીલાને જોરે
પીઠબળ વિના ઉત્સાહ ન હોય.
- ભાડાની વહેલને ઉલાળી મેલ
કામમાં બિનપરવાઈ હોવી.
- ભલાનો ભાઈને ભૂંડાનો જમાઈ
વ્યક્તિ જેવી હોય એ રીતે એની સાથે વર્તવું.

- ભરમ ભારીને ખિસ્સાં ખાલી
વગર પૈસે ડોળ કરવો.
- ભણતાં પંડિત નીપજે, લખતાં લહિયો થાય
મહાવરાથી બધુ સાધ્ય થાય, મહાવરાથી જ મનુષ્ય પૂર્ણ થાય છે.
- ભૂખે મરતું ચોરી શીખે
ભૂખ્યો માણસ ગમે તે અનિષ્ટ કરે છે.
- હંસની ચાલ ચાલવા જતાં કાગડો પોતની ચાલ ભૂલ્યો
કોઈની નકલ ન કરવી.
- હસવુંને લોટ ફાકવો સાથે બને નહિં
એકસાથે બે કામ ન કરી શકાય.
- હશે તેનું જશે
જેની પાસે કંઈક હશે તેનો વ્યય થશે.
- સો મણ તેલે અંધારું
સાધન હોવા છતાં કામ સફળ ના થાય.
- સો વાર બકોને એક વાર લખો
લખ્યું બોલે.
- સોય પછવાડે દોરો
સોયને દોરો અનુસરે છે.
- સોમાં નવાણુંની ભૂલ
હિસાબમાં ગોટાળો.
- સૌ ગયાં સગેવગે, વહુ રહ્યા ઊભે પગે
વહુને આનંદથી વંચિત રહેવું થયું.
- સૌ સૌના ઘરના શેઠ
માણસ પોતાના ક્ષેત્રમાં હકૂમત ચલાવી શકે.

- **સૂતેલા સિંહને જગાડવો નહિ**
કારણ વગર જોખમ ન લેવું.
- **સૂરજ કાંઈ છાબડે ઢાંક્યો રહે નહિ**
શક્તિશાળી, પ્રતિભાશાળી વ્યક્તિ છૂપી રહી શકતી નથી.
- **સાંભળ્યાંનો સંતાપ અને દીઠાનું ઝેર**
સાંભળવાથી દુઃખ થાય અને જોવાથી પણ દુઃખ થાય છે.
- **સાહેબ મહેરબાન તો ગધ્ધા પહેલવાન**
ઈશ્વરની કૃપા હોય તો મૂર્ખ પણ ઉત્તમતા પામી શકે છે.
- **સાપના મોંમાંથી અમૃત ન નીકળે**
દુષ્ટ લોકો પાસેથી સારાની આશા ન રહે.
- **સાપ કાંચળી બદલે પણ વળ ન મૂકે**
પ્રાણ અને પ્રકૃતિ બદલાતી નથી.
- **સારામાં સહુનો ભાગ**
સુખમાં સૌ ભાગ પડાવે.
- **સિંહ પાંજરે પડ્યો ગરીબ**
ગુલામી દુઃખકર છે.
- **સુપાત્રે દાન કુપાત્રે ધાન**
દાન પાત્ર જોઈને અપાય.
- **સુથારનું મન બાવળિયે**
સ્વાર્થભરી નજર હોવી.
- **સહુ પોતપોતાના ગીત ગાય**
સૌને પોતાની જ વાતો કરવી ગમે.
- **સમંદર તરીને ખાબોચિયામાં ડૂબ્યા**
મોટા સાહસમાં સફળ થયા અને નજીવા કામમાં નિષ્ફળ રહેવું.

- સમો વરતે સાવધાન
વખત જોઈ વર્તન કરવું.
- સમ ખાય તે સદા જૂઠો
વાત વાતમાં સોગન ખાય તેનો વિશ્વાસ કરવો નહીં.
- સમજુ વેરી સારો પણ મૂરખ ભાઈબંધ ખોટો
મૂરખ મિત્ર કરતાં શાણો શત્રુ સારો.
- સહિયારી સાસુને ઉકરડે મોંકાણ
જે સહિયારું છે તેની દેખસંભાળ કોઈ રાખતું નથી.
- સાજા ખાય અન્નને માંદા ખાય ધન
બીમાર માણસ પાછળ ધન વધારે વપરાય.
- સાગરનું નીર ગાગરમાં ન સમાય
અતિશયપણું અને અગાધતા સાથે ન જોવા મળે.
- સાજે લૂગડે થીંગડું ન હોય
કારણ વગર કોઈ કાર્ય ન થાય.
- સસરાની શૂળી સારી પણ પિયરની વાલખી ભૂંડી
સ્ત્રીનું સ્થાન તેના સાસરે જ શોભે.
- સર્વ સાથ જે જગન્નાથ
જનતાનો સહકાર જગન્નાથ સમાન બળવાન છે.
- સવા મણ તેલે અંધારું
સાધનો હોવા છતાં ગેરવ્યવસ્થા હોવી.
- વાટકીનું શિરામણ
ટૂંકું સાધન, ઓછી વ્યવસ્થા હોવી.
- વાસી વધે નહિં ને કુતા પામે નહિ
પ્રમાણસરનું હોવું.

- **ફુડના દાંડિયા કપાળમાં વાગે**
કપટનું પરિણામ શુભ અને સુખદાયક ન મળે.
- **કોઈની જીભ ફરે ને કોઈના પગ ફરે**
કોઈ હુકમ કરે ને બીજો ધક્કો ખાય.
- **કોઈ ધને મોટું કોઈ મને મોટું**
કોઈ ધનવાન હોય તો કોઈ ઉદાર હોય.
- **કોઈ ધોયે કાદવ નીકળે**
કુપાત્ર માટે કરેલા સારા પ્રયત્નો સારું પરિણામ આપતા નથી.
- **કોરા ભાણે આરતી ન થાય**
ભૂખ્યા પેટે ભગવાનને ન ભજાય.
- **કેડે છોકરું ને ગામમાં ઢંઢેરો**
પાસે જ હોવા છતાં બધે જ શોધી વળવું.
- **કેળ ફળે એક જ વાર ને આંબા ફળે વારંવાર**
કુળવાન અને સદાચારી એક જ હોય તો પણ ઉપયોગી.
- **કૂકડીનું મોં ઢેફલે રાજી**
નાના માણસોને થોડાથી સંતોષ થાય.
- **કીડી ઉપર કટક**
નિર્બળ ઉપર બળવાનની ચડાઈ.
- **કોયલડીને કાગ વાને વરતાયે નહિ**
દેખાવ જોઈને ગુણ પારખવામાં ભૂલ ન કરવી.
- **કુમળો છોડ વાળીએ તેમ વળે**
નાનપણમાં જેટલી સારી ટેવો પાડવી હોય તેટલી પાડી શકાય.
- **કાયા કાયો કુંભ**
જીવન ક્ષણભંગુર છે.

- कागडो चाले मोरनी चाल
देभादेभी करवानो अर्थ नहिं.
- कागडानी कोटे रतन अंधायुं
कजोडुं थयुं.
- काम कर्या तेणे कामण कर्या
परिश्रम झणदायी छे.
- काष्णी हांल्ली अेक ज वार चूले चडे
अेवुं काम के अेक ज वार थर्ष शके.
- कांटा विना गुलाण ना होय
सुभ साथे दुःख होय ज.

www.HindiHelpGuru.com

www.HindiHelpguru.com

-: રૂઢિપ્રયોગો :-

મહત્વના રૂઢિપ્રયોગો અને તેના અર્થ

- ધોંસરી ઉપાડવી : જવાબદારી લેવી.
- સાડીબાર ન રાખવી : ઓશિયાળા ન રહેવું.
- જીવ હેઠો બેસવો : જીવ મોટો હોવો.
- જિંદગી મોળી જવી : જીવન નીરસ થઈ જવું.
- પેટ ભરીને ફરવું : નિશ્ચિંત થઈને ફરવું.
- જીવન સંકેલી લેવું : મૃત્યુ પામવું.
- રસના ઘૂંટ પીવા : ખૂબ આનંદ માણવો.
- મોઢું ફેરવી લેવું : અણગમો બતાવવો.
- સડક થઈ જવું : ઓચિંતા આઘાતથી મૂઠ થઈ જવું.
- ગોઠણ છૂટા થઈ જવા : હરતું – ફરતું થઈ જવું.
- બે પાંદડે થવું : આર્થિક સ્થિતિ સારી થવી.
- હાકાવાકા થઈ જવું : બેબાકળા થઈ જવું.
- રાજીના રેડ થવું : અતિશય આનંદમાં આવી જવું.
- મોં ફાટી જવું : નવાઈ પામવું.
- ઘા એ ઘા જવું : ઝડપથી જવું
- લોહી જંપવું : મનને રાહત થવી.
- ઊંકરાટા ઊપડવા : નવી નવી ઈચ્છાઓ થવી
- તલપાપડ થવું : અધીરા થઈ જવું
- લાગણીનાં પૂર ઊમટવાં : પુષ્કળ લાગણી થવી.

- ચસકો લાગવો : ટેવને અધીન થવું.
- ચાનક ચડવી : ઉત્સાહમાં આવી જવું.
- ફજેતી થવી : બદનામી થવી.
- આત્મા ડંખવો : મનમાં ખૂબ દુઃખ થવું.
- કાન માંડવા : ધ્યાનથી સાંભળવું.
- ભીંત ભૂલવી : ભારે મોટી ભૂલ થવી.
- ટોણો મારવો : મર્મવચન કહેવું.
- રંજ હોવો : અફસોસ હોવો.
- હળવા ફૂલ થઈ જવું : ચિંતામુક્ત થઈ જવું.
- ઝેર પ્રસરાવવું : કબિયાને કારણે આપવું.
- ટીંબો બની જવો : ગામ ઉજ્જડ થઈ જવું.
- હાથ પડવું : પ્રાપ્ત થવું.
- સમદરપેટ રાખવું : ઉદારતા દાખવવી.
- છાતી ભાંગી જવી : હિંમત હારી જવી.
- મીઠાનાં હળ હાંકવાં : ખેદાનમેદાન કરી નાખવું.
- હૈયું પીગળવું : કરુણા કે દયા અનુભવવી.
- સોડ તાણીને સૂઈ જવું : મૃત્યુ પામવું.
- પગ ઝાલવા : માફી માગવી.
- મહોર લાગી જવી : પ્રમાણિત કરવું.
- અડવું લાગવું : સારું ન લાગવું.
- આરો ન હોવો : કોઈ ઉપાય ન હોવો.
- ફાળ પડવી : ઘાસકો પડવો.
- મચક ન આપવી : તાબે ન થવું.

- હાથ મસ્તક પર હોવા : કૃપા કે મહેરબાની હોવી.
- નવનીત તારવવું : સારાંશ કાઢવો.
- ઓથ હોવી : સધિયારો હોવો.
- કળ વળવી : નિરાંત કે રાહત થવી.
- હેલારે ચટવું. : અતિ ઉત્સાહમાં આવવું.
- ઓસાણ ન રહેવું : યાદ ન રહેવું.
- ઓગાળી નાખવું : દૂર કરી નાખવું.
- ઓછું આવવું : ખોટું લાગવું.
- ચહેરો કરમાઈ જવો : ચહેરો ફિક્કો પડી જવો.
- પાર ન હોવો : સીમા ન હોવી.
- દેહ મુક્ત થવું. : મૃત્યુ પામવું.
- ભરડો લેવો : ચારે બાજુથી ભીંસમાં લેવું
- લલાટે લખાવું : નસીબમાં લખાવું.
- ભોંઠા પડવું : ઝંખવાણા પડી જવું.
- હૈયું બેસી જવું : આઘાતની લાગણી અનુભવવી.
- ધૂળમાં મળવું : કરેલા પ્રયત્નો નિષ્ફળ જવા
- દિલમાં અવાજ ઊઠવો : અંતરમાં પ્રેરણા થવી.
- એકસાથે બે ઘોડે ચડવું : એકસાથે બે કામ કરવાં.
- પરસેવો પાડવો : ખૂબ મહેનત કરવી.
- શરસંધાન કરવું : લક્ષ્ય સાધવું.
- કાન મરડી નાખવો : ભૂલની પ્રતીતિ કરાવવી.
- રવડી પડવું : રખડી પડવું
- જીવ ઊકળી ઊઠવો : ગુસ્સો ચડવો.

- પીઠ ફેરવવી : અનિચ્છા બતાવવી.
- જળ મૂકવું : પ્રતિજ્ઞા લેવી.
- હૈયું ચિરાઈ જવું : ખૂબ દુઃખ થવું.
- અમી ચુસાઈ જવું : રસક્ષ્મ સુકાઈ જવા.
- હૈયામાં મોં છુપાવવું : શરમિંદા બનવું.
- જીવ અકળાઈ જવો : અત્યંત વ્યગ્ર થઈ જવું.
- હડીઓ કાઢવી : દોડાદોડ કરવી.
- ઉંધામા કરવા : ખૂબ ધમપછાડા કરવા.
- નજર ઝરડાઈ જેવી : હૃદયમાં વેદના થવી.
- તરણોપાય કરવો : બચવાની તરફીળ કરવી.
- સાંસા હોવા : મેળવવું મુશ્કેલ હોવું.
- પગલાં સંભાળાવાં : ભણકારા થવાં.
- તરબતર થવું : ખૂબ ભીંજાઈ જવું.
- ગળાબૂડ હોવું : પૂરેપૂરા ખૂંપી ગયેલા હોવું.
- મૂલ્ય જળવાવું : યોગ્ય કિંમત આંકવી.
- વિપત્તિને ખાવી : વિપત્તિને દૂર કરવી.
- કંતાઈ જવું : દૂર્બળ થઈ જવું.
- છોડાં પાડવાં : માનભંગ કરવું.
- જગન કરવો : ભારે મોટું કામ કરી નાખવું.
- ધરાબોળ જવું : પ્રલય થવો.
- નક્ષ પકડવી : મૂળ કારણ શોધી કાઢવું.
- ક્ષર કાઢવી : ભૂલ કે ખોટ ભરપાઈ કરી લેવી.
- પાણી ચઢાવવું : ઉત્તેજન આપવું.

- ફાયર મારવી : વચમાં અડચણ નાખવી.
 - પેટમાં તેલ રેડાવું : ધાસકો પડવો.
 - ફનાફાતિયાં થવું : પાયમાલ થવું.
 - બરડો થાબડવો : હિંમત આપવી.
 - બત્રીસીએ ચટવું : ચર્ચા થવી.
 - બટ્ટો લાગવો : કલંકિત થવું.
 - બે ધારની તલવારે રમવું : બંને પક્ષ તરફ ટળવું.
 - બાવન વીર હોવું : મહાબળિયો હોવો.
 - બારે મેહ વરસવા : પુષ્કળ કમાણી થવી.
 - ભેજામાં વહેર ભરાવો : મગરૂરી થવી.
 - ભવાં ચડાવવા : ગુસ્સે થવું.
 - ભાવટ ભાગવી : ઉપાધિ – પીડા દૂર થવી.
 - શીશ કુરબાન કરવું : જીવન સમર્પિત કરવું.
 - અંકે કરવું : સંપૂર્ણ કરવું.
 - આકડા વાવવા : લડાઈને આમંત્રણ આપવું.
 - ઓડનું ચોડ કરવું : કાંઈનું કાંઈ કરવું.
 - ખારી દાટ થવી : નફો મેળવવો.
 - ખોડો નીકળવો : ભારે સંહાર થવો.
 - ગણેશ માંડવા : શરૂઆત કરવી.
 - ગઘેડે ચડવું : બેઆબરૂ થવું.
 - રસાતલ જવું : તદ્દન ભાંગી પડવું.
 - લાંછન લાગવું : આબરૂ જવી.
 - વખારે નાખવું : બહુ દરકાર ન રાખવી.
-

- લોચા વાળવા : ગરબડા – ગોટાળો કરવો.
- વટાણા માપવા : નાસી જવું.
- હજાર ઇંટીનો લોટ ખાવો : ઘણો અનુભવ લેવો.
- હથિયાર હેઠાં મૂકવાં : હાર કબૂલ કરવી.
- બિરદ બાંધવું : પ્રતિજ્ઞા કરવી.
- ભભૂતી ચોળાવવી : ધનમાલ વિનાનું કરવું.
- કંધોતર ઊઠી જવા : દીકરા ગુજરી જવા.
- ઈડરિયો ગઢ જીતવો : મોટી સિદ્ધિ મળવી.
- ઊતરતી વેળા આવવી : પડતીનો વખત આવવો.
- આંધળો બહેરું કુટાવું : ગેરસમજ થવી.
- ઉચાળા ભરવા : સામાનની ફેરબદલી કરવી.
- આચમન મૂકવું : પાણી મૂકવું.
- પોતાને તૂંબડે તરવું : આપબળથી જીવવું.
- ફૂ થઈ જવું : નાશ પામવો.
- ચોખામગ ભળી જવા : કામ પૂરું થઈ રહેવું.
- ફીફાં ખાંડવાં : મિથ્યા પ્રયત્ન કરવો.
- પત રાખવી : આબરૂ બચાવવી.
- પાટિયાં દેવાવાં : છાતી બેસી જવી.
- ધોતિયાં છૂટી જવાં : ગભરાઈ જવું.
- જહાંગીરી ચલાવવી : જોહુકમી ચલાવવી.
- જામગરી ચાંપવી : ઉશ્કેરણી કરવી.
- જંપ વળવો : શાંતિ વળવી.
- ચટકો ભરવો : લાગણી થાય તેમ કહેવું.

- કાખલી કૂટવી : આનંદમાં આવી જવું.
- કાન આમળવા : શિક્ષા કરવી.
- ઓશલો કૂટવો : છાતી કૂટવી.
- કડકા બાલૂસ હોવું : ખૂબ અકિંચન હોવું
- આકાશ તૂટી પડવું : ઓચિંતી આપત્તિ આવવી.
- અંધારે ડાંગ મારવી : હેતુ વગર કામ કરવું.
- ખાતરે પાણી પાવું : સરસાઈ કરવી.
- કેડ ભાંગી જવી : નબળા થઈ જવું.
- છીંડા શોધવાં : દોષ જોવા.
- આંખે પાટા છોડવા : બુદ્ધિપૂર્વક વિચાર કરવો.
- આંતરડી કકળવી : હૃદયમાં ભારે વેદના થવી.
- અક્કલના કાંકરા થવા : બુદ્ધિનો નાશ થવો.
- અડદાળો કાઢવો : મરણતોલ માર મારવો.
- ચોખામગ ચઢી રહેવા : સ્થિતિ બગડવી.
- ચોવટ કરવી : પારકી પંચાત કરવી.
- અછો અછો વાનાં કરવાં : ખૂબ રાજી રાખવું.
- છકી જવું : બહેકી જવું.
- છાશમાં પાણી ઉમેરવું : વધારીને કહેવું.
- ફૂલીને ફાળકો થવું : આનંદમાં ઝૂમવું.
- બકરી બેં થઈ જવું : સાવ નરમ થઈ જવું.
- લાંઘણ કરવી : તદ્દન કોરો ઉપવાસ કરવો.
- રેવડી ઉડાવવી : હાંસીપાત્ર બનાવવું.
- મૂછ મરડવી : અભિમાન કરવું.

- મોખરો સાચવવો : બહાદુરીથી સામનો કરવો.
 - પાસા પલટવા : બાજુ બગડવી.
 - છેડો ફાટવો : અલગ થઈ જવું.
 - જમીનમાં પેસવું : શરમિંદા પડી જવું.
 - પેટ ઉપર છરી મૂકવી : જીવ જોખમમાં નાખવો.
 - આટો કાઢવો : નુકસાનીમાં ઉતારવું.
 - આણ વર્તાવવી : સત્તા ચલાવવી.
 - આંખ ઊઘડવી : ભાન આવવું.
 - ખો ભૂલી જવી : પાઠ મળવો.
 - ઘડ બેસવી : સમજ પડવી.
 - ગાબચી મારવી : બહાનું કાઢી જતા રહેવું.
 - જમણો હાથ હોવું : મુખ્ય મદદગાર હોવું.
 - જાત બોળવી : ભ્રષ્ટ્રાચાર કરવો.
 - ખપ્પરમાં હોમાવું : ભોગ થઈ પડવું.
 - કાગારોળ કરવી : નકામો કજિયો કરવો.
 - આંખ ટાઢી થવી : સંતોષ થવો.
 - ધડો લેવો : શિખામણ કે દાખલો લેવો.
 - ધરમધક્કો પડવો : ફોગટ ફેરો થવો
 - ધાડ મારવી : પરાક્રમ કરવું.
 - દાંત ખાટા કરવા : નાસીપાસ કરવું.
 - દાળમાં કાળું હોવું : છૂપું કે ગુનો બહાર આવવો.
 - દાવો સોગઠી મારવી : આવ્યો પ્રસંગ ચૂકવો.
 - તડકો-છાંચડો વેઠવો : સુખ દુઃખ અનુભવવું.
-

- તડાતડી બોલવી : સામસામે લડવું.
- તાગડધિજ્ઞા કરવા : પારકે પૈસે આનંદ કરવો.
- ડફણાં મારવાં : ફટકા મારવા.
- ઠોકર વાગવી : નુકસાન સહન કરવું.
- ડંફાશ મારવી : ડોળ કરવો.
- ટોપી ફેરવવી : દેવાળું કાઢવું.
- ઝાડ થવું : ક્રોધથી ઊભા થઈ જવું.
- જીવ સટોસટનું હોવું : જોખમ ભરેલું હોવું.
- જીવ પડીકે બંધાવો : ગભરાઈ જવું.
- છબરડો વાળવો : ગોટાળો કરવો.
- ચૌદમું રતન બતાવવું : મારની બીક બતાવવી.
- ચીનના શાહુકાર થવું : લુચ્ચા કે કપટી થવું.
- ચૂનો લગાડવો : છેતરવું.
- ચીલે ચીલે ચાલવું : પડેલા રિવાજ મુજબ ચાલવું.
- ચંદરવો બાંધવો : જૂઠું નામ કે કીર્તિ મેળવવી.
- ઘીને ઘડે ઘી થવું : સારાં વાનાં થવાં.
- કાયા નિચોવી નાખવી : શરીરે કષ્ટ વેઠવું.
- કીડીઓ ચઢવી : કંટાળો આવવો.
- કાળા પાણીએ જવું : દેશનિકાલ થવું.
- કાળજે કોરાઈ રહેવું : યાદ રહેવું.
- કાળા તલ ચોરવા : ખરાબ કાર્ય કરવું.
- કસર રહેવી : બેદરકાર રહેવું.
- ઓછું ઓછું થવું : ખુશામત કરવી.

- ઊઠાં ભણાવવાં : ખોટી વાત સમજાવવી.
- આડો આંક વાળવો : તોળા કરવી.
- પોખારા ગણવા : નાસી જવું.
- ફાળ પડવી : એકાએક ચોંકવું.
- પેરવી કરવી : ગોઠવણ કરવી.
- પીપળો ફાટવો : દરોડો પડવો.
- પાંદડું ફરવું : નસીબ ઊઘડવું.
- ભાંગરો વાટવો : છૂપી વાત ખુલ્લી કરવી.
- ભેજું ફાટી જવું : ઘેલા બનવું.
- ભીંડો મારવો : ખોટું બોલવું
- માડાગાંઠ વળવી : એક જ સ્થિતિમાં રહેવું.
- મગજમાં રાઈ હોવી : મિજાજ કે અભિમાન હોવાં.
- મન પીગળવું : દિલમાં દયા આવવી.
- મમરો મૂકવો : કલહ થાય તેમ કરવું.
- મનમાં ઘોળાવું : મનમાં ગૂંચવાયા કરવું.
- માથું મારવું : દરમિયાનગીરી કરવી.
- માથે છીણી મૂકવી : નુકસાન કરવું.
- વીલું મોં થવું : દુઃખથી મોં ઊતરી જવું.
- અલવિદા કરવી : છેલ્લી સલામ કરવી જવું.
- ગળથૂથીમાં મળવું : બાળપણથી મળવું.
- મથરાવટી મેલી હોવી : આબરૂ ખરાબ હોવી.
- અપીલ કરવી : અસર કરવી.
- દાઢીમાં હાથ નાખવો : કાલાવાલા કરવા.

- थूंकेंतुं गणवुं : आपेल वचनमांथी इरी जवुं.
- घास कापवुं : इोगट महेनत करवी.
- काहुं पकडवुं : अकड थवुं.
- लजगोविन्दा करवुं : प्रभुलजन करवुं.
- तडाको पडवो : अेकाअेक लाभ थवो.
- झाडी नाभवुं : ढपको आपवो.
- नभोड जवुं : विनाश थवो.
- कारभारुं डहोणवुं : जोटो डोण करवो.
- लय पामी जवुं : नाश पामी जवुं.
- मंडी पडवुं : काम कर्ये जवुं.
- पार पाडवुं : सइणता मेणववी.
- हेंये जेसी जवुं : आघातनी लागणी अनुभववी.
- अलरे लरावुं : समृद्ध थवुं.
- धरव न थवो : संतोष न थवो.
- आनाकानी करवी : हा ना करवी.
- अतिक्रमण करवुं : हद के सीमानी जहार जवुं.
- तितरजितर करी नाभवुं : आभतेम करी नाभवुं.
- अक्षरो घाटा करवा : वधारे याद आववुं.
- वट होवो : दमाम होवो.
- राभ वणी जवी : भुलाई जवुं.
- नवी भात पाडवी : नवो रिवाज शरु करवो.
- टकरु झीलवी : सामनो करवो.
- काया पटकाई पडवी : भीमार पडवुं.

- તંત ન મૂકવો : જુદ કે હઠ ન મૂકવી.
- કંઠે ડૂમો બાઝવો : ગળગળા થઈ જવું.
- હાંઉ કરવું : શાંત કરવું.
- બલિહારી હોવી : વિશેષતા કે ખૂબી હોવી.
- દિશાશૂન્ય થઈ જવું : કોઈ માર્ગ ન સૂઝવો.
- દાદ આપવી : ન્યાય આપવો.
- અવસ્થાને આરે પહોંચવું : વૃદ્ધ થવું.
- તલપાપડ થઈ રહેવું : અત્યંત આતુર થઈ જવું.
- ડાગળી ચસકી જવી : પાગલ થઈ જવું.
- અંગ કળવું : શરીરમાં કળતર થવી.
- ટાઢો શેરડો પડવો : ઘાસકો લાગવો.
- તરબોળ કરવું : તલ્લીન કરવું.
- સંતલસ કરવી : ખાનગી ચર્ચાવિચારણા કરવી.
- આસાએશ રહેવી : રાહત થવી.
- ઠુંઠવો મૂકવો : મોટેથી રડી પડવું.
- વા સાથે વઢવું : ગમે તેની જોડે લડી પડવું.
- ઈકોતેર પેઢી તારવી : નામ રોશન કરવું.
- હાક ગાજવી : પ્રભાવ જણાવવો.
- પાધર થવું : ઉજ્જળ થઈ જવું.
- કૃતાર્થ થવું : ધન્ય થવું.
- નખોદ વળી જવું : સદંતર નાશ થવો.
- કાન મરડી નાખવો : ભૂલની પ્રતીતિ કરાવવી.
- છળી મરવું : આઘાત અનુભવવો.

- पडतुं मूकवुं : छोडी देवुं.
- हाथपग ढीला थवां : नाहिंमत थर्ष जवुं.
- माथुं भावुं : हेरान करवुं.
- आंभमां धूण नाभवी : छेतरवुं.
- कान करडवां : गुपसुप वात करवी.
- राधनो पर्वत करवो : नानी वातने मोटी जनाववी.
- रजनुं गज करवुं : नानी वातने मोटी जनाववी.
- गोदडे गांठ वाणवी : जोटी महेनत करवी.
- जुव टूंको करवो : ओछुं आववुं.
- पग ढीला पडवा : निराश थर्ष जवुं.
- दास कापवुं : जोटां प्रयत्नो करवां.
- नाके दम आववो : जहु हेरान थवुं.
- पाणीचुं आपवुं : जरतरुं करवुं.
- धुमाडाने जायका भरवां : व्यर्थ महेनत करवी.
- सिंठ मटीने शियाण थवुं : गौरव गुभाववुं.
- पाणी वलोववुं : झोगट प्रयास करवो.
- प्राण पाथरवां : जुव आपी देवो.
- जेसवानी डाण कापवी : मूर्जांभरुं काम करवुं.
- र्दरियो गठ जुतवो : भूज मोटुं पराक्रम करवुं.
- गेड न जेसवी : समज न पडवी.
- अेकना जे न थवुं : पोतानी वातमां मक्कम रहेवुं.
- लोहीनुं पाणी करवुं : सभत महेनत करवी.
- पाणीमां लीटा करवा : व्यर्थ प्रयासो करवां.

- કાકા મટીને ભત્રીજા થવું. : ઊંચા મટી નીચા બનવું.
- પાણીની ગાંસડી બાંધવી : ફોગટ મહેનત કરવી.
- ધૂળ કાઢી નાખવી : ખૂબ ઠપકો આપવો.
- જાત ઘસી નાખવી : સખત શ્રમ કરવો.
- જીવ બગડવો : નિરાશ થવું.
- ચોરે ચડવું : પ્રસિદ્ધ થવું.
- જંગલ થવું : વેરાન થવું.
- છાશમાં માખણ જવું : કામ ન આવડવું.
- ગૂંચ કાઢવી : મુશ્કેલી દૂર કરવી.
- કોરે કાગળે મતું મારવું : મફત કામ કરાવવું.
- કાળા તલ ચોરવા : ખરાબ કાર્ય કરવું.
- કાશ કાઢવી : પીડા બતાવવી.
- કળશ ઢોળવો : પસંદ કરવું.
- કપૂરે કોગળા કરવા : સુખી હોવું.
- કબાડું કરવું : ગેરસમજ થવી.
- આંખમાંથી ભાલા કાઢવા : કરડી નજરે જોવું.
- આંખમાં કમળો હોવો : અદેખાઈ હોવી.
- આંગળી પર રાખવું : લાડમાં રાખવું.
- ધાપ મારવી : આડોઅવળો હાથ મારવો.
- ધુમાડો કરવો : ખોટી રીતે ખર્ચી નાખવું.
- ધૂળ ફાક્તા કરી દેવું : પાયમાલ કરવું.
- નવાણુંનો ધક્કો પડવો : ભારે ખોટ આવવી.
- નોખ રહેવી : આખરૂ રહેવી.

- પગ આવવા : અદ્રશ્ય થવું.
- પહાડ ઉઠાવવો : ભારે કામ પૂરું કરવું.
- પાઘડી મૂકવી : દેવાળું કાઢવું.
- પડો વજડાવવો : ઢંઢેરો પિટાવવો.
- પાડ ચડવો : ઉપકાર તળે આવવું.
- પાતરે પાણી પાવું : હથેળીમાં નચાવવું.
- પાનિયું ઊઘડવું : નસીબ ખૂલવું.
- પાર પામવો : ભેદ જાણવો.
- બીડું ઝડપવું : કોઈ સાહસ માથે લેવું.
- મૂળ ખોદવા : નિંદા કરવી.
- મૂછ ચડાવવી : લડાઈ કરવી.
- મુઢ્ઢીમાં રાખવું : કાબૂમાં રાખવું.
- ધૂળ ફાકતા કરી દેવું : પાયમાલ કરવું.
- ધોખો પહોંચવો : ઝપાટો લાગવો.
- ધાર્યું તીર વાગવું : ધારેલા અર્થની સિદ્ધિ થવી.
- નવ નેજા પાણી ઊતરવું : મહામુશ્કેલી પડવી.
- નસકોરાં ફૂલવાં : અભિમાન ચડવું.
- નાણી જોવું : તપાસ કરી જોવી.
- શ્રાવણ-ભાદરવો વહેવો : ચોધાર આંસુ સારવાં.
- શૂળી ઉપર સૂવા જવું : જીવને જોખમે ઝંપ લાવવું.
- સગડી માથે લેવી : બીજાની આપદા વહોરી લેવી.
- સણકો થવો : માઠું લાગવું.
- સરાણે ચડાવવું : આરંભ કરી આપવો.

- शंभ वागवो : जालीभम थर्ष जवुं.
- शंभ कूकवो : हारी जर्ष अधवख्ये पडतुं मूकवुं.
- वेलो वधवो : कुटुंभ के परिवार वधवो.
- वेणल भजवी : ओखिंती भारे आइत आववी.
- वेठे कंकोडी दणवी : नकामो प्रयत्न करवो.
- वींटीभानुं नंग हेलुं : लुख्युं हेलुं.
- वीस वसल थवुं: पार उतरवुं.
- वेढल गणवल : गणतरुी करवी.
- वेतरण रलषवी : सगवड रलषवी.
- शुक्रवल वणवो : ललभ थवो.
- सलतल वणवी : शलंति मणवी.
- ससललनुं शिंगडुं शोधवुं : इंगोट इंकल मलरवलं.
- सण न सूलवी : कशी गम न पडवी.
- सण भेसलडवल : भरलभर सभजवी लेवुं.
- संध कलशीअे जवो : मननी मुरलद पलर पडवी.
- सलकर पीरसवी : भीहुं भोली कलम कडलवी लेवुं.
- सलपे छछुंहर गणवुं : मुश्केलीमलं आववुं.
- सलतपलंथ गणवल : नलसी जवुं.
- सूरज तपतो हेलो : चडती हेली.
- कलणजु कंषवुं : भूल दुःभ थवुं.
- कपलणे डलम देवो : कंर्ष ज न आपवुं.
- आंगणी उींथी करवी : संमत थवुं.
- पेट गणे आववुं : भूल भलवुं.

- મોઢા પર આવવું : યાદ આવવું.
 - મોઢામાં તરણું લેવું : લાચારી બતાવવી.
 - મોઢા પર શાહી રેડાવી : પ્રતિષ્ઠાને હાનિ પહોંચવી.
 - વરે પડવું : ઠેકાણે પડવું.
 - વલો પડવો : નિષ્ફળ જવું.
 - વાઘ મારવો : મોટું બહાદુરીનું કામ કરી બતાવવું.
 - વાજ આવવું : ત્રાસી જવું.
 - આ આવે તેમ કરવું : મનમાં આવે તેમ કરવું.
 - વળતાં પાણી થવાં : જોર ઓછું થવું.
 - વાસીદામાં સાંબેલું જવું : અશક્ય કામ દેખાવું.
 - હાડકાં ચોરવા : આઠસ કરવી.
 - માટીમાં મેળવવું : નાશ કરવો.
 - મરચાં વાટવાં : કોઈની ગેરહાજરીમાં નિંદા કરવી.
 - મંત્ર મૂકવો : છૂપી સલાહ આપવી.
 - મલાજો પાળવો : મર્યાદા રાખવી.
 - માથામાં પવન ભરાવો : મગરૂર થવું.
 - મીણો ચડવો : ઘેન ચડવું.
 - મીંડુ વળવું : ખલાસ થવું.
 - મોટું ગામતરું કરવું : મરણ પામવું.
 - મોડ મૂકવો : જવાબદારીનો ભાર ઉઠાવવો.
 - મોટે પાટલે બેસવું : માન આપવું.
 - મોઢા ઉપર નાક ન હોવું : શરમ ન હોવી.
 - લીલાંપીળાં દેખાવાં : આંખે અંધારા આવવાં.
-

- લોટ ઊડવો : પાયમાલ થઈ જવું.
- વટાણા માપવા : નાસી જવું.
- રેવડીના ફેરમાં આવવું : મુશ્કેલીમાં આવવું.
- નિવેદ થવાં : રુશવત આપવાની સગવડ થવી.
- નેપાળો આપવો : ખૂબ ધમકાવવું.
- તાડનો શ્રીજો ભાગ હોવું : ઘણું ઊંચું હોવું.
- તલમાં તેલ ન હોવું : સામર્થ્ય જતું રહેવું.
- તૂતે તૂત ચલાવવું : ખોટી બનાવટી વાત કહેવી
- તાકડો સાધવો : યોગ્ય વખત જોઈને કામ કરવું.
- ઘડો ગાગર થવો : સારોનરસો નિકાલ થવો.
- ગોળો ગબડાવવો : અડચણ નાખવી.
- ગાંઠ કરવી : સંગ્રહ કરવો.
- કેડ બાંધવી : પૂરી તૈયારી કરવી.
- કહેણ મોકલવું : સંદેશો કહેવરાવવો.
- કપાળ કૂટવું : નકામી મહેનત કરવી.
- કબર ખોદવી : પોતાને નુકસાન થાય એમ કરવું.
- ઊતરતી વેળા આવવી : પડતીનો વખત આવવો.
- આંટી પડવી : ગૂંચવાઈ જવું
- આડો આંક વાળવો : છેવટની હદે નુકસાન કરવું.
- આસમાનમાં ચડાવવું : બહુ વખાણ કરવાં.
- ચણાના ઝાડે ચડાવવું : ખોટાં વખાણ કરવાં.
- ઘરડમાં પડવું : ચાલતું થવું.
- ગળે બાંધવું : માથે નાખવું.

- गारद थवुं : होमाई जवुं.
- गालमां हसवुं : मंड मंड हसवुं.
- गाडे यटीने मोत आववुं : ओयिंतुं आवी जनवुं.
- गायकवाडी चालवी : अव्यवस्था-अंधेर चालवुं.
- गुंटरपाक आपवो : मूटमार आपवो.
- गुंटरियुं चोटवुं : लप वणगवी.
- गिल्ला गणावा : जोटी वात उडाडी
- गणे ऋलावुं : आइत के सडडामणमां आवी पडवुं.
- गाजर भावां : आंधणियां करी कूडी पडवुं.
- अंभाती ताणां देवावां : निर्वश जवो.
- अमतआमणुं करवुं : क्षमा मागवी.
- अडिया भरवां : उठांतरी करवी.
- अडअडियुं आपवुं : अरतरुं करवुं.
- कुंथी मणवी : उपाय हाथ आववो.
- केदारो करवो : पराक्रम करी अताववुं.
- केश कापी लेवा : छेतरवुं.
- कोठी दाटवी : कजियो मांडी वाणवो.
- काश काटवी : नडतर दूर करवुं.
- कापलो काटी नाभवो : नाश करवो.
- कान घरेणे मूकवा : जणी जोघने अेरकार जनवुं.
- कागनुं पींछ थवुं : वात वधीने मोटी थवी.
- अथाणुं करवुं : झोगट संघरी राभवुं.
- अडा देवी : टेको आपवो.

- આંખમાં મીઠું ભરવું : ભૂલથાપ આપી ફસાવવું.
- આંખમાં આવવું : ઈર્ષ્યા થવી.
- આંખો ફરી જવી : અજાયબી પામવી.
- આંટીમાં લેવું : દાવપેચમાં નાખવું.
- ઈભારત ગોઠવવી : સાર તૈયાર કરવો.
- ઈતિશ્રી થવું : પૂર્ણ થવું.
- ઉબાળો ઊડવો : તોફાન મચવું.
- તરવાર તાતી કરવી : યુદ્ધની તૈયારી કરવી.
- ઢંઢેરો પીટવો : લોકમાં જાહેર કરવું.
- તનકારા થવા : ખરકતની છોળ માણવી.
- તોપ મારવી : ડંફાસ હાંકવી.
- તોડી પાડવું : પાડી નાખવું.
- તૂમડાં ફોડવાં : નિરાધાર કરવું.
- તાન મારવી : ગળામાંથી સૂર કાઢી ખતાવવા.
- તાનમાં આવવું : લહેરમાં આવવું.
- તાગડે તેવડ રાખવી : જોઈ વિચારીને ખર્ચ કરવો.
- વુંતાં કરવું : બોલાચાલી કરવી.
- વુમારે ચડવું : મહેનત છતાં કામ પાર ન પડવું.
- દહાડાં વાંકા થવાં : દશા ખરાબ થવી.
- તેજ મારવું : રુઆબ પાડવો.
- તેડું આવવું : નોતરું આવવું.
- તેશ્રીસમું જાગવું : કાંઈ અણધાર્યું આવી પડવું.
- તેરીખ દેવી : વ્યાજ આપવું.

- तेल रेडावुं : अटेजाई थवी.
- तान लागवी : ध्यान लाग्युं रहेवुं.
- त्राजवुं नीचे नमवुं : लाभ थवो.
- दशा भेसवी : पडती दशा आववी.
- दम पडडवो : धीरज धरवी.
- थोल भेसवो : अनुकूल समय भणवो.
- थूलियां मारवां : झंझं मारवां.
- दहाडे लागवुं : रोजगारे वणगवुं.
- दहाडो आथमवो : पडती दिशामां आववुं.
- दहाडो उघडवो : सारी स्थितिमां आववुं.
- दम बांधीने चालवुं : उतावणे चालवुं.
- थाण करवो : प्रभुने थाण धरवो.
- थडक पेसवी : भयभीत थवुं.
- थड बांधवुं : शर्यात करवी.
- थडको भावो : दिलमां थडकारो थवो.
- थूली भंभेरवी : मार मारवो.
- थाप भाई जवी : छेतराई जवुं.
- थूलुं काढवुं : मानभंग करवुं.
- थोरिया रोपवा : लडाईना भूण रोपवां.
- दम बांधवो : पूरी ताकात अेकठी करवी.
- थाणे पडवुं : शांत पडवुं.
- थाणी फेरववी : पैसा उघराववा.
- थू थू करवुं : धिक्कारवुं.

- દહાડા ભરાઈ જવાં : મોતની નજીક આવવું.
 - નમવું આપવું : નરમ થવું.
 - નમતી બેસવી : પડતી દશા આવવી.
 - નંખાઈ જવું : તબિયત બગડવી.
 - નકશો ઉતારી મેલવો : મોં તોડી લેવું.
 - ધોળી આવવું : ફાયદો કરી આપવો.
 - ધોવાઈ જવું : બરબાદ થવું.
 - ધોમ ધખવો : ખૂબ તાપ પડવો.
 - ધોતિયાં ઢીલા થઈ જવાં : ભયભીત થઈ જવું.
 - નાદે ચઢવું : ધૂન લાગવી.
 - નામ તારવું : આબરૂ મેળવવી.
 - નાક પર લીંબું ઘસવું : હરીફાઈમાં જીતવું.
 - નાક લઈને જવું : શોભાથી જવું.
 - નાક વેંતનું હોવું : આબરૂ ઘણી હોવી.
 - નોરા કરવા : કાલાવાલા કરવાં.
 - નોખ જાળવવી : ટેક સાચવવી.
 - પગ વધારવા : હિંમતભેર આગળ ઘસવું.
 - પગ નીકળી જવો : ચલણ બંધ થવું.
 - અદબ વાળવી : મર્યાદા કે વિવેક જાળવવો.
 - અડા દેવી : ટેકો આપવો, મદદ કરવી.
 - અડાસે આવવું : મદદે દોડી આવવું.
 - અગનપછેડી ઓટવી : બળી મરવું.
 - અજવાળામાં મૂકવું : જાહેરમાં ખુલ્લું કરવું.
-

- અમલપાણી કરવાં : કેફ કરવો.
- અંધારી બાંધવી : કાંઈ ન સૂઝવું.
- અંબાતું નાખવું : ઘણી મુદત સુધી લંબાવવું.
- આટો આવી રહેવો : આવરદા પૂરી થવી.
- આભા લાડુ હોવા : અતિશય ફાયદો હોવો.
- આડ આવવી : આપત્તિ આવવી.
- આડનું દોટ કરવું : કંઈનું કઈ કરવું.
- આડું પડવું : માઠું લાગવું, વાંકું પડવું.
- આડો હાથ કરવો : વચ્ચે અંતરાય કરવો.
- આડા સુખડી આવવી : રજા આપવી.
- અક્ષર ઉતારવા : મહેણું ટાળવું.
- અક્કલને વટવાડ હોવી : મૂર્ખતા કે બેવકૂફી હોવી.
- અવળા કરવા : ખોટ ખાવી.
- અવળું પડવું : ઊંધું થવું.
- અવળો આંક લખવો : નસીબ ઊલટું થવું.
- અસર કરવી : પરિણામ બતાવવું.
- અર્ધ્ય આપવો : નુકસાન કરવું.
- અવળી ઘાણીએ પીલવું : ખૂબ ત્રાસ આપવો.
- અંજાડીમાં પડવું : જબરાએ દુખથી ઘેરાવું.
- અંચળવો ઉતરાવો : ઈલાજથી પીડા દૂર કરવી.
- અંતિયાં કરવાં : મરણિયા થઈને વર્તવું
- આકાશના તારા ઉતારવા : મહાઉત્પાત કરવો.
- આજકાલ કરવી : વાચદા કરવા.

- આંબા-આંબલી બતાવવાં : લલચાવવું.
- આમળું કાઢવું : થકવવું, કાયર કરવું.
- આમળો ચઢવો : ઉત્તેજન મળવું, દ્રેષ રાખવો.
- આસન જમાવવું : સ્થિર થઈ બેસવું.
- આસન નાખવું : અણે જમાવવો.
- આળું ઓઢવું : બદનામી લેવી
- આંખ વઢવી : પરસ્પર અણગમો થવો.
- આંખમાં આંગળીઓ ઘાલવી : ભોળવીને છેતરવું.
- આંખમાં ચકલાં રમવાં : ચંચળતા દેખાડવી.
- આંખમાં મીઠું આંજવું : રિખાવવું, હેરાન કરવું.
- આંખમાં સરસૌ ફૂલવા : આનંદથી મસ્ત થવું.
- આંખો ઓડે જવી : અતિ કષ્ટવાળી સ્થિતિ વેઠવી.
- આંધળિયાં કરવાં : અવિચારી રીતે ઝંપલાવવું.
- ઈતબાર કરવો : ભરોસો કરવો.
- ઉધાન ચઢવું : મોટી ભરતી આવવી.
- ઉપરાણું લેવું : તરફદારી કરવી.
- ઊલટી પાઘડી બાંધવી : ફરી જવું, નામકકર જવું.
- ઊલટો ઘડો બાંધવો : સામો દાવો ચલાવવો.
- ઊંટ ફૂંડાળે પાડવાં : મામલો કાબૂમાં લેવો.
- ઊંડળમાં લેવું : સમાવી કે આવરી લેવું.
- ઓકડો નીકળી જવો : ગણતરીમાં ન રહેવું.
- ઓચ્છવ થવો : આફત આવી પડવી.
- ઓછ મૂકવી : કચાશ રાખવી, બાકી રાખવું.

- ओछियां करवां : लाड लडाववां.
- ओसार देवो : पाछा हठवुं.
- कर्म बांधवुं : पाप कर्म अेकठां करवां.
- कहुका थवां : भूप्यां रहेवुं.
- कहेणी आववी : कलंक आववुं.
- कागनुं पीछ थवुं : हलकी वात भारे थवी.
- कापलो काठी नाभवो : नाश करवो.
- काला क्पाई जवां : हिंमत हारी जवी.
- काश काटवी : नडतर दूर करवुं.
- किंगलाछे चटवुं : हरमनी छोलोमां आवी जवुं.
- कूकवो करवो : मरी गयेलाने नामे रडवुं.
- कूये मरवुं : नाहक तूटी मरवुं.
- कूटी काटवुं : पराकाष्ठाअे प्राप्त करवुं.
- काणे पाणीअे काटवुं : देशनिकाल करवुं.
- कूंयी ફेरवी : युक्ति-तजवीजथी चक्कर ફेरवी देवुं.
- कूंयी मणवी : उपाय हाथ आववो.
- कूंयी हाथ लागवी : भेद समभवो.
- कैलास पधारवुं : अवसान पामवुं.
- कोठी दाटवी : कजियो मांडी वाणवो.
- कोरम तूटवुं : पूरती हाजरी न थवी.
- ञडतूस आपवुं : अरतरङ्ग करवुं.
- ञडिया भरवा : उठांतरी करवी.
- ञडुं थवुं : रही रहीने विघ्न ठोभुं थवुं.

- ખભે હાથ મૂકવા : સોગંદ ખાવા
- ખરાખરીનો ખેલ હોવો : કસોટીનો સમય હોવો.
- ખાંડ ખાવી : બડાઈ મારવી.
- ખાટી જવું : ફાયદો મેળવવો.
- ખારિયાં થવાં : ભૂખ્યાં રહેવું
- ખોંચમાં બોલવું : વ્યંગમાં બોલવું.
- ગલ આપવો : લાંચમાં કંઈક આપવું.
- ગાજર ખાવાં : આંધળિયા કરી કૂદી પડવું
- ગારદ થવું : હોમાઈ જવું.
- ગોટલી મારવી : કામચોર થવું.
- ગ્રહ ગામ જવા : દહાડા વાંકા થવાં.
- ગ્રહ ઘરેણે મૂકવા : અક્કલ ગુમાવવી, શુદ્ધિ ખોવી.
- ઘઉં ભરવા જવું : અવસાન પામવું.
- ઘડો લાડવો થવો : મૃત્યુ થવું, પાર પડવું.
- ઘર તરતું રાખવું : ઘરનો મોભો જાળવી રાખવો.
- ઘર બાળીને તીરથ કરવું : અવિચારીપણે ખર્ચ કરવું.
- ઘાત જવી : મરતાં મરતાં બચી જવું.
- ઘિસોડાં ફૂંકવાં : ડંફાસ મારવી
- ઘીસ ખાવી : હારી જવું.
- ઘીના ઠામમાં ઘી પડી જવું : સારાં વાનાં થવાં.
- ઘૂઘરો બનવું : તાનમાં આવવું.
- ઘોળીને પી જવું : બેદરકાર રહેવું.
- ચણા કરવા : છેતરી જવું.

- ચણાના ઝાડે ચઢાવવું : ખોટાં વખાણ કરવાં.
- ચતુર્ભુજ બનવું : સ્તબ્ધ થઈ રહેવું, ચક્તિ થવું.
- ચાંદી કરવી : સમૂળો નાશ કરવો.
- ચશમાં ફરી જવાં : ગુસ્સે થવું.
- ચાંચે ચઢવું : અદેખાઈની નજરે આવવું.
- ચાંપી હાંકવું : જલદી નાસી જવું.
- ચાકે ચઢવું : લોકોમાં વાત ચાલવી, વગોવાવું.
- ચાનક રાખવી : કાળજી રાખવી.
- ચાદર ચોઢવી : દેવાળું કાઢવું.
- ચોઠો કરવો : ઘટસ્ફોટ કરવો.
- ખેલ માંડવો : રમત રમવી.
- શગ સંકોરવી : દીવાની જ્યોત પ્રજ્વલિત કરવી.
- પડો વજાડવો : ઢોલ વગાડી જાહેરાત કરવી.
- અંક વળવો : હદ થવી.
- કાન ફાટવાં : કાન બહેરા થઈ જવાં.
- તાળી વાગવી : લગની લાગવી.
- કપટીનું ચપટ થવું : કપટીની યોજના નષ્ટ થવી.
- આખડી પડવું : લડવા મંડવું.
- માટી વાળવી : અંતિમ ક્રિયા કરવી.
- શૂન્ય થઈ જવું : પોતાની જાતને ભૂલી જવી.
- ધોળાં આવવાં : ઘડપણ આવવું.
- નો'રા કરવા : આગ્રહપૂર્વક વિનંતી કરવી.
- હાડોહાડ હોવું : પૂરેપૂરા હોવા.

- ટાંચ આવવી : જપતીનો હુકમ આવવો.
- લોટાની મેખ પેસી જવી : વેદના થવી.
- મનને કાંઠું કરવું : મનને મજબૂત કરવું.
- ભેજું ફાટી જવું : ઘેલા બનવું, ઘેલછા થવી.
- ભાવ થવો : ઈચ્છા થવી, લાગણી થવી.
- ભાર ઉતારવો : ઉપાધિમાંથી મુક્ત થવું.
- ભાર ભાગી જવો : શંકા દૂર થઈ જવી.
- ભાંગ્યાં વેણ બોલવાં : અર્થ વિનાનું બોલવું
- ભાઈબાપા કરવા : નરમાશથી પટાવીને કામ લેવું
- ભાજી કરી નાખવી : ફજેતી કરવી.
- ભસ્મ થવું : ગુસ્સાથી બળી જવું, પચી જવું.
- બાંચ ઝાલવી : આશરો આપવો, સહાય કરવી.
- બુદ્ધિ સાગર હોવું : બુદ્ધિશાળી માણસ હોવું.
- બોકડો બનાવવો : મશ્કરીનો ભોગ બનાવવો.
- બેઠા થવું : સાજા થવું.
- બાંધછોડ કરવી : તોડ કાઢવો, સુધારાવધારા કરવા.
- ભભકી દેવી : ધમકી આપવી, રોફ છાંટવો.
- ભભૂકી ઊઠવું : પ્રકાશી ઊઠવું, સળગી ઊઠવું.
- ભરી પીવું : ન ગણવું, પહોંચી વળવું.
- ફોલ્લો ફૂટી જવો : અડચણ મટવી, નિકાલ થવો.
- બત્રીસ કોઠે જીવ આવવો : નિશ્ચિત થઈ જવું.
- પૂંછડે તણાવું : કોઈના વિચારને અનુસરવું.
- પુણ્ય પરવારવું : સારાં કર્મના ફળ ખૂટી જવાં.

- પૂંછડું છૂટી જવું : ગભરાવું, ડરી જવું.
- પાર પામવો : ભેદ જાણવો, મર્મ કે રહસ્ય સમજવું.
- પાનુ ઉઘાડવું : કોઈની નિંદા શરૂ કરવી.
- પડી ન હોવી : પરવા ન હોવી.
- પગ ઠરવો : સ્થિર કે દ્રઢ રહેવું, સ્વસ્થ થઈ રહેવું.
- નાચ સૂઝવા : જુદા જુદા નકામા ખેલ માંડવા.
- નિશાને ચડવું : વાવટો ફરકાવવો, વિજય મેળવવો.
- ધોળકું ધોળવું : અજવાળું કરવું.
- ધકડો મારવો : જલદી કામ પતાવવું.
- ધડે બેસવું : પડી ભાંગવું, પાયમાલ થવું.
- ધડે રહેવું : અંદાજસર રહેવું, મર્યાદામાં રહેવું.
- ધાડે લાગવું : પાછળ પડવું, ઉતાવળું થવું.
- ધાનધાન થવું : રોજીરોટી મેળવવાને માટે તલસવું.
- ધજા ઉડાવવી : ડંકો વગાડવો, જયજયકાર કરવો.
- દીઠે ડોળે ન બનવું : એકબીજાના કટ્ટર દુશ્મન હોવું.
- દીસવું કરવું : છોડી કે મૂકી દેવું, છૂપું રાખવું.
- દુનિયાની હવા લાગવી : સંસારનો અનુભવ થવો.
- દુખણાં લેવાં : ઓવારણાં લેવાં.
- તડાકા મારવા : બડાશની વાતો કહેવી.
- ડોભાં ચારવાં : ખાલી વખત ગુમાવવો.
- ડાંઠાં દેવા : કામમાં વેઠ ઉતારવી.
- ડહોળી મૂકવું : ગોટાળો કરવો, બગાડી મૂકવું.
- ઢગલો થઈ જવું : થાકી લોથ થઈ જવું.

- टका करवा : रोकडी करवी
- टाणो देवो : छुपाएने रस्ते पडवुं, वायदो करवो.
- जोडी काढवुं : कल्पनाथी जनाववुं, नवुं रचवुं.
- बुवार-भाजरो भावो : गरीज भाएस तरीके रहेवुं.
- झावां नाभवां : झंझा भारवां, वलभां भारवां.
- झंभवाणा पडवुं : शरमावुं, भोंढा पडवुं.
- जुम करवी : वचन आपवुं, निर्णय जाहेर करवो.
- जिगरनो दुकडो होवो : मूल वहावुं होवुं.
- जसकियां ठोडवां : मूल अर्यपाणी थवुं.
- हाथे पगे लागवुं : आजुजु करवी.
- हार उतारवो : टेक ओछो करवो, नरम पडवुं.
- हामी भरवी : जमीन थवुं, भांयधरी आपवी.
- हाड जवुं : अरुं रूप प्रकाशवुं, वंढी जवुं.
- हमची भूँदवी : नाख्यां करवुं, धमाल करवी.
- हलक लागवी : हेजताई जवुं, स्तब्ध थई जवुं.
- हजर घंटीनो लोट भावो : घणो अनुभव लेवो.
- सांज-सवार करवी : वायदा करवा.
- सोना साठ करवा : आणरु जोवी, जोट भावी.
- सूको वांस भारवो : चोम्भी ना पाडवी.
- सुभडी आपवी : अदिस आपवी.
- सिंदूर डेरववुं : धूलभां मेणववुं, नकामुं करी देवुं.
- सवा भएनी तणाघभां सूवुं : निश्चित थवुं.
- शाल ओटाडवी : अदिस आपवी, निंदा करवी.

- વેઠે કંકોડી દળવી : નકામો પ્રયત્ન કરવો.
- વાળ ઊભા થવા : રોમાંચ થવો.
- વાટ પડવી : ઘાડ પડવી, લૂંટ થવી.
- વાડી લૂંટાવી : ધૂળમાં મળી જવું, બગડવું.
- વાણાતાણા કરવા : ગૂંચવી નાખવું.
- વશનું માણસ હોવું : લાગવગ હેઠળનું માણસ હોવું.
- કાળ ખૂટવા : આફત આવી પડવી.
- શિખરે ચડાવવું : કોઈ કામને ઉચ્ચ રીતે પાર ઉતારવું.
- આસમાની આફત આવવી : દુકાળ કે ધરતીકંપ જેવી મુશ્કેલી આવવી.
- ખીલાને જોરે ફૂદવું : કોઈ સત્તાવાળા મોટા માણસને આધારે મહાલવું.
- આંખ મીંચીને અંધારું કરવું : વગર વિચાર્યું સાહસ કરવું
- ખાટલા વચાળ રહેવું : પરિસ્થિતિમાં કાઈ ફરક ન પડવો.
- લાગે લાકડા ફાટવાં : યુક્તિથી કઠણ કામ પાર પડવું.
- પૈસાનાં ઝાડ હોવાં : પૈસા કે ધનદોલતની વિપુલતા હોવી.
- સોનાના દિવસો બેસવા : ચારે બાજુથી સુખશાંતિ આવી મળવાં.
- જીભ ન ઊપડવી : વાત કરતાં ખચકાટનો અનુભવ થવો.
- સાતે આકાશ તૂટી પડવાં : ભારે મોટી આફત આવી પડવી.
- ઘૂંકારિયા કરવાં : રોષ પ્રદર્શિત કરવા ગળામાંથી અવાજ કાઢવો.
- પેટે પાટા બાંધવા : જીવનજરૂરિયાતો પર કાપ મૂકીને જીવવું.
- દ્વારકાની છાપ પડાવવી : કીર્તિ કે એવા સારા કામની નિશાની મેળવવી.
- કાગડા ઊડવા : સભા – બેઠકમાં કોઈ ખાસ માણસો ન હોવા.
- પગ પાતાળમાં હોવા : બહાર ન દેખાય પણ કપટી કે પહોંચેલ હોવું.
- વચનમાં શૂરા હોવું : વચનમાં વિશ્વાસ રાખી શૌર્ય સાથે જીવવું.

- અંગારો પાકવો : કુળને કલંક લાગે એવો કુપુત્ર નીવડવું.
- ગળામાં ટાંટિયા આવવા : જીભ જોખમાય એવી સ્થિતિમાં આવી પડવું.
- ઊંટે ચઢી બકરાં હાંકવા : પોતે ન કરતાં બીજા પાસે કામ કઢાવવું.
- અન્ન અને દાંતને વેર થવાં : માણસની ગરીબ સ્થિતિ થવી.
- ગજવાં ભરવાં : બદદાનતથી પુષ્કળ પૈસા એકઠાં કરવાં.
- દીકરી દૂધ પીતી કરવી : દીકરીને દૂધમાં ઝેર નાખી પિવરાવી મારી નાખવી.
- ટાઢા પાણીએ ખસ જવી : વગર પ્રયત્ને મુશ્કેલી દૂર થવી.
- જીભે સરસ્વતી હોવી : બોલવાની બાહોશી અને ચતુરાઈ હોવી.
- બળતામાં ઘી હોમવું : ઉગ્ર લાગણી કે જુસ્સાને વધારવો.
- એક કાંકરે બે પક્ષી મારવાં : એક કામ કે પ્રવૃત્તિથી બે લક્ષ્ય સાધવાં.
- મીઠા ઝાડના મૂળ ખાવાં : ભલું કરનારનું નુકસાન કરવું.
- આંગળી દેતાં પોંચે વળગવું : થોડું આપતાં બધું આંચકી લેવા પ્રયત્ન કરવો.
- શેઠ મટીને વાણોતર થવું : ઊંચા સ્થાનેથી નીચા સ્થાને જવું.
- કીડી ઉપર કટક ચડી આવવું : નિર્બળ સામે મોટી મુશ્કેલી આવવી.
- કાંઠે આવેલું વહાણ ડૂબવું : મહેનત છતાં નિષ્ફળતા મળવી.
- સૂકા ભેગું લીલું બળવું : ખોટા સાથે સાચાને અન્યાય થવો.
- દીવો લઈને કૂવામાં પડવું : હાથે કરીને મુશ્કેલી વહોરવી.
- ચોરીમાંથી રંડાપો આવવો : વેપાર માંડતાં જ દેવાળું આવવું.
- ધૂળી દેવી : અવળા વિચારમાંથી સવળા વિચારમાં વાળવું.
- મીણનું કરી નાખવું : ગરીબ અને નિરાધાર કરી નાખવું.
- લોહીનો કોળિયો ખાવો : શોકના અવસરનું જમણ જમવું.

- તરણાને તોલે કરવું : કોઈ ગણતરીમાં ન હોય એવું કરવું.
- ગોચલાં ગણવાં : મનમાં અમુક વાત બાબતે શંકા રાખવી.
- શ્રીજું નેત્ર ઊઘડવું : એકાએક ગુસ્સો ફાટી નીકળવો.
- ધુઆંપૂંઆ થવું : આવેશમાં કે ગુસ્સામાં બેબાકળા થવું.
- લેણાદેણી પૂરી થવી : લેવડ – દેવડના સંબંધો પૂરા થવા.
- ઘોડાના ડાબલા હેઠે પડવું : આક્રમણનું નિશાન બનવું.
- મોરલો કલા કરી જવો : ચાલાકીથી કોઈને છેતરવો.
- ખભે હાથ મૂકવા : ધીરજ આપવી કે સાંત્વન આપવું.
- મીંડા આગળ એકડો માંડવો : શૂન્યમાંથી સર્જન કરવું
- રંગમાં આવવું : અત્યંત આનંદની સ્થિતિમાં આવવું.
- ભીના ઘઉં દળવા : બહુ મહેનત પડે એવું કામ કરવું.
- મોઢામાં મગ ઓરવા : જવાબ આપ્યા વિના ચૂપ રહેવું
- રળીખપીને ઊતરવું : નફાનુકસાનમાં શક્તિ ખૂટી જવી.
- ભવન ઠેકાણે હોવું : મગજ કે યાદદાસ્ત દુરસ્ત હોવાં.
- અંતરપટ ખોલવું : મનનો મેલ દૂર કરી વાત કરવી.
- રેતીમાં નાવ ચલાવવી : અશક્ય કામની સિદ્ધિ કરવી.
- દૂધે ધોઈને આપવું : પ્રામાણિકતાથી આદરપૂર્વક આપવું.
- અંગૂઠામાંથી રાવણ ચીતરવો : જરામાંથી મોટું કરવું.
- આંખમાંથી મોતી ઝરવાં : આંખમાંથી આંસુ ટપકવાં
- આંખનું ઊંડાણ માપવું : તાકાત વિશે ખ્યાલ બાંધવો.
- માથે ઝાડ ઊગવા બાકી હોવાં : ઘણાં જ દુઃખ પડવાં.
- કાગનો વાઘ કરવો : સામાન્ય બાબતને મોટી બનાવવી.
- વાતનું વતેસર કરવું : નાની વાતને મોટી બનાવવી.

- પોતાનો કક્કો ખરો કરવો : પોતાની વાતને મનાવવી.
- ભય વિના પ્રીતિ ન થવી : ભય ખતાવી સહમત કરવું.
- અજ્ઞ અને દાંતને વેર થવાં : ખૂબ ગરીબી આવી જવી.
- કૂવો-હવાડો કરવો : આત્મહત્યા કરવા કૂવામાં પડવું.
- એક દિલ થવું : બે અથવા વધારે માણસોના જુદા જુદા વિચાર એક થવાં.
- અધોટિયું કાઢવું : શેરડીને પીલીને તેના રસની અર્ધી કોઠી કાઢવી.
- અખોખે પડવું : કોઈ ચીજ ખાવા પર ઘણો અભાવ થવો.
- અંગૂઠાનો રાવણ કરવો : નજીવી બાબતને વધારી મોટી કરવી.
- ટાંકણીમાં પાણી લઈ ડૂબી મરવું : લાજના માર્યા મોં ન ખતાવવું.
- ટાંકપિછોડો કરવો : કાઈ વસ્તુ કે વાત દાખી રાખવી, વાંક-ગુનો ટાંકવો.
- ઝોડ વળગવું : કંટાળો આપે એવા માણસે બાઝી પડવું.
- ઝાંખી કરવી : ભાવથી જોવું, નીરખીને દર્શન કરવાં.
- ઈંડું ચઢાવવું : મોટું પરાક્રમ કરવું, મહાન કાર્ય પૂર્ણ કરવું.
- કનકવો અપાવવો : હવાઈ કે બિનવહેવાર ખ્યાલ કરવા.
- નાહી બેસવું : નિરાંત વાળવી, ભારે ખોટમાં આવી પડવું.
- પગ પર માથું મૂકવું : કોઈની સત્તામાં રહેવું, આશરો માગવો.
- કંઠે પ્રાણ આવવો : મરવાની તૈયારીમાં હોવું, આફત આવી પડવી.
- બલૈયાં પહેરવાં : નિર્બળતા ખતાવવી, નામર્દ બનવું.
- દાવ સાધવો : અનુકૂળ વખતનો લાભ લઈ લેવો, લાગ મેળવવો.
- ઢોળી નાખવું : કોઈ ઉપર આરોપ નાખવો, માનભંગ કરવું.
- પાર ઊતારવું : સામે છેડે પહોંચવું, ઓળંગવું, સફળ થવું.

- કાળજુ બોતરે હાથ લાંબું હોવું : ચારે બાજુ નજર રાખવાની શક્તિ હોવી.
- ગોચલાં ગણવાં : દ્રઢ નિશ્ચય પર આવી વાતનો ખુલાસો ન કરવો.
- ઘરણ મરી જવાં : બેચેન થઈ જવું, ટાંટિયા ટીલા પડી જવા.
- પીઠ ફેરવવી : અરુચિ કે અનિચ્છા જણાવવી, તજી દેવું.
- પેટ ઉપર છરી મૂકવી : આજીવિકા તોડવી, જીવ જોખમમાં નાખવો.
- કાળી ઘોડી પર ચઢવું : અફીણના નશામાં ખુમારીમાં આવવું.
- ગ્રહણ વેળા સાપ કાઢવો : છેલ્લી ઘડીએ મુસીબત ઊભી કરવી.
- ઘરમાં આડો વાંસ ફરવો : ઘરમાં કંઈ સરસામાન ન હોવો.
- ઘાટ ઘડવો : ઘણું નુકસાન કરવું, મનસૂબો કરી રાખવો.
- ઘાણ નીકળી જવો : સંહાર થવો, સંકડામણમાં આવવું.
- ચૌદ ભુવન એક થવાં : પ્રલય થવો, મહા મુસીબત પડવી.
- ચંદરવો બાંધવો : જાહેર કરવું, જૂઠી નામકીર્તિ મેળવવી.
- હવામાં હીંચકા ખાવા : કામઘંધા વિના રહેવું, ઝોલાં ખવાવાં.
- સે પૂરવી : ટેકો આપવો, મદદગાર નીવડવું, બરકત જણાવી.
- સાંધા કરવા : આઘાપાછી કરવી, સાચી ખોટી વાતો કરવી.
- ભમી જવું : ચક્કર આવવાં, અમુક વિચારોમાં દોરવાઈ જવું.
- ટુંબા ખાવા : માથામાં ટાપલી ખાવી, મહેણાં સહન કરવાં.
- જીભ તાળવે ટંગાવો : જીવ જવાની તૈયારીમાં હોવો, મોટી ચિંતામાં આવવું.
- હાથેવાળો મેળવવો : પરણાવવું, હાથોહાથની લડાઈ કરવી.
- હળદર ફટકડી કરવી : આખર ઘટે તેમ કરવું, નુકસાનીમાં ઉતારવું
- જાનીવાસો કાણો થવો : મળતિયાઓમાં ફાટફૂટ પડવી.

- सपाटो काढी नाभवो : ओ भूलावी देवी, धमकाववुं, मारवुं.
- शेर लोही चढाववुं : हए उपरांत भुश करवुं, आनंदमां लाववुं.
- वात भाई जवी : जवाण न आपवो, भुद्धे दणावी देवो.
- वरस कूतरांने नाभवां : जुवन ओणे जवुं, आयुष्य वेऽकावुं.
- वहेती नीके पग देवो : भलेल करवी, चालता काममां विघ्न नाभवुं.

All Exam Study Materials

Visit Website

www.HindiHelpguru.com
